नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 14

अंक : 14

सोमवार, 06 से 12 मई 2024

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने दिल्ली भर के प्रमुख मंडलों में शुरु... 03

एक ही मुखड़े पर अटके मोदी के सुर 08

NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM

चेन्नई सुपर किंग्स ने राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से हराया 10

गरमी में पीएं हेल्दी ड्रिंक्स 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

यूनिसेफ इंडिया की नेशनल एंबेसडर बनीं करीना कपूर 12

केजरीवाल ने देश को दी 10 गारंटी

'चीन से वापस लेंगे जमीन', फ्री बिजली से लेकर मुफ्त इलाज तक

- पीएम मोदी की गारंटी कौन पूरा करेगा, वो भी नहीं पता क्योंकि वह 75 साल की उम्र में रिटायर हो रहे हैं।

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल से बाहर आने के बाद से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल लगातार पीएम मोदी पर हमलावर है। रविवार को एक बार फिर उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रधानमंत्री की गारंटी को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। इसी के साथ केजरीवाल ने देश को 10 गारंटियां दी। उन्होंने कहा कि जब इंडी गठबंधन की सरकार बनेगी तब इन गारंटियों को पूरा किया जाएगा।

उन्होंने कहा देश में मोदी की गारंटी की चर्चा है। केजरीवाल ने कहा कि पीएम ने 15 लाख रुपये खाते में देने की गारंटी दी थी, जो नहीं हुआ। उन्होंने कहा दो करोड़ रोजगार देंगे, वह भी नहीं हुआ। स्वामीनाथन रिपोर्ट लागू करके किसानों को फसलों के दाम दिए जाएंगे और 2022 तक किसानों की इनकम डबल हो जाएगी, यह भी नहीं हुआ। 100 स्मार्ट सिटी की मोदी जी गारंटी दी थी। लेकिन उन्होंने एक भी गांरटी पूरी नहीं की।

केजरीवाल ने कहा कि हमने बिजली मुफ्त करने की गांरटी दी, स्कूल शानदार की गारंटी दी, मोहल्ला क्लिनिक खोलने का वादा किया। हमने वो सब किया

जिसकी हमने गारंटी दी थी। पीएम मोदी की गारंटी कौन पूरा करेगा, वो भी नहीं पता क्योंकि वह 75 साल की उम्र में रिटायर हो रहे हैं। केजरीवाल की गारंटी केजरीवाल पूरा करेंगे। केजरीवाल ने देश की जनता को 10 गारंटी दी हैं।

पहली गांरटी में उन्होंने मुफ्त बिजली देने वादा किया है। दूसरी गांरटी बेहतर शिक्षा और तीसरी गांरटी स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करना है। केजरीवाल ने कहा इस देश में हर पैदा होने वाले हर इंसान का इलाज मुफ्त होगा। हम अस्पताल बनाएंगे, मोहल्ला क्लिनिक बनाएंगे। इसके लिए पांच लाख करोड़ का खर्चा आएगा।

केजरीवाल ने कहा कि हमारी चौथी गारंटी में चीन से जमीन वापस लेना शामिल है। हमारे देश की जितनी भी जमीन पर चीन ने कब्जा किया है, उसे कब्जा मुक्त कराएंगे। सेना को पूरी स्वतंत्रता दी जाएगी। आज सेना को रोका जा रहा है। हम अग्निवीरों की नौकरी पक्की करेंगे, यह योजना सेना के लिए हानिकारक है। उन्होंने छठी गारंटी किसानों को दी।

उन्होंने कहा किसानों के सभी फसलों पर स्वामीनाथन कमेटी की शिफारिश के अनुसार दाम मिलेगा। सातवीं गांरटी केजरीवाल ने दी कि दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाया जाएगा। केजरीवाल की आठवीं गारंटी में रोजगार का वादा है, सीएम ने कहा कि एक साल के अंदर देश में दो करोड़ रोजगार का इंतजाम किया जाएगा। नौवीं गांरटी में केजरीवाल ने कहा कि देश को भ्रष्टाचार मुक्त करेंगे।

केजरीवाल ने देश को दी ये 10 गारंटियां....

1. मुफ्त बिजली की गांरटी
पूरे देश में 24 घंटे बिजली का इंतजाम करेंगे। कहीं पावर कट नहीं लगेगा। पूरे देश के गरीबों की बिजली फ्री करेंगे।

2. बेहतर शिक्षा की गांरटी
हर गांव और हर मोहल्ले में शानदार सरकारी स्कूल बनाएंगे। इस देश में पैदा होने वाले हर बच्चे के लिए अच्छी और मुफ्त शिक्षा का इंतजाम किया आएगा।

3. शानदार और फ्री इलाज की व्यवस्था करेंगे
हर गांव और मोहल्ले में मोहल्ला क्लिनिक मनायेंगे। हर जिले में शानदार सरकारी अस्पताल बनाएंगे। देश के हर व्यक्ति के लिए शानदार और फ्री इलाज की व्यवस्था करेंगे।

4. चीन से जमीन वापस लेने की गारंटी
चील द्वारा अवैध तरीके से कब्जा की भारत की जमीन वापिस लाने के लिए सेना को जरूरी कदम उठाने के लिए पूरी स्वतंत्रता दी जाएगी।

5. अग्निवीर योजना बंद कर, अग्निवीरों को पक्का करने की गारंटी
अग्निवीर योजना को बंद करके सारी सैम्य भर्तियों को पुरानी प्रक्रिया की तहत किया जाएगा। अभी तक भी किए गये सभी अग्निवीरों को पक्का किया जाएगा।

6. किसानों के लिए गांरटी
किसानों को स्वामीनाथन आयोग के मुताबिक सभी फसलों पर टरढ निर्धारित करके उनहें फसलों के पूरे दाम दिलवायेंगे।

7. दिल्ली को पूर्ण राज्या का दर्जा दिलाने की गांरटी
दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलवायेंगे।

8. रोजगार की गारंटी
बेरोजगारी को व्यवस्थागत तरीके से दूर किया जायेगा। अगले एक वर्ष में 2 करोड़ रोजगार की व्यस्था की आरणौ।

9. भ्रष्टाचार से मुक्ती की गारंटी
भाजपा की वाशिंग मशीन का विनाश किया जाएगा। ईमानदारों को मेल भेजने और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने की मजबूत व्यवस्था को समाप्त किया जाएगा। दिल्ली और पंजाब की तरह भ्रष्टाचार पर सही मायने में प्रहार किया जाएगा।

10. व्यापारी को खुलकर व्यापार करने की गारंटी
जीएसटी का सरलीकरण किया जाएगा। हम ऐसी व्यवस्था करेंगे, जिससे व्यापारी खुलकर व्यापार कर सकेंगे। ॠश्ळ को पीएमएलए से बाहर किया जाएगा।

ओडिशा: राजधानी भुवनेश्वर में प्रधानमंत्री मोदी का भव्य रोड शो

दुर्गेश नंदन मोहापात्रा

ओडिशा: की भुवनेश्वर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो शांति के साथ खत्म हुआ। मास्टरकैंटीन से बानीबिहार तक रोड शो का आयोजन किया गया। इसके लिए पुलिस कमिश्नर संजीव पांडा के नेतृत्व में बैठक हुई। बैठक में कटक-भुवनेश्वर कमिश्नरेट के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ चर्चा हुई। प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान, कानून और व्यवस्था प्रवर्तन, यातायात विनियमन और सार्वजनिक सुरक्षा पर चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री के रोड शो के लिए ब्लू बुक के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। जुलूस भाजपा कार्यालय पार्टी से बानीबिहार तक निकाला गया। इसके लिए पूरी सड़क सीसीटीवी की निगरानी में थी। यातायात प्रबंधन के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किये गये। वीआईपी मूवमेंट के लिए एयरपोर्ट से लेकर राजभवन तक नो जोन था। इस दौरान भी कोई ड्रोन न उड़ाया जा सके, इसके लिए 'नो ड्रोन' जोन स्थापित किया गया है।

जिस पूरे इलाके में रोड शो होना था, उसे सैनिटाइज किया गया। बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड ने जांच की। 5 डीसीपी, 10 एडिशनल डीसीपी, 28 ईसीपी, 41 इंस्पेक्टर, 180 सब इंस्पेक्टर और 55 प्लाटून पुलिस बल और 3 स्पेशल प्रैक्टिकल यूनिट तैनात थे। रोड शो के लिए तैनात आयुक्त संजीव पांडा ने जवाब दिया कि रोड शो की शुरूआत, मध्य और अंत को कवर करने के लिए क्षेत्रीय मीडिया के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी।

पीओके भारत का हिस्सा है और हम इसे वापस लेंगे: अमित शाह

कौशांबी (यूपी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर और नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला की पाकिस्तान को लेकर की गयी टिप्पणी के लिए उन पर निशाना साधा और कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) भारत का हिस्सा है और इसे वापस लेंगे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार विनोद सोनकर के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा, कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर और भारतीय गठबंधन के नेता फारूक अब्दुल्ला पाकिस्तान का सम्मान करने के लिए कह रहे हैं क्योंकि उसके पास परमाणु बम है। हम क्यों करें पाकिस्तान का सम्मान।

उन्होंने कहा, कांग्रेस नेता राहुल गांधी कह रहे हैं कि पीओके मत मांगो। राहुल बाबा, अगर आपको परमाणु बम से डरना है तो डरो रहो। हम डरने वाले नहीं हैं, पीओके भारत का हिस्सा है और हम इसे लेकर रहेंगे।

श्री शाह ने कहा कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे कहते हैं कि राजस्थान और उत्तर प्रदेश के लोगों को कश्मीर से क्या लेना-देना है। शायद उन्हें नहीं पता कि कौशांबी का हर बच्चा कश्मीर के लिए अपनी जान कुर्बान करने को

तैयार है।

उन्होंने कहा कि 70 साल तक कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने कश्मीर में धारा 370 को अपने बच्चों की तरह रखा। आपने मोदी जी को दूसरे कार्यकाल के लिए पीएम बनाया। 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 को हटा दिया गया, आतंकवाद को खत्म किया गया और मोदी जी ने कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाया।

गृह मंत्री ने कहा कि दो शहजादे हैं, अखिलेश और राहुल, जो सत्ता में आने पर अनुच्छेद 370 वापस लाने का दावा करते हैं।

लोकसभा चुनाव : चौथे चरण के मतदान की तैयारियां पूरी

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने कहा है कि लोक सभा चुनाव के चौथे चरण में सोमवार को 10 राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों की 96 संसदीय सीटों पर सुचारु रूप से मतदान कराने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

इस चरण में आंध प्रदेश और ओडिशा विधान सभा के चुनावों के लिए भी मतदान कराए जा रहे हैं।

कई क्षेत्रों में मतदान सामग्री और मतदान कराने वाली टीमों को हवाई मार्ग से भेजा गया है।

मतदान कल सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक कराया जाएगा। तेलंगाना में 17 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में कुछ विधान सभा सीटों के निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान का समय शाम सात बजे तक बढ़ाया गया है। आयोग की रविवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार 10 राज्य/केंद्र-शासित प्रदेशों की कुल 96 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 17.7 करोड़ मतदाता 1.92 लाख

मतदान केंद्रों पर वोट डाल कर 1717 उम्मीदवारों के के भाग्य का निर्णय कर सकेंगे। इनमें 8.97 करोड़ पुरुष तथा 8.73 करोड़ महिला मतदाता हैं। इस चरण में आंध्र प्रदेश की 175 विधान सभा सीटों और ओडिशा की 28 विधान सभा सीटों पर भी मतदान कराया जा रहा है। आयोग ने एक विज्ञप्ति में कहा कि सोमवार को मतदान के दिन लू चलने का कोई पूवार्नुमान नहीं है और दिन का तापमान सामान्य से लेकर सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस तक नीचे या ऊपर रहने का अनुमान है। फिर भी गर्मी में मतदाताओं की सुविधा के लिए मतादन केंद्रों पर शामियाने की छांव, पीने के पानी और पंखों आदि के प्रबंध किए गए हैं। चौथे चरण में आंध्र प्रदेश की सभी 25, तेलंगाना की 17, उत्तर प्रदेश की 13, महाराष्ट्र की 11, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश की आठ-आठ, बिहार की पांच, ओडिशा तथा झारखंड की चार-चार और केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर एक सीट पर वोट डाले जाएंगे। इस चरण के चुनाव में मोदी सरकार के पांच बड़े मंत्रियों, एक पूर्व मुख्यमंत्री, दो क्रिकेटर और एक अभिनेता समेत कई दिग्गज राजनेताओं की किस्मत तय होगी। आंध्र प्रदेश में लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा। वहां भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की पार्टी तेलुगु देशम पार्टी के साथ गठबंधन किया है। तेलंगाना के हैदराबाद से भारतीय जनता पार्टी की माधवी लता, बिहार के बेगुसराय से गिरिराज सिंह, उजियारपुर से गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, हैदराबाद से एआईएमआईएम के असदुद्दीन औवेसी, उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी से गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी, कन्नौज से समाजवादी पार्टी से अखिलेश यादव, मुंगेर से जदयू के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, झारखंड के खूंटी से अर्जुन मुंडा, पश्चिम बंगाल के आसनसोल से शत्रुघ्न सिन्हा, बहरामपुर से अधीर रंजन चौधरी और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान समेत कई दिग्गजों के चुनावी भाग्य का फैसला होगा।

भारत के कई हिस्सों में 16 मई तक बारिश का अनुमान

नई दिल्ली। पूर्वी, मध्य, दक्षिण प्रायद्वीपीय और उत्तर पश्चिम भारत में अगले तीन से चार दिनों तक आंधी, तूफान और तेज हवाओं के साथ बारिश होने का अनुमान है।

मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को कहा कि उत्तर पश्चिम भारत में 16 मई से लू का एक नया दौर शुरू होने का अनुमान है। विभाग के अनुसार, अगले तीन से चार दिनों तक उत्तर पश्चिम भारत में व्यापक रूप से से छिटपुट हल्की बारिश होने का अनुमान है। विभाग ने कहा , "बारह मई को जम्मू, कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गरज, बिजली और हवाओं के साथ व्यापक रूप से वर्षा होने का अनुमान है, और इसके बाद 13 और 14 मई को अलग-अलग गतिविधि के साथ इसमें कमी आएगी।"

धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं: मोदी

एनसीआर समाचार

बैरकपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दोहराया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देगा क्योंकि कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडिया समूह मुस्लिम समुदाय के लिए प्रयास कर रहा है।

श्री मोदी ने पश्चिम बंगाल में उत्तर 24 परगना के औद्योगिक शहर बैरकपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार अर्जुन सिंह के पक्ष में एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अनुसूचित जात (एससी) के लिए मौजूदा आरक्षण में कटौती से इनकार कर दिया। उन्होंने नागरिकता संशोधन (सीएए) को लागू करने के लिए प्रतिज्ञा व्यक्त की, जो उन शरणार्थियों को नागरिकता प्रदान करने के लिए है जो दुनिया के अन्य हिस्सों से धार्मिक आधार पर उत्पीड़न किये जाने के बाद भारत आए।

श्री मोदी ने संदेशखाली में महिलाओं पर अत्याचार और भ्रष्टाचार की श्रृंखला के लिए

सुश्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार को स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे खराब शासन के रूप में वर्णित किया। प्रधानमंत्री ने रैली में लोगों की उपस्थिति, विशेषकर महिलाओं की बढ़ती संख्या को देखने के बाद कहा, मैं इस बार 2019 की तुलना में बहुत बड़ा बदलाव देख सकता हूं। मैं अगले पांच वर्षों में आम लागों के लिए गारंटर के रूप में खड़ा रहूंगा।

उन्होंने तृणमूल सरकार पर घुसपैठियों के समर्थन पर वोट बैंक की राजनीति के लिए हिंदुओं के साथ दोयम दर्जे के नागरिक के रूप में व्यवहार करने का आरोप लगाया।

अपनी पांच गारंटियों के बारे में चर्चा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि कोई भी अयोध्या में राम मंदिर को ध्वस्त करने और बंगाल में राम नवनी के दिन जुलूस पर हमला करने की हिम्मत नहीं कर सकता। श्री मोदी ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया समूह पर तृणमूल और वाम दलों के साथ मिलकर राम मंदिर के खिलाफ कदम उठाने, धार्मिक आधार पर मुस्लिम समुदाय के लिए आरक्षण और सीएए को निरस्त करने की वकालत करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, तृणमूल कांग्रेस सरकार लोगों को भगवान राम का नाम लेने और राम नवमी मनाने की अनुमति नहीं देती है। तृणमूल कांग्रेस के शासन के दौरान बंगाल में हिंदू दोयम दर्जे के नागरिक बन गए हैं और लोगों को डराने के लिए इसने राज्य में बम बनाने को कुटीर उद्योग बना दिया है। साथ ही,उन्होंने चेतावनी दी कि निकट भविष्य में प्रत्येक अपराध से सख्ती से निपटा जाएगा।

श्री मोदी ने यह भी खुलासा किया कि तृणमूल के शासन में बंगाल में एक बड़ा घोटाला हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि बंगाल सरकार ने 2,3000 करोड़ रुपये का हिसाब नहीं दिया है। उन्होंने कहा, मैं पूछता हूं कि किन योजनाओं के तहत पैसा कहां जाता है और मैं आपको बताता हूं कि एक-एक पैसे का हिसाब देना होगा अन्यथा उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी पूछा कि बंगाल के

अमित शाह की सभा में पत्रकार पिटाई पर भड़के राहुल-प्रियंका

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि उत्तर प्रदेश के रायबरेली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी सभा में भारतीय जनता पार्टी कार्यकताओं ने एक पत्रकार की पिटाई कर प्रेस का गला घोटने का काम किया है लेकिन पुलिस इस पूरे घटनाक्रम में मूकदर्शक बनी रही। दोनों नेताओं ने कहा कि आज देश में मीडिया का एक वर्ग झूठ फैला रहा है और प्रधानमंत्री से शाबाशी पा रहा है तो एक दूसरा वर्ग है जो जान जोखिम में डालकर सच बोल रहा है और सच बोलने की कीमत चुका रहा है।

श्री गांधी ने कहा, 'आज देश में दो तरह का मीडिया है -एक वो जिनकी पीठ 'झूठ और नफरत' फैलाने पर प्रधानमंत्री खुद थपथपाते हैं। दूसरे वो जो 'सच की आवाज' उठाने की कीमत अपनी जान जोखिम में डाल कर चुका रहे हैं। देश के गृहमंत्री की सभा में बस अपना काम कर रहे एक जुझारू पत्रकार के साथ पुलिस के संरक्षण में ऐसी गुंडागर्दी बताती है कि भारत क्यों नरेंद्र मोदी के राज में प्रेस फ्रीडम के मामले में 159वें स्थान पर है।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
8888883968
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा है विपक्षी दलों का गठबंधन : नड्डा

- एक समय उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य था लेकिन आज मोदी और योगी के नेतृत्व में यह देश के अग्रणी राज्यों में आकर खड़ा हो गया

एनसीआर समाचार

चित्रकूट। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने चित्रकूट की चुनावी जनसभा में विपक्षी दलों के गठबंधन आईएनडीआईए पर जमकर हमला बोला। नड्डा ने कहा कि यह गठबंधन भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा है। मोदी जी कहते हैं- भ्रष्टाचारी हटाओ, विपक्षी गठबंधन वाले कहते हैं- भ्रष्टाचारियों को बचाओ। ये सब परिवारवादी लोग हैं।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा चित्रकूट से भाजपा उम्मीदवार आरके सिंह पटेल के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी के एक सिपहसालार और सलाहकार ने चमड़ी के आधार पर भारत को बांटने की बात की है। ऐसे लोग भारत की संस्कृति के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजकल राहुल गांधी संविधान की कॉपी लेकर घूम रहे हैं। संविधान में बाबा साहेब अंबेडकर ने लिखा है कि आरक्षण धर्म के नाम पर नहीं होगा जबकि कांग्रेस दलित, आदिवासी, पिछड़े और अतिपिछड़े भाइयों के अधिकार पर डाका डालकर धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहती है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि एक समय उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य था लेकिन आज मोदी और योगी के नेतृत्व में यह देश के अग्रणी राज्यों में आकर खड़ा हो गया है। डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में अब चित्रकूट को भी शामिल कर लिया गया है। इसके यहां आने से चित्रकूट और बांदा की तस्वीर बदल जाएगी और यहां के नौजवानों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। मोदी जी ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र को आत्मसात करते हुए गांव, गरीब, शोषित, वंचित, पीड़ित, युवा, किसान और महिलाओं को मजबूती देने का काम किया। आज देश में रिपोर्ट कार्ड, जवाबदेही, विकासवाद और सबको साथ लेकर चलने की राजनीति चल रही है। यह मोदी जी की संस्कृति है। जो कहा था, वो किया है और जो नहीं कहा था, वो भी करके दिया है।

नड्डा ने कहा कि भारत की राजनीति में परिवारवाद, जातिवाद, व्यक्तिवाद, भ्रष्टाचार, वोटबैंक और तुष्टीकरण ही चलता था लेकिन मोदी ने 10 साल में जातिवाद, क्षेत्रवाद और तुष्टीकरण की राजनीति के साथ लोहा लेते हुए विकासवाद की राजनीति को आगे बढ़ाया और मंत्र दिया- सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। दस साल पहले भारत के सामान्य नागरिक के मन में ये विचार घर कर चुका था कि अब कुछ बदलने वाला नहीं है, राजनीति ऐसी ही होती है, यहां गुंडों का राज चलता रहेगा, लेकिन मोदी के आने बाद भारत की राजनीति में सबकुछ बदला है।

मोदी के अडानी-अंबानी के भ्रष्टाचार के खुलासे से भक्तों में हड़कंप : कांग्रेस

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अडानी अंबानी संबंधी कल के बयान पर उन्हें घेरने का प्रयास करते हुए गुरुवार को कहा कि यह श्री मोदी के चहेतों के भ्रष्टाचार का खुलासा है जो प्रधानमंत्री ने तीसरे चरण के चुनाव के बाद अपनी निश्चित हार को देखते हुए खुद किया है।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री मोदी ने 10 साल में पहली बार अडानी-अंबानी का नाम लिया है और कहा है कि वह बोरियों में रुपए दे रहे हैं और टेंपो में भर-भर रुपए इधर-उधर किए जा रहे हैं। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री की लाचारी बताया और कहा कि भ्रष्टाचार का खुलासा खुद करने के अलावा उनके पास अब कोई चारा नहीं बचा है। इस खुलासा से भाजपा के भ्रष्टाचारियों में हड़कंप मच गया है।

उन्होंने इसे प्रधानमंत्री की बेबसी करार देते हुए कहाख, "देश का प्रधानमंत्री इतना कमजोर, इतना लाचार, इतना असहाय और इतना मजबूर पहले कभी नहीं रहा। दस साल तक चुप रहने के बाद उन्होंने अन्ततः अडानी अंबानी का नाम लिया और उनके भ्रष्टाचार का खुद खुलासा किया है। यह खुलासा उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वजह से किया से है क्योंकि श्री गांधी ही लगातार अडानी और अंबानी के भ्रष्टाचार को सामने लाने का प्रयास करते रहे हैं।"

श्रीमती श्रीनेत ने कहा "अब तीसरे चरण के मतदान के बाद श्री मोदी ने अडानी और अंबानी का नाम लेकर कह दिया है कि वे बोरों में पैसा लाकर टेंपो से भर भर कर इधर से उधर कर रहे है। अब साफ हो गया है कि भाजपा हार रही है।

उन्होंने तंज किया भ्रष्टाचार का यह खुलासा खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। प्रधानमंत्री मंच से कह रहे हैं कि दो लोग इधर से उधर काला धन पहुंचा रहे हैं लेकिन देश की जांच एजेंसी की कान में जूं तक नहीं रेंग रहे हैं। मोदी की हार उनकी एजेंसियों और मीडिया को भी देख रही हैं इसलिए कोई कुछ नहीं बोल रहा है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा "प्रधानमंत्री के भ्रष्टाचार पर किए खुलासे ने पूरी भाजपा और सरकार में हड़कंप मचाकर रख दिया है। लोग भयभीत हैं, क्योंकि उन्हें पता है जब हार देखकर मोदी जी अपने जिगर के टुकड़े अडानी अंबानी को कुर्बान कर सकते हैं तो हम क्या चीज है। सरकार में सबसे ज्यादा अमित शाह डरे हुए हैं। प्रधानमंत्री के भ्रष्टाचार के इस खुलासे से वह समझ गए हंद कि केंद्र में सरकार बदलने वाली है। श्री मोदी झोला उठाकर चल देंगे और फिर मुझसे ही हिसाब मांगा जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, वे अफसर भी डरे हुए हैं जो मोदी जी के इशारों पर काम कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भाजपा की हार को देखते हुए सिर्फ उसके नेता ही नहीं बल्कि वे अधिकारी भी डरे हुए हैं जो प्रधानमंत्री के चहेते बनकर प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली आए थे। वे सभी अधिकारी भी अब सुरक्षित जगह तलाश कर वापस अपने कैडर में जाने की बात कर रहे हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस ने जिस तरह से अपने न्याय पत्र यानी घोषणा पत्र के रूप ने अपना नजरिया जनता के सामने रखा है उससे कांग्रेस पर लोगों का भरोसा बढ़ गया है। कांग्रेस केद्र में सरकार बना रही है। पार्टी सत्ता में आती है तो भ्रष्टाचारियों से पूछा जाएगा कि उन्होंने 10 साल में क्या किया है।

अधीर चौधरी ने कहा, चुनाव हारा तो राजनीति छोड़ दूंगा

एनसीआर समाचार

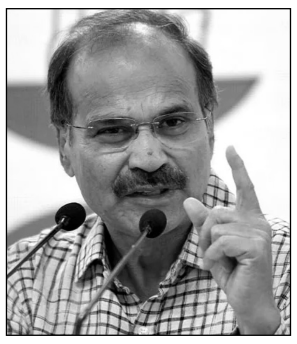

कोलकाता। मुर्शिदाबाद की बहरमपुर सीट से कांग्रेस उम्मीदवार और पांच बार सांसद रहे अधीर रंजन चौधरी ने गुरुवार को बड़ी घोषणा की है। लोकसभा चुनाव में उनकी संभावित हार या जीत के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अगर बहरमपुर से हार जाऊंगा तो राजनीति छोड़ दूंगा और बादाम बेचूंगा। बंगाल में इंडी गठबंधन में ममता बनर्जी के शामिल नहीं होने संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा कि तृणमूल की दिल्ली में किससे क्या बात हुई, यह उन्हें नहीं पता लेकिन उन्हें जानकारी मिली थी कि वे कांग्रेस को दो लोकसभा सीटों की भीख दे रहे थे, वह भी मालदा और मुर्शिदाबाद में नहीं। उन्होंने कहा कि वे किसी की दया पर नहीं जीतते हैं, उनका अपना जनाधार है। वे लोगों के लिए काम करते हैं। मतदाताओं को लगता है कि उन्हें जीताना चाहिए तो जिताते हैं। माकपा के खिलाफ एक दौर में लंबी लड़ाई और अब उन्हीं के साथ मिल कर चुनाव लड़ने को लेकर उन्होंने कहा कि जब वाम दलों के खिलाफ लड़ाई हो रही थी तो उनके साथ अपराधियों का गिरोह था। आज वही अपराधी, तृणमूल कांग्रेस के दामाद बन गए हैं। इसलिए वामदलों का हाथ थाम कर उन अपराधियों के खिलाफ लड़ाई लड़ने की शुरूआत की है। उन्होंने कहा कि राजनीति में कोई किसी का स्थाई मित्र या शत्रु नहीं होता।

इसराइली सेना राफा के बाहरी इलाके में एकत्र हो गई

काहिरा। हमास के उग्रवादियों और निवासियों ने कहा कि इजरायली बलों ने गुरुवार को राफा के निर्मित क्षेत्रों के करीब टैंक जमा किए, जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने इजरायल से हथियार वापस लेने की कसम खाई थी, अगर उसकी सेना ने दक्षिणी गाजा शहर पर एक बड़ा आक्रमण शुरू किया।जैसे ही काहिरा में युद्धविराम वार्ता जारी रही, फिलिस्तीनी आतंकवादी समूहों हमास और इस्लामिक जिहाद ने कहा कि उनके लड़ाकों ने राफा के पूर्वी बाहरी इलाके में इजरायली बलों पर हमला किया, इजरायली ठिकानों पर टैंक रोधी रॉकेट और मोर्टार दागे। गाजा के एकमात्र प्रमुख शहरी क्षेत्र राफा के पूर्व में निवासियों ने अभी तक इजरायली जमीनी बलों द्वारा आक्रमण नहीं किया है, उन्होंने फिलिस्तीनी लड़ाकों और इजरायली सैनिकों के बीच लड़ाई में विस्फोटों की आवाज की सूचना दी है। मिस्र के दो सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि सीआईए निदेशक विलियम बर्न्स यरूशलेम से मिस्र की राजधानी लौट आए थे और युद्धविराम सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे मध्यस्थों के साथ गुरुवार को बैठकें फिर से शुरू कीं।अपनी अब तक की सबसे तीखी टिप्पणियों में, बिडेन ने इजराइल पर राफा पर चौतरफा हमले से पीछे हटने का दबाव बढ़ाया, जहां

सैकड़ों हजारों फिलिस्तीनियों ने गाजा में अन्य जगहों पर युद्ध से भागने के बाद शरण ली है।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इजरायली टैंकों ने मंगलवार को मिस्र के साथ लगती राफा सीमा के गाजा क्षेत्र पर कब्जा कर लिया, जिससे एक महत्वपूर्ण सहायता मार्ग बंद हो गया और इस सप्ताह 80,000 लोगों को शहर से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। इजराइल का कहना है कि उसे वहां मौजूद हजारों हमास लड़ाकों को हराने के लिए राफा पर हमला करना होगा।बिडेन ने बुधवार को एक साक्षात्कार में सीएनएन को बताया, "मैंने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि वे राफा में जाते हैं, तो... मैं हथियारों की आपूर्ति नहीं कर रहा हूं।"संयुक्त राज्य अमेरिका अब तक इजराइल को हथियारों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है, और उसने 7 अक्टूबर को हमास के हमलों के बाद डिलीवरी में तेजी ला दी, जिससे गाजा में इजराइल का आक्रमण शुरू हो गया। बिडेन ने स्वीकार किया कि सात महीने पुराने हमले में अमेरिकी बमों ने फिलिस्तीनी नागरिकों को मार डाला है।

अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि वाशिंगटन ने गाजा में नागरिकों के लिए जोखिम के कारण इजराइल को 2,000 पाउंड के 1,800 बम और 500 पाउंड के 1,700 बमों की खेप की डिलीवरी रोक दी है।इजराइल के सार्वजनिक रेडियो के अनुसार, इजराइल के संयुक्त राष्ट्र के राजदूत गिलाद एर्दान ने गुरुवार को कहा कि इजराइल को कुछ हथियारों की आपूर्ति रोकने के अमेरिका के फैसले से हमास की शक्ति को बेअसर करने की देश की क्षमता में काफी कमी आएगी।

हाईकोर्ट ने इमरान खान की पत्नी को अडियाला जेल भेजने का दिया आदेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के एक हाईकोर्ट ने कहा कि इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को उप-जेल में रखने से उनके जीवन के अधिकार का उल्लंघन हुआ है। हाईकोर्ट ने कहा बुशरा बीबी को अन्य कैदियों से बात करने की अनुमति नहीं थी, जिसके चलते उनकी सजा सामान्य कैद से कहीं ज्यादा कठोर बन गई। हाईकोर्ट ने बुशरा बीबी को रावलपिंडी की अडियाला जेल में शिफ्ट करने का आदेश दिया। हाईकोर्ट ने बुशरा बीबी को अडियाला जेल भेजने का दिया आदेश

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को तोशाखाना मामले में 14 साल जेल की सजा हुई थी। हालांकि बाद में यह सजा रद्द हो गई। वहीं गैर इस्लामिक विवाह के मामले में भी बुशरा बीबी और इमरान खान दोषी हैं। इन मामलों में इमरान खान जहां रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं, वहीं उनकी पत्नी बुशरा बीबी इस्लामाबाद में उनके घर बनी गाला में बनी अस्थायी जेल में बंद थी। बुशरा बीबी ने बीते दिनों हाईकोर्ट में याचिका दायर कर

उन्हें भी अडियाला जेल में बंद करने की मांग की थी। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने बुधवार को अपने आदेश में बुशरा बीबी को उप-जेल से अडियाला जेल भेजने का आदेश दिया।

'मौलिक अधिकार का उल्लंघन हुआ'...अपने आदेश में हाईकोर्ट ने कहा कि उपजेल में बुशरा बीबी का मौलिक अधिकार यानी जीवन के अधिकार का उल्लंघन हो रहा था। अपने 15 पेज के आदेश में हाईकोर्ट ने कहा कि सरकार ने सामान्य जेल की सजा को कठोर सजा बना दिया और बुशरा बीबी के जीवन के अधिकार का उल्लंघन भी किया, जिसकी गारंटी संविधान का अनुच्छेद 9 देता है। हाईकोर्ट ने कहा उप-जेल में बुशरा बीबी को एकांतवास में रखा गया और उन्हें अन्य कैदियों से बात नहीं करने दी गई। साथ ही पूरे बनी गाला को उपजेल घोषित कर दिया गया और न बुशरा बीबी और न ही उनके पति के बच्चे और परिवार के अन्य सदस्य भी आजादी से घर में नहीं घूम सकते थे। कोर्ट ने कहा बनी गाला को उप-जेल बनाने से पहले संपत्ति के मालिक की भी मंजूरी नहीं ली गई। इस तरह सरकार ने घर के मालिक के मौलिक अधिकार का उल्लंघन किया। कोर्ट ने बनी गाला को उपजेल बनाने के आदेश को भी रद्द कर दिया।

एक नजर

अदन की खाड़ी में तेल टैंक पर गोलीबारी, 6 समुद्री डाकू पकड़े

अदन। अदन की खाड़ी से गुजर रहे एक तेल टैंकर 'क्रिस्टल आर्कटिक' पर शुक्रवार को सोमालिया के समुद्री डाकुओं ने गोलीबारी की। इसके बाद यूरोपीय नौसैनिक बल ने जवाबी कार्रवाई करते हुए छह संदिग्ध समुद्री लुटेरों को पकड़ा। यह हमला समुद्री डकैती के मकसद से किया गया। टैंकर पर मार्शल द्वीप का ध्वज लगा हुआ था। ब्रिटिश सेना के अनुसार, मध्य-पूर्व शिपिंग मार्गों की देखरेख करने वाले समुद्री डाकुओं ने एक छोटे जहाज से टैंकर क्रिस्टल आर्कटिक पर गोलीबारी की। इस पर जहाज पर मौजूद सुरक्षा टीम ने जवाबी गोलीबारी की।

ताइवान-चीन के बीच बढ़ा तनाव

ताइपे। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बयान जारी कर बताया कि चीनी सेना के युद्धक विमान और युद्धक जहाज उनकी सीमा के आसपास मंडरा रहे हैं। बयान के अनुसार, सुबह छह बजे चीनी सेना के कुल 15 लड़ाकू विमान ताइवान सीमा के नजदीक देखे गए। वहीं चीनी नौसेना के छह युद्धक जहाज भी ताइवान की जल सीमा के नजदीक देखे गए। गौरतलब है कि 9 लड़ाकू विमानों ने तो ताइवान की मीडिया लाइन सीमा को पार ताइवान के हवाई क्षेत्र में दाखिल भी हो गए। ताइवान की सरकार ने कहा है कि वह स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। चीन, ताइवान को अपना हिस्सा बताता है और ताइवान खुद को अलग देश मानता है। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच लंबे समय से तनाव चल रहा है। सितंबर 2020 से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है।

पीओके में विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसक झड़पें

मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हिंसा भड़क गई है। दरअसल मुजफ्फराबाद में लोग बढ़ती महंगाई के खिलाफ सड़कों पर उतर गए हैं। पीओके के लोगों की मांग है कि मंगला बांध से उन्हें टैक्स फ्री बिजली दी जाए, साथ ही गेहूं के आटे पर भी सब्सिडी दी जाए। शुक्रवार को शुरू हुए विरोध प्रदर्शन अभी भी जारी हैं और शुक्रवार की रात भर प्रदर्शनकारियों और पुलिस प्रशासन के बीच झड़प चली। इन हिंसक झड़पों में कई लोग घायल हुए हैं और बड़ी संख्या में लोगों को गिरफ्तार किया गया है। विद्रोह की आग मुजफ्फराबाद, डडयाल, मीरपुर और पीओके के अन्य कई हिस्सों में फैल गई है।

रूस पर यूक्रेन के हमले में आठ नागरिक घायल

मॉस्को। रूस के हवाई सुरक्षा बलों ने बेलगोरोड शहर के पास कई लक्ष्यों को मार गिराया है। इसमें आठ नागरिक घायल हो गए है। क्षेत्रीय गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने टेलीग्राम पर लिखा कि हमारी वायु रक्षा प्रणाली ने बेलगोरोड और बेलगोरोड क्षेत्र पर काम किया और शहर की ओर आने वाले कई हवाई लक्ष्यों को मार गिराया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आठ नागरिक घायल हो गए। गवर्नर ने कहा कि इनके टुकड़ों से चोटिल हुए तीन लोगों को क्षेत्रीय नैदानिक अस्पताल ले जाया गया, दो को शहर के अस्पताल नंबर 2 में अस्पताल में भर्ती कराया गया और शेष तीन घायलों की मौके पर ही चिकित्सा देखभाल की गई। श्री ग्लैडकोव ने कहा कि यूक्रेनी हमले के परिणामस्वरूप बेलगोरोड क्षेत्र में 40 से अधिक निजी घर क्षतिग्रस्त हो गए।

नेपाल में भारत की वित्तीय मदद से बने स्कूल भवन का हुआ उद्घाटन

काठमांडू। नेपाल के बैतादी जिले में शुक्रवार को भारत की वित्तीय मदद से बने एक स्कूल भवन का उद्घाटन किया गया। काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दूतावास की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, पाटन नगरपालिका-4 में श्रीभूमिश्वर माध्यमिक विद्यालय भवन के निर्माण की आधारशिला भारतीय दूतावास के प्रथम सचिव अविनाश कुमार सिंह और पाटन नगर पालिका की महापौर गौरी सिंह रावल ने रखी। स्कूल का निर्माण 'नेपाल-भारत विकास सहयोग' के तहत भारत सरकार की ओर से 3.105 करोड़ नेपाली रुपये की वित्तीय मदद से किया जा रहा है। विज्ञप्ति में कहा गया कि भारत सरकार की अनुदान राशि का इस्तेमाल दो मंजिला विद्यालय भवन के निर्माण सहित अन्य सुविधाओं के लिए किया जा रहा है।

शी के चीन में सताए गए दो लोगों ने भागने की कोशिश केवल एक ही हुआ सफल

चीन। चीन की दक्षिणी सीमा पार करने में कुछ ही मिनट लगे, लू युयु ने खुद को सांस लेने के लिए संघर्ष करते हुए पाया। वह एक चौकी तक जाने के लिए नम खेत के माध्यम से ट्रैकिंग कर रहा था, लेकिन कीचड़ उसके पैरों पर लग गया और उसकी गति धीमी हो गई। उसकी छाती को ऐसा महसूस हुआ जैसे कि वह फट जाएगी, इसलिए वह आराम करने के लिए झुक गया।

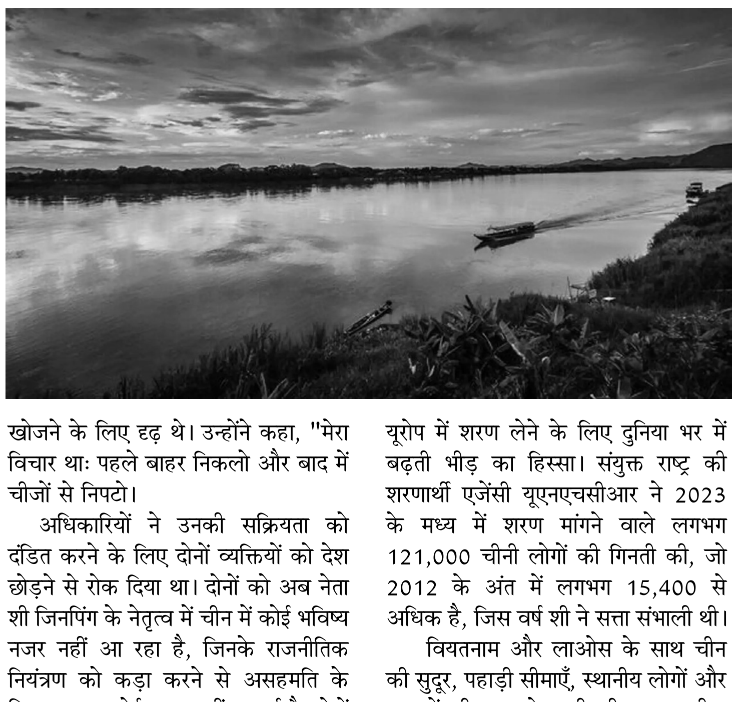

उनके मार्गदर्शक में धैर्य नहीं था। सीमा रक्षकों द्वारा पता लगाए जाने के डर से, गाइड ने युयु को बांह से पकड़ लिया और उसे आगे खींच लिया। वे लाओस में अपनी घंटों लंबी यात्रा के दौरान, कदम दर कदम आगे बढ़ते रहे। युयु हार नहीं मान रहा था। 40 के दशक के मध्य में सक्रिय ब्लॉगर सामाजिक अशांति का दस्तावेजीकरण करने के अपने काम के लिए पहले ही चार साल हिरासत में बिता चुका था।

चीन छोड़ना और डर में नहीं रहना मेरी एकमात्र पसंद थी, उन्होंने कहा...दो महीने बाद, लू सिवेई भी इसी तरह का मार्ग अपनाते हुए, इसी तरह भागने की कोशिश करेगा। दोनों व्यक्ति एक-दूसरे को नहीं जानते थे, लेकिन एक उपनाम साझा करने के अलावा, उनमें अन्य समानताएं भी थीं। सिवेई, जो उस समय 50 वर्ष के थे, राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों को देखने वाले वकील के रूप में अपने काम में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी से भी दूर रहे थे।

उनकी पत्नी और बेटी 2022 में पहले ही अमेरिका के लिए रवाना हो चुकी थीं, और वह उनके साथ जुड़ने का कोई रास्ता खोजने के लिए दृढ़ थे। उन्होंने कहा, "मेरा विचार था: पहले बाहर निकलो और बाद में चीजों से निपटो।

अधिकारियों ने उनकी सक्रियता को दंडित करने के लिए दोनों व्यक्तियों को देश छोड़ने से रोक दिया था। दोनों को अब नेता शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन में कोई भविष्य नजर नहीं आ रहा है, जिनके राजनीतिक नियंत्रण को कड़ा करने से असहमति के लिए लगभग कोई जगह नहीं रह गई है। दोनों ने चीन की सीमा नियंत्रणों को पार करने और थाईलैंड के रास्ते की योजना बनाने में कई सप्ताह बिताए, जहां उन्हें उम्मीद थी कि वे उत्तरी अमेरिका के लिए उड़ान भर सकते हैं।

उनमें से केवल एक ही सफल होगा...वे विदेश में स्थानांतरित होने की कोशिश कर रहे चीनी नागरिकों की बढ़ती संख्या में शामिल हो गए, चाहे नए अवसरों की तलाश करना हो या राजनीतिक उत्पीड़न से बचना हो - उत्तरी अमेरिका और पश्चिमी यूरोप में शरण लेने के लिए दुनिया भर में बढ़ती भीड़ का हिस्सा। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी यूएनएचसीआर ने 2023 के मध्य में शरण मांगने वाले लगभग 121,000 चीनी लोगों की गिनती की, जो 2012 के अंत में लगभग 15,400 से अधिक है, जिस वर्ष शी ने सत्ता संभाली थी।

वियतनाम और लाओस के साथ चीन की सुदूर, पहाड़ी सीमाएँ, स्थानीय लोगों और तस्करों की मदद से, सही कीमत पर, सीमा चौकियों और गश्तों से आगे निकलने के कई अवसर प्रदान करती हैं। वर्षों से, ये क्षेत्र उत्तर-पश्चिमी चीन में सरकारी दबाव से भाग रहे उइघुर मुसलमानों और दक्षिण कोरिया जाने की उम्मीद में चीन में घुसने वाले उत्तर कोरियाई शरणार्थियों के लिए पसंदीदा स्थान रहे हैं। चीनी अधिकारियों ने कार्यकताओं और असंतुष्टों के बहिर्वाह को रोकने के प्रयास तेज कर दिए हैं, कुछ मामलों में बीजिंग के मित्र देशों में कानून प्रवर्तन द्वारा पकड़े गए लोगों को वापस ले लिया है। ह्यूमन राइट्स वॉच के एशिया प्रभाग के उप निदेशक फिल रॉबर्टसन ने कहा, संभावित भागने वाले इसे "योजना बनाकर, गलत दिशा में और आश्चर्य के साथ" कर सकते हैं, लेकिन चीन के प्रत्यावर्तन अनुरोधों को समायोजित करने के लिए लाओस और कंबोडिया जैसे देशों की इच्छा "एक खतरनाक चुनौती पैदा करती है जो असंतुष्टों को परेशान करती है।" आजादी तक पहुँचने के लिए दौड़ने की जरूरत है। लूस के भागने के दो प्रयासों का यह विवरण दोनों व्यक्तियों के साथ-साथ कार्यकताओं, मानवीय कार्यकताओं, अधिकारियों और उनकी मदद करने की कोशिश करने वाले अन्य लोगों के साक्षात्कार पर आधारित है।

लू युयु के छोड़ने का निर्णय वर्षों से लिया जा रहा था

गुइझोऊ के दक्षिणी प्रांत में एक किसान का बेटा, उसने अपनी पढ़ाई के लिए संघर्ष किया और एक प्रवासी श्रमिक के रूप में एक नौकरी से दूसरी नौकरी की और फिर अपनी आवाज खोजने से पहले - जैसा कि वह इसे कहता है - एक रिकॉर्ड-कीपर" बन गया, जो ऑनलाइन प्रकाशित हो रहा है। चीन में विरोध प्रदर्शन, हड़ताल और सार्वजनिक अशांति के अन्य रूप। उनके डेटा ने कार्यकताओं और शिक्षाविदों को सामाजिक तनावों पर नजर रखने में मदद की, लेकिन सरकार की जांच भी की। उन्हें 2016 में हिरासत में लिया गया था और बाद में झगड़े करने और परेशानी भड़काने" के लिए जेल में डाल दिया गया था, एक अस्पष्ट आरोप जो चीनी अधिकारी अक्सर असंतुष्टों पर मुकदमा चलाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। 2020 में जेल से रिहा होने के बाद, युयू ने काम खोजने के लिए संघर्ष किया। उसके मकान मालिक ने अधिकारियों के दबाव का हवाला देते हुए उसे वहां से चले जाने को कहा। पुलिस उन्हें नियमित रूप से बैठकों के लिए बुलाती थी। उसके उत्तरपूर्वी शहर डैंडोंग में चले जाने के बाद, अधिकारियों ने उसकी जाँच करने के लिए गुइझोउ से लगभग 1,300 मील की यात्रा की। निरंतर जांच और धूमिल संभावनाओं ने युयु को निराश कर दिया। उन्होंने कहा, "या तो मैं जेल जाऊंगा, या पागल हो जाऊंगा।" उसके पास पासपोर्ट नहीं था और अधिकारियों ने पासपोर्ट के लिए उसका आवेदन रोक दिया था। उस समय सरकार की कोविड-19 रोकथाम नीतियों के कारण सीमा पार से घुसपैठ करना लगभग असंभव था, जिसमें लोगों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी शामिल थी। जब चीन ने 2022 के अंत में अपने कोविड प्रतिबंध हटाना शुरू किया, तो युयु को एक शुरूआत मिली। उन्होंने पहली बार अप्रैल 2023 में दक्षिणी चीनी क्षेत्र गुआंग्शी की यात्रा की, यह जांचने के लिए कि पुलिस ने उनकी हरकतों को कितनी जल्दी पकड़ लिया। बचत का उपयोग करके और दोस्तों से उधार लेकर, उन्होंने 100,000 युआन, या लगभग 14,000 डॉलर के बराबर राशि जमा की, जो ज्यादातर अमेरिकी डॉलर में थी।

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने दिल्ली भर के प्रमुख मंडलों में शुरू किया वोटर पर्ची वितरण अभियान

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली में लोकसभा चुनाव से लगभग दो हफ्ता पूर्व आज से दिल्ली भाजपा के प्रमुख नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के नेतृत्व में दिल्ली में बूथ स्तर पर वोटर पर्ची वितरण अभियान की शुरूआत की। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आज विनोद नगर से इस अभियान की शुरूआत की। दिल्ली के प्रमुख मंडलों में आज पर्ची वितरण कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इसमें प्रमुख रुप से राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम ने दिलशाद कॉलोनी में, दिल्ली भाजपा के लोकसभा चुनाव प्रभारी ओमप्रकाश धनखड़ ने रोहिणी सेक्टर 16 में, सह प्रभारी डॉ अलका गुर्जर ने महरौली के बूथ में, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन राणा ने दिल्ली गेट में, सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा ने पंजाबी बाग में, सांसद मनोज तिवारी ने कादीपुर में, रामवीर सिंह बिधूड़ी ने श्रीनिवास पुरी में, हर्ष मल्होत्रा ने न्यू अशोक नगर में, योगेंद्र चंदोलिया ने रोहिणी-ए में, श्रीमती कमलजीत सहरावत ने बिंदापुर में, सुश्री बांसुरी स्वराज ने चाणक्यपुरी में, प्रवीण खंडेलवाल ने सीताराम बाजार में, अजय महावर ने यमुना विहार में, सरदार अरविंदर सिंह लवली ने शास्त्री पार्क में, विजेंद्र गुप्ता ने रोहिणी में, राजकुमार चौहान ने मंगोलपुरी ए में, गजेंद्र यादव ने शैदुल अजाब में, प्रवीण शंकर कपूर ने चांदनी चौक में, मोहन सिंह बिष्ट ने श्रीराम कॉलोनी में, जितेंद्र महाजन ने रोहतास नगर में अभय वर्मा ने लक्ष्मी नगर में ओम प्रकाश शर्मा ने विश्वास नगर में और अनिल बाजपेई ने गांधीनगर वार्ड में लोगों से मिलकर घर-घर पर्ची वितरण करी। इस पर्ची वितरण कार्यक्रम में विभिन्न स्थानों पर भाजपा नेता रविंद्र सिंह नेगी, आदित्य झा, अमित गुप्ता, सुमन त्यागी, गौरव खारी, राजपाल सिंह, संजीव कुमार सिंह, अनीता जरियाल, श्रीमती सुधा शर्मा, कमांडो सुरेंद्र सिंह, सतीश गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, श्रीमती रितु गोयल, प्रवेश शर्मा, श्रीमती अलका राघव, पंकज कोचर, श्रीमती प्रिया कंबोज भी उपस्थित थे। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि किसी भी चुनाव का सबसे मजबूत स्तम्भ होता है बूथ और बूथ के बिना किसी भी चुनाव में सफलता मुश्किल है इसलिए भाजपा अपना बूथ सबसे मजबूत नीतियों पर काम करते हुए इस चुनाव में बेहद मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है। श्री सचदेवा ने कहा कि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह एवं वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के बताए रास्तों पर चलते हुए बूथ स्तर पर हम पन्ना प्रमुखों के माध्यम से हर वोटर के पास जाने का काम करेंगे और साथ ही उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 10 सालों के कामों को घर-घर तक पहुंचाएंगे। दुष्यंत गौतम ने कहा कि इस बार का चुनाव भ्रष्टाचार और काम के बीच का चुनाव है। एक तरफ एक ऐसा गठबंधन जो सिर्फ अपने भ्रष्टाचारों को छिपाने के लिए एक दूसरे के साथ गठबंधन में है और दूसरी तरफ मोदी सरकार है जिसने पिछले 10 सालों में विकास के कई सारे काम किये जो पिछले 70 सालों में भी नहीं हो पाया था। ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का गठबंधन भ्रष्टाचार की राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए है जबकि भाजपा की राजनीति सभी को साथ लेकर देश को आगे बढ़ाने की है।

मोदी सरकार ने हर घर शौचालय बनवाया, रसोई गैस पंहुचाई, नल से शुद्ध जल हर घर पंहुचाया, आयुष्मान योजना से गरीब व्यक्ति की मंहगे ईलाज की चिंता खत्म की। लेकिन दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने सिर्फ झूठ बोले और हर योजना में भ्रष्टाचार कैसे हो इसकी सुनियोजित साजिश की। डॉ अलका गुर्जर ने कहा कि ने दिल्ली के अंदर सातों सीटों पर भाजपा एक बार फिर से क्लीन स्वीप करने जा रही है। मोदी सरकार के कामों और केजरीवाल के भ्रष्टाचार के बीच किसी दिल्लीवासी को कोई कन्फ्यूजन नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में एक ऐसी सरकार है जो सिर्फ गुमराह करना जानती है, लेकिन लोकसभा चुनाव में दिल्ली ही नहीं देश का हर नागरिक चाहता है कि तीसरी बार नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री के रुप में देखें।

ईरानी गिरोह के 4 बदमाश गिरफ्तार

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। एएटीएस सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट, पुलिस टीम ने एक अंतरराज्यीय ईरानी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में एन हाफीज हुसैन, मोहम्मद, तबराज जाखिर और नासिर हफीज खान उर्फ सनीर खान है। पुलिस ने इनके पास से 7 सोने की चूडि ?ँ, 1 लूटी गई सोने की चेन, 2 चोरी की बाइक, दिल्ली पुलिस के 2 डुप्लीकेट आई कार्ड बरामद किए है। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट डीसीपी एम. हर्ष वर्धन ने बताया कि 9 मई को शाम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि ईरानी गैंग के बदमाश कमला मार्केट क्षेत्र में आने वाले है। जांच के दौरान, टीम ने सभी पहलुओं पर काम करना शुरू कर दिया, यानी सीसीटीवी फुटेज, मैन्युअल जानकारी और तकनीकी निगरानी के माध्यम से ट्रैकिंग, स्थानीय पूछताछ भी की गई, आस-पास के इलाके के सीसीटीवी फुटेज प्राप्त किए गए और उन्हें अच्छी तरह से स्कैन किया गया और क्षेत्र के विभिन्न मुखबिरों से स्थानीय जानकारी भी प्राप्त की गई। आगे-पीछे के सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर आसपास के जिलों में सुबह के समय चार लोग ऐसे ही अपराध करते नजर आए। टीम ने मामले पर अधिक प्रयास और समर्पण किया और कई छापे मारे और मैनुअल के साथ-साथ तकनीकी निगरानी पर भी नजर रखी। सूचना के आधार पर टीम ने तुरंत थाना कमला मार्केट के कई इलाकों में जाल बिछाया और मुखबिर की निशानदेही पर गोल चक्कर कमला मार्केट सेंट्रल दिल्ली से चार आरोपियों को पकड़ लिया गया।

एनडीएमसी ने मतदाताओं को वोटिंग के प्रति जागरूक करने के लिए निकाली साइकिल रैली

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने नई दिल्ली जिला चुनाव कार्यालय, खान मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएश और एनडीएमसी कर्मचारियों जैसे विभिन्न हितधारकों के साथ रविवार को मतदाता जागरुकता कार्यक्रम के रूप में एक साइकिल रैली का आयोजन किया। एनडीएमसी के अध्यक्ष अमित यादव ने वरिष्ठ अधिकारियों, इंजीनियरिंग, बागवानी और सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों और खान मार्केट के व्यापारियों सहित लगभग 500 प्रतिभागियों के साथ सुबह साइकिल रैली में भाग लिया। यादव ने साइकिल रैली का मकसद बताते हुए कहा कि यह आम जनता को उनके मताधिकार के प्रति जागरूक करने की दिशा में एक प्रयास है।

इस अवसर पर खान मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन ने घोषणा की कि खान मार्केट के सभी फूड्स आउटलेट प्रत्येक मतदाता को 15 प्रतिशत की छूट देंगे। 25 मई को दिल्ली में वोटिंग स्याही के निशान के साथ वोट डालने के बाद खान मार्केट में आने वाले मतदाताओं को इसका लाभ मिलेगा। इस साइकिल रैली मार्ग ने खान मार्केट से हुमायूं रोड, पृथ्वीराज मार्ग, ऑरबिंदो मार्ग, लोधी रोड, लोधी गार्डन, मैक्समूलर मार्ग से सुब्रमण्यम भारती मार्ग तक लगभग 06 किमी की दूरी तय करता है और नई दिल्ली में अमृता शेरगिल मार्ग पर खान मार्केट पार्किंग पर समाप्त हुई ।

राजकुमार बल्लन नें टीम के साथ भाग लिया भाजपा के बूथ संपर्क अभियान में

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावो के लिए भारतीय जनता पार्टी ने घर-घर पहुंचकर मतदाताओं से जनसम्पर्क करना शुरू कर दिया है। इस अभियान के तहत भाजपा का लक्ष्य है हर घर पहुंच कर भाजपा के चुनावी घोषणा पत्र को पहुंचाया जाए इसके अलावा मतदाताओं की वोटर पर्ची भी लोगो के घरो पर पहुंचा दी जाए। इस कार्य के लिए भाजपा नें करीब अस्सी हजार कार्यकताओं को दिल्ली भर में लगाया गया है जो बूथ स्तर पर हर घर तक पहुंचेगें और जनसम्पर्क करेगें। इस अभियान की शुरूवात हो चुकी है। इसी अभियान के तहत आज भाजपा दिल्ली प्रदेश के आव्हान पर आज पूरी दिल्ली में बूथ संपर्क अभियान के तहत उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा चुनाव हेतु घोंडा विधान सभा अंतर्गत ब्रह्मपुरी वार्ड में बूथ संख्या 175,80,82 पर किसान मोर्चा दिल्ली प्रदेश के संयोजक, पूर्व जिला अध्यक्ष राजकुमार बल्लन मंडल अध्यक्ष जितेंद्र भदौरिया, सांसद प्रतिनिधि रामनरेश परासर खंड प्रमुख रामाशीष त्रिपाठी, शुक्ला सहित बूथ अध्यक्ष और पन्ना प्रमुखों के साथ मिलकर परिवार पर्ची(वोटर पर्ची) वितरित की और उनसे 25 मई को भाजपा के पक्ष में मतदान करने का निवेदन किया।

राजकुमार बल्लन नें बताया बूथ सम्पर्क अभियान के तहत लोगो का समर्थन तथा जोश देखते ही बनता था। उन्होंने बताया लोग नरेंद्र मोदी को एक बार फिर से प्रधानमन्त्री के रूप में देखना चाहते है। लिहाजा लोग भाजपा को वोट देने जा रहे है।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने हवा 'खराब' करने वालों पर कसा शिकंजा

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली में आबोहवा को खराब करने वाले वाहनों पर इस बार ट्रैफिक पुलिस ने जमकर कार्रवाई कर रही है। पिछले साल के मुकाबले इस बार पहली तिमाही में दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने पीयूसीसी (प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र) न होने पर 1 जनवरी, 2024 से 30 अप्रैल, 2024 तक एक लाख से ज्यादा चालान काटे गये हैं। पिछले साल यह आंकड़ा 78 हजार से ज्यादा का था। वहीं इस साल दिल्ली ट्रैफिक पुलिस द्वारा पीयूसीसी चलान काटे जाने की संख्या में 30 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की ओर से इस तरह के वाहनों पर अंकुश लगाने का बड़ा मकसद, वायु गुणवत्ता को बढ़ाने और वाहन प्रदूषण फैलाने वालों पर लगाम कसना है। ट्रैफिक पुलिस ने साल 2024 में सबसे अधिक चालान काटकर ऐसे वाहन मालिकों को मैसेज दिया है, जो कि पीयूसीसी लेनें में ज्यादा गंभीरता या अहमियत नहीं दिखाते हैं और दिल्ली की आबोहवा को प्रदूषित करते रहते हैं। ट्रैफिक पुलिस की ओर से इस बार 2024 में सबसे ज्यादा चालान जारी करने वाले 10 टॉप ट्रैफिक सर्किलों का व्यापक तौर से विश्लेषण भी किया है, जिसके बाद इन चालानों की आंकड़ा तैयार किया गया है।

पीयूसीसी जांच खास तौर से उन क्षेत्रों में की गई, जहां पर इसके ट्रैफिक उल्लंघन सबसे ज्यादा होते हैं। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की ओर से काटे गए चलानों में सबसे ज्यादा चालान करोल बाग सर्कल इलाके के है, जिनकी संख्या (4034), इसके अलावा भजनपुरा में (3852), अशोक विहार में (3703), नजफगढ़ में (3587), द्वारका में (3488), सरिता विहार में (3420), नंद नगरी में (3268), पंजाबी बाग में (3265), मॉडल टाउन में (3126) और तिलक नगर सर्कल में (2799) चालान काटे गए हैं।

आप ने लोगों से तानाशाही के खिलाफ वोट करने का आग्रह किया

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की छात्र इकाई छात्र युवा संघर्ष समिति (सीवाईएसएस) ने रविवार को यहां एक साइकिल रैली निकाली और जनता से तानाशाहीके खिलाफ वोट करने की अपील की। रैली को जेल का जवाब वोट से अभियान के तहत राउज एवेन्यू स्थित पार्टी मुख्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसमें शामिल युवाओं ने टी-शर्ट और टोपी पहन रखी थी। टी-शर्ट और टोपी पर जेल का जवाब वोट से लिखा था। युवाओं ने केंद्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को हटाने के लिए अभियान चलाया और पार्टी को तानाशाही बताया। आप की दिल्ली इकाई के संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय और नई दिल्ली लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार सोमनाथ भारती भी रैली में शामिल हुए। राय ने कहा, आम आदमी पार्टी विभिन्न तरीकों से भाजपा की तानाशाही के खिलाफ लोगों के बीच जा रही है। पहले हमने वॉकथॉन के माध्यम से अपना अभियान चलाया और आज हम साइक्लोथॉन के जरिये यह संदेश दे रहे हैं कि इस बार देश को बचाने के लिए भाजपा की तानाशाही को खत्म करना बहुत जरूरी है। भारती ने विश्वास जताया कि 25 मई को दिल्ली में होने वाले लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन सभी सात सीट पर जीत हासिल करेगा। भाजपा पर निशाना साधते उन्होंने कहा, दिल्लीवासी कह रहे हैं कि भाजपा ने संविधान और लोकतंत्र को नष्ट कर दिया है। एक मौजूदा मुख्यमंत्री को भाजपा ने बिना किसी सबूत के जेल में डाल दिया। अरविंद केजरीवाल को जेल में डालकर भाजपा ने साबित कर दिया कि वह लोकसभा चुनाव में अपनी हार से बहुत डरी हुई है। भारती ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने सभी को समान अवसर प्रदान करने के लिए मामले का संज्ञान लिया।

कांग्रेस ने शुरू किया बूथ लेवल एजेंट का प्रशिक्षण

- बादली विधानसभा क्षेत्र से प्रशिक्षण की हुई शुरूआत
- लोगों तक कांग्रेस की पांच न्याय और 25 गारंटी पहुंचाने की योजना

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस दिल्ली की 70 विधानसभा क्षेत्रों में बूथ लेवल एजेंट को प्रशिक्षण देगी। रविवार को बादली विधानसभा क्षेत्र में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ इसकी शुरूआत हुई। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन का एक-एक कार्यकर्ता भाजपा की तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाए व अपनी मजबूत कार्यशैली के अनुरूप बूथ के सभी मतदाताओं से संपर्क स्थापित करे। लोगों तक कांग्रेस की पांच न्याय और 25 गारंटी की जानकारी पहुंचाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के उम्मीदवार आपकी मेहनत से ही चुनाव जीतेंगे। इसलिए पूरी कर्मठता और निष्ठा के साथ प्रचार-प्रसार का काम करें। यादव ने कहा कि आम लोगों के बीच पार्टी के विजन को पहुंचाने के लिए बूथ लेवल एजेंट अहम कड़ी साबित होते हैं। इसलिए अगले सात दिनों के भीतर सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में बूथ लेवल एजेंट को बताया जा रहा है कि कैसे मतदाता सूची की जांच करनी है, कैसे मतदान वाले दिन ईवीएम की निगरानी रखनी है, बूथ के अंदर और बाहर बैठने वाले बूथ एजेंट को क्या-क्या काम करना है।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली के सभी 13 हजार 630 बूथ पर कांग्रेस कार्यकर्ता गठबंधन के उम्मीदवारों को जीत दिलाने के लिए घर-घर जाकर कांग्रेस के वादों को पहुंचा रहे हैं।

कांग्रेस की न्याय गारंटी के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ जनता से जुड़े ज्वलंत मुद्दे महंगाई, बेरोजगारी, रोजमर्रा के वस्तुओं के दामों में बढ़ोतरी, गैस, पेट्रोल, डीजल के दामों में बढ़ोतरी आदि मुद्दों को भी लोगों के बीच ले जा रहे हैं।

एक नजर

टू मीडिया द्वारा आचार्य शैलेंद्र पाराशर के विशेषांक का भव्य विमोचन

नई दिल्ली, एजेंसी। टू मीडिया समूह द्वारा प्रकाशित आचार्य शैलेंद्र पाराशर के इंद्रधनुषी व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केंद्रित पत्रिका का गरिमामय समारोह को सामाजिक विज्ञान शोध संस्थान, में 'भारतीय सांस्कृतिक विरासत में जीवन आनंद के आयाम' विषय पर आयोजित परिचर्चा में देश की प्रतिष्ठित पत्रिका "इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड्स" एवं "ग्लोबल बुक ऑफ रिकार्ड्स" से सम्मानित, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से प्रकाशित हिंदी पत्रिका टू मीडिया का विमोचन समारोह संपन्न हुआ। परिचर्चा एवं विमोचन समारोह के अतिथि मुख्य अतिथि डॉ. मोहन गुप्त (पूर्व कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन), सम्माननीय अतिथि प्रोफेसर बालकृष्ण शर्मा (पूर्व कुलपति विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन), सम्माननीय अतिथि डॉ. तुलसीदास परौहा (उपाचार्य महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन), सम्माननीय अतिथि प्रोफेसर गोपाल कृष्ण शर्मा (अध्यक्ष म.प्र. सामाजिक विज्ञान शोध संस्थान, उज्जैन), सम्माननीय अतिथि प्रोफेसर शैलेन्द्र पाराशर (परिचर्चा संयोजक), निदेशक प्रोफेसर यतीन्द्रसिंह सिसोदिया, सम्माननीय अतिथि डॉ. सन्तोष पण्ड्या (परिचर्चा समन्वयक पूर्व निदेशक, कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन) उपस्थित रहे।

हार्ट रोगी गर्मी में बरतें सावधानी : डॉ कालरा

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार बढ़ते तापमान में उच्च रक्त चाप से पीड़ित मरीज के साथ अगर हार्ट रोग की शिकायत है तो वो विशेष सावधानी बरतें। ये जानकारी आज एक कार्यक्रम में कालरा अस्पताल के हार्ट रोग विशेषज्ञ डॉ आर एन कालरा ने दी। उन्होंने कहा कि गर्मी में डायरिया और लू की शिकायते ज्यादा आ रही है। ऐसे में बाजार का खुला पदार्थों का सेवन कम से कम करे। डॉ कालरा ने कहा कि नियमित रूप से व्यायाम करें। हार्ट रोगियो को तेज धूप से बचना चाहिए। मोटापा और मधुमेह रोगियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक रहना चाहिए। समय समय पर हार्ट की जांच जरुर कराना चाहिए। सीने में दर्द के साथ वाये हाथ मे दर्द हो तो उसे अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। कुछ लोग गर्मी में आने वाले को नजरअंदाज कर जाते हैं। अगर घबराहट के साथ पसीना आये तो उसे अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ये हार्ट रोग के लक्षण हो सकते हैं।

भ्रष्टाचार का आरोपी दे रहा है ईमानदारी की गारंटी : बिधूड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की दस गारंटियों का मजाक उड़ाते हुए कहा है कि जो व्यक्ति भ्रष्टाचार के आरोप में 50 दिन जेल रहकर आया हो और 20 दिनों के बाद जिसे फिर जेल में सरेंडर करना है, वह देश को भ्रष्टाचार मुक्त शासन की गारंटी दे रहा है। जो व्यक्ति सबसे ज्यादा झूठ बोलकर जनता को गुमराह करता रहा हो और अब जिसकी पोल खुल चुकी हो, उसकी गारंटियां अब कोई महत्व नहीं रखतीं। बिधूड़ी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली को मुफ्त बिजली और पानी के नाम पर झांसा दिया है। दिल्ली में आज बिजली पूरे देश में सबसे ज्यादा महंगी है और मुफ्त पानी के नाम पर दिल्ली की 60 फीसदी से ज्यादा जनता को प्यासा रखा गया है। मोहल्ला क्लीनिकों में फर्जी बिलों और नकली दवाइयों का घोटाला पकड़ा जा चुका है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल पूरे देश में किसानों को स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करने की गारंटी दे रहे हैं जबकि दिल्ली में ही रिपोर्ट लागू नहीं की गई। दिल्ली के किसानों को एमएसपी बढ़ाने का वादा उन्होंने चुनावों से पहले किया था लेकिन किसान समझ चुके हैं कि झूठ बोलकर उन्हें गुमराह किया गया। बिधूड़ी ने कहा है कि उन्होंने केजरीवाल जैसा झूठा और निर्लज्ज व्यक्ति नहीं देखा जो अपने किए पर शर्मिन्दा नहीं होता। वह अपनी विश्वसनीयता पूरी तरह खो चुके हैं और अब उनकी किसी गारंटी या वादे पर जनता विश्वास नहीं करेगी।

केजरीवाल करेंगे आईएनडीआईए के लिए चुनाव प्रचार

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. संदीप पाठक ने रविवार को कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आईएनडीआईए के लिए चुनाव प्रचार में हिस्सा लेंगे और पूरे देश में जाकर वोट मांगेंगे। केजरीवाल 15 मई को लखनऊ में गठबंधन के लिए चुनाव प्रचार करेंगे। इसके अलावा केजरीवाल 16 मई को झारखंड के जमशेदपुर में चुनाव प्रचार में हिस्सा लेंगे। उसके बाद मुंबई में 17 मई को चुनाव प्रचार करेंगे। संदीप पाठक ने कहा कि भाजपा सरकार ने केजरीवाल को षड्यंत्र करके जेल की सलाखों के पीछे बंद कर दिया था। भाजपा किसी भी हालत में केजरीवाल को चुनाव प्रचार से दूर रखना चाहती थी। पाठक ने कहा, हमें पूरा विश्वास है कि केजरीवाल के चुनाव प्रचार करने से गठबंधन को फायदा पहुंचेगा और 2024 लोकसभा चुनाव में गठबंधन की जीत होगी।

बवाना औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्ट्री में लगी भीषण आग, दमकल की 12 गाड़ियां पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। बवाना औद्योगिक क्षेत्र में प्लास्टिक के सामान बनाने वाली फैक्ट्री में रविवार को भीषण आग लग गई। सूचना पर पहुंची 12 दमकल की गाड़ियां आग पर काबू पाने में जुटी हुई है। आग लगने के कारण अभी स्पष्ट नहीं हैं। फायर कंट्रोल रूम के अनुसार आज दोपहर 3:00 बजे के आसपास कंट्रोल रूम को आग लगने की सूचना मिली। अभी 60 फायर कर्मियों की टीम आग बुझाने में जुटी हुई है। यह हादसा बवाना इंडस्ट्रियल एरिया के एफ ब्लॉक में हुई है। फायर कर्मियों ने बताया कि इस इमारत के अंदर 65 से 70 सिलेंडर रखे हुए हैं, जिसको लेकर शंका बनी हुई है कि कहीं सिलेंडर आग की चपेट में आकर ब्लास्ट होने ना लग जाए। मौके से मिली जानकारी के अनुसार आग लगने के बाद खुद को बचाने के चक्कर में लोग इधर-उधर जान बचाने के लिए भागे, जिसमें से 6 लोगों को चोट लगी है। जिन्हें महर्षि वाल्मीकि अस्पताल में ले जाया गया है।

कुलदीप कुमार के समर्थन में पूर्वी दिल्ली की बैठक में बनी गठबंधन की रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट पर इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार कुलदीप कुमार के चुनाव प्रचार के लिए कृष्णा नगर जिला कांग्रेस कमेटी में एक विशाल बैठक हुई। बैठक में इंडिया गठबंधन की मजबूती स्पष्ट दिखाई दी, दोनों पार्टियों के कार्यकताओं ने एकत्र होकर निर्णय लिए कि हम मिलकर सभी सातों सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों को हराने के लिए काम करेंगे। बैठक में इंडिया गठबंधन के समझौते के तहत दोनों संगठनों के कार्यकताओं ने पूर्वी दिल्ली लोकसभा उम्मीदवार के पक्ष में हाथ उठाकर समर्थन करने की शपथ ली। बैठक में दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी, चुनाव प्रबंधन और कॉआर्डिनेशन कमेटी के चेयरमैन व पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चै0 अनिल कुमार, अनिल भारद्वाज, अब्दुल वाहिद कुरैशी, निगम पार्षद समीर मंसूरी, पूर्व पार्षद वरयाम कौर, शरणजीत शर्मा, चो प्रेम कुमार, बंसी लाल, कांग्रेस नेता हरि दत्त शर्मा, परवेज मियाँ, समस्त ब्लॉक अध्यक्ष, पार्षद, निगम प्रत्याशी सहित समस्त जिला पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक कृष्ण नगर जिला कांग्रेस अध्यक्ष गुरचरण सिंह राजू की अध्यक्षता में हुई और मंच का संचालन दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन अनुज आत्रेय ने किया।

रायबरेली में कमल खिला दो, चार सौ पार अपने आप हो जाएगा : अमित शाह

एनसीआर समाचार

रायबरेली (उप्र)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अमित शाह ने रविवार को पार्टी के 400 पार के नारे को दोहराया और लोगों से कहा कि रायबरेली में कमल खिला दो, चार सौ पार अपने आप हो जाएगा। कांग्रेस के गढ़ कहे जाने वाले रायबरेली से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार व राज्यर सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के समर्थन में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने गांधी परिवार पर जमकर हमला बोला। शाह ने कहा कि देश भर में जहां जाते हैं चार सौ पार का नारा लगता है। चार सौ पार तभी हो सकता जब पूरे देश में मोदी को 400 सीटें जिताकर दें और वह होने वाला है। हालांकि इसे दूसरा रुख देते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि अगर एक ही सीट जीतकर 400 पार का मतलब पूरा हो जाए तो वह करना चाहिए या नहीं करना चाहिए। भीड़ की ओर से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिलने पर अमित शाह ने कहा कि रायबरेली में कमल खिला दो, चार सौ पार अपने आप हो जाएगा। गांधी परिवार की परंपरागत सीट कही जाने वाली रायबरेली में 2019 में सोनिया गांधी भाजपा के दिनेश प्रताप सिंह को पराजित कर निर्वाचित हुई थीं। 2019 में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के हिस्से में आने वाली यह एकमात्र सीट थी। इस बार इस सीट से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व उनके पुत्र राहुल गांधी उम्मीदवार हैं, जो पिछले चुनाव में अमेठी में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी से पराजित हो गये थे। शाह ने रायबरेली मे विकास की राह में गांधी परिवार को रोड़ा करार देते हुए कहा कि मोदी पूरे देश में विकास की गंगा बहा रहे हैं लेकिन यह (गांधी) परिवार रायबरेली में बाड़ लगाकर बैठा है। उन्होंने भरोसा देते हुए कहा कि एक बार यह बाड़ तोड़ दो रायबरेली को हम नंबर एक जनपद बनाएंगे। यहां हर ताले की चाबी दिनेश प्रताप है, एक बार ताला खोल दो। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस नेता खरगे कहते हैं कि उप्र और राजस्थान वालों को कशमीठर से क्याह लेना है।

खरगे 80 पार कर गये लेकिन रायबरेली के लोगों को नहीं जान पाए। रायबरेली का बच्चाा-बच्चाो कश्मी र के लिए अपनी जान दे सकता है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि भाइयों बहनों मुझे बताओ कश्मीर से धारा 370 हटनी चाहिए थी नहीं हटनी चाहिए।

70 साल से गांधी परिवार धारा 370 को अनवरत बच्चे की तरह गोदी में लेकर बैठा था। आपने मोदी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया और उन्होंने धारा 370 को हमेशा हमेशा के लिए समाप्त कर दिया। शाह ने अयोध्या में राम मंदिर और काशी विश्वनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को देते हुए आरोप लगाया कि वोट बैंक के डर से राहुल गांधी अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नहीं गये। रायबरेली में पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होगा।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई भगवान श्री परशुराम जी की जयंती

आकिल अली

उत्तर प्रदेश: किरतपुर स्थानीय श्री विश्वकर्मा शिव मंदिर में पंडित सतीश चंद्र शर्मा के निर्देशन में प्रथम बार भगवान श्री विष्णु जी के छटें अवतार श्री परशुराम जी का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर में प्रातः 9 बजे पंडित गौरव शर्मा द्वारा हवन किया गया उसके बाद विचार गोष्ठी कर प्रसाद वितरण किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि व मुख्य यजमान भुवनेश्वर शर्मा व नरेश शर्मा सेवा निवृत उत्तर प्रदेश पुलिस रहे ।

जिसमें मुख्य वक्ता श्री परशुराम जन जाग्रति मंच के ब्लॉक अध्यक्ष डा. लोकचंद्र शर्मा रहे। उन्होंने अपने सम्बोधन में भगवान श्री परशुराम जी के जीवन पर प्रकाश डाला व स्वयं रचित श्री परशुराम जी की आरति विप्र समाज द्वारा की गई। उन्होंने ब्राह्मण संगठन को मजबूत बनाने हेतु जोर दिया ओर बताया कि जिले में 11 ब्लॉक है प्रत्येक ब्लॉक में श्री परशुराम जनजागृति मंच का गठन किया जायेगा ।

कार्यक्रम को ब्रजेश शर्मा बाहुपुरा द्वारा भी सम्बोधित किया गया। कार्यक्रम में बृजेश शर्मा, नागेंद्र शर्मा, गोविंद शर्मा, जनार्दन शर्मा, विनय वशिष्ठ, जयवीर राठी,शरद दुबे, सचिन शर्मा,जुगल शर्मा , विपिन शर्मा,गौरव शर्मा, डा विनय शर्मा, संजीव शर्मा, संजय शर्मा अरूण शर्मा, जयप्रकाश शर्मा आदि भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

उत्तर प्रदेश: जिले में बारिश से बदला मौसम का मिजाज

तरुण सिंह मौर्य/उत्तर प्रदेश: जिला पीलीभीत में आज शनिवार की सुबह काले बादलों के साथ लोगों के लिए एक उम्मीद लेके आया और झमाझम बारिश भी हुई। बारिश से स्कूल जाने वाले बच्चों को काफी समस्या हुई क्योंकि बारिश स्कूल के समय प्रातः 7 बजे शुरू हुई जिस कारण बच्चे भीगते हुए स्कूल पहुंचे। बारिश से हालांकि परेशानी तो हुई पर बच्चों ने भी बारिश के पानी के साथ खूब मजे भी किए क्योंकि बारिश भी एक लम्बे समय के बाद आज तेज हवा के साथ हुई और खुशनुमा मौसम हुआ। बदलते मौसम ने किसानों को सोचने पर मजबूर कर दिया और एक नई परेशानी खड़ी कर दी। शहर के आसपास के कुछ इलाकों में बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हुई। हालांकि बारिश के चलते लोगों को चिलचिलाती धूप के बढ़ते तापमान से काफी राहत मिली। मौसम विभाग की माने तो दो दिन तक ऐसा ही खुशनुमा मौसम रहने के आसार है।

नेहरू इंटर कालेज में माध्यमिक शिक्षक संघ ने भगवान परशुराम जयंती मनाई

श्रवण कुमार/उत्तर प्रदेश: कुशीनगर सुकरौली नगर के नेहरू इंटर कालेज में शुक्रवार को माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष की मौजूदगी में भगवान परशुराम की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। प्रधानाचार्य धर्मेंद्र कुमार, शिक्षकों व बच्चों ने भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन किया। डॉ. त्रिगुणानंद मणि, संतोष कुमार दूबे, प्रमोद कुमार त्रिपाठी, मनोज कुमार शाही आदि शिक्षकों ने भगवान परशुराम के बारे में बच्चों को विस्तार से जानकारी दी। उसके बाद प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को प्रधानाचार्य व अन्य शिक्षकों ने पुरस्कृत किया। बच्चों में मिष्ठान्न वितरण भी किया गया। इस दौरान माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अनिल कुमार दूबे, शम्भूनाथ गुप्ता, गजेंद्र प्रताप सिंह, लक्ष्मी मिश्र, विश्वदीपक मिश्र, करूणेश श्रीवास्तव, आदि मौजूद रहे।

नगीना रोड पर एक व्यक्ति के घायल अवस्था में होने की सूचना थाना धामपुर पर हुई प्राप्त

जितेन्द्र/उत्तर प्रदेश: थाना धामपुर क्षेत्रांतर्गत नगीना रोड पर एक व्यक्ति के घायल अवस्था में होने की सुचना थाना धामपुर पर प्राप्त हुई। सूचना पर स्थानीय पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर उक्त व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सीय परीक्षण में उक्त व्यक्ति के पैर में संदिग्ध बंदूक की गोली से चोट तथा शराब के नशे में धुत पाया गया चिकित्सीय परीक्षण के उपरान्त अगले दिन उक्त व्यक्ति को डिस्चार्ज कर दिया गया। उक्त व्यक्ति की शिनाख्त आरक्षित अजित कुमार के रूप मे हुई थी जो हाल में थाना कटधर जनपद मुरादाबाद मे नियुक्ति है। तथा मूल रूप से जनपद बुलन्दशहर का निवासी है। उक्त व्यक्ति आरक्षित 03 दिवस के अवकाश पर था ।आरक्षी से धामपुर आने का कारण पुछा गया तो कोई स्पष्ट जवाब नही दे पाया। जांच में यह तथ्य प्रकाश में आये है कि उक्त व्यक्ति आरक्षित पूर्व में थाना धामपुर, जनपद में नियुक्त रहा है। तथा नियुक्ति के दौरान आरक्षी के सम्बन्ध एक महिला से थे सम्बन्ध बिगड़ने पर उक्त आरक्षी द्वारा महिला व महिला के परिजनों को कॉल एवं मैसेज के माध्यम से विभिन्न आरोप, जिसमे खुद को गोली मारकर आरोप लगाने की बात कही है। आरक्षी के हाथ पर लड़की का नाम भी खुद हुआं है प्रकरण प्रथम दृष्टतया सदिन्ध है ।उ०/नि०श्री श्यामलाल सिंह की तहरीर के आधार पर थाना धामपुर पर मु०अ०सं० 216/24 धारा 307 भादवि बनाम अज्ञात पंजीकृत हैं। समस्त विन्दूं पर गहनता से जांच की जा रही है।

गोंडा में आपसी रंजिश में वृद्ध की हत्या, तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

गोंडा (उप्र), एजेंसी। गोंडा जिले में घर के बाहर सो रहे एक बुजुर्ग की कथित तौर पर आपसी रंजिश में लोहे के राड से हमला करके हत्या कर दी गयी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। सदर की पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) शिल्पा वर्मा ने बताया कि धानेपुर थाना क्षेत्र के राजापुर गांव निवासी सरफराज खान (70) लकड़ी के ठेकेदार थे। उनका भाइयों से बंटवारे का विवाद चल रहा था। उन्हों।ने बताया कि शनिवार रात सरफराज खान अपने घर के सामने बने बरामदे में सो रहे थे। आधी रात के बाद घर पर आए तीन लोगों ने उनके सिर पर लोहे के राड से प्रहार कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। सीओ ने बताया कि हमलावरों ने घर में सो रहे गृहस्वामी के बेटे रिजवान पर भी खिड़की के रास्ते प्रवेश करके हमला करने की कोशिश किया किंतु चीख पुकार सुनकर वह भाग निकले। उन्होंने बताया कि मृतक के बेटे रिजवान की तहरीर पर अजमत उल्ला, कमरुद्दीन व रफीउल्लाह के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बस्ती मे सरयू नदी मे नहाने गये दो की डूबने से मौत

बस्ती, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले मे दुबौलिया थानाक्षेत्र के मोजपुर गांव के समीप रविवार को सरयू नदी मे नहाने गये 09 बच्चों मे से दो की डूबने से मौत हो गयी और दो लापता हो गये। पुलिस सूत्रो ने यहां यह जानकारी देते हुए बताया है कि दुबौलिया थाना क्षेत्र के मोजपुर गांव के समीप सरयू नदी मे गर्मी से निजात पाने के लिए 9 बच्चे नहाने गये थे और नहाने के दौरान सभी डूबने लगे। ग्रामीणों ने पहुंच कर 5 बच्चो को बचा लिया लेकिन चार बच्चे पिपरी ग्राम निवासी काजल (14) ,पार्वती (20),शलिनी (17),तथा रमवापुर ग्राम निवासी सोहन (14)गहरे पानी मे डूब गये जिससे काजल तथा पार्वती की मौत हो गयी है। गोताखोरों द्वारा मृतकों के शवों को बाहर निकाला गया है तथा दोनो लापता बच्चों की तलाश जारी है। इस घटना से पूरे जनपद मे शोक की लहर दौड़ गयी है। पार्वती तथा शालिनी दोनो सगी बहनें है। घटना स्थल पर भारी संख्या मे भीड़ मौजूदहै।

फिरोजाबाद: दो बाइको की भिड़न्त में मां-बेटा समेत तीन की मौत 01 घायल

फिरोजाबाद, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में फिरोजाबाद के थाना एका क्षेत्र के गांव नगला गजू के अंतर्गत रविवार की अपरान्ह दो बाइको की भिड़न्त में मां बेटा सहित तीन की मौत हो गयी जब कि एक युवक घायल हो गया। थाना एका क्षेत्र के गांव नगला गजू निवासी 30 वर्षीय विजय कुमार पुत्र इग्लेश रविवार की अपरान्ह अपनी मां 52 वर्षीय ओमा देवी को बाइक पर बैठाकर मुस्तफाबाद से दवा दिलाकर अपने गांव लौट रहा था। बाइक सवार मां बेटा गांव के निकट पहुंचे ही थे कि तभी सामने से आ रही एक बाइक जिस पर दो युवक सवार तेज गति से आ रहे थे, इनसे टकरा गयी। दुर्घटना इतनी भीषण थी , कि दोनों बाइको पर सवार चार लोग उछलकर सड़क पर गिर गये। जिसके फलस्वरूप इन्हें गम्भीर चोटे आयी।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश की पूरी संपत्ति चार-पांच अमीर लोगों को दे दी: प्रियंका गांधी

एनसीआर समाचार

रायबरेली (उप्र)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला करते हुए उन पर देश की पूरी संपत्ति चार -पांच अमीर लोगों को देने का आरोप लगाया। रायबरेली सीट से चुनाव लड़ रहे अपने भाई एवं कांग्रेस उम्मीदवार राहुल गांधी के समर्थन में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए वाद्रा ने कहा, ह्यनरेन्द्र मोदी पिछले 10 वर्षों से वाराणसी से सांसद हैं। उन्होंने वहां किसी भी गांव का दौरा नहीं किया है या किसी किसान से नहीं पूछा है कि वह कैसा है। उन्होंने निजीकरण को लेकर प्रधानमंत्री पर हमला बोला। वाद्रा ने कहा, निजीकरण अपने आप में बुरा नहीं है, लेकिन अगर प्रधानमंत्री देश की पूरी संपत्ति चार-पांच अमीर लोगों को दे देते हैं, तो यह सही नहीं है।

वाद्रा ने आरोप लगाया कि आज देश का कोयला, बिजली, बंदरगाह, हवाई अड्डे सब प्रधानमंत्री के मित्रों के हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और इंदिरा गांधी का नाम लेते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री होने के बावजूद उन्होंने गांवों का दौरा किया और लोगों से उनकी समस्याओं के बारे में जाना।

वाद्रा ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री बड़े-बड़े आयोजन करते हैं जहां आपको कई बड़े पूंजीपति दिखेंगे लेकिन एक भी गरीब आदमी नहीं मिलेगा।

चौथे चरण का मंच तैयार, 130 प्रत्याशियों के भाग्य का होगा फैसला

एनसीआर समाचार

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 13 मई को उत्तर प्रदेश में 13 जिलों की 13 सीटों के लिये मतदान कड़े सुरक्षा इंतजाम के बीच सुबह सात बजे शुरू होगा। चुनाव के इस चरण में शाहजहाँपुर (सु), खीरी, धौरहरा, सीतापुर, हरदोई (सु), मिश्रिख (सु), उन्नाव, फरूर्खाबाद, इटावा (सु), कन्नौज, कानपुर, अकबरपुर, बहराइच (सु) पर वोट डाले जायेंगे। इसके अलावा ददरौल विधानसभा के उप चुनाव के लिये भी मतदान होगा। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने रविवार शाम बताया कि मतदान सुबह सात बजे से शुरू होकर शाम छह बजे तक चलेगा तथा शाम छह बजे के बाद कतार में लगे सभी मतदाता वोट डाल सकेंगे।

चौथे चरण में शाहजहाँपुर, खीरी, सीतापुर, हरदोई, कानपुर नगर, उन्नाव, एटा, फरूर्खाबाद, इटावा, औरैया, कानपुर देहात, कन्नौज तथा बहराइच जिलों के अंतर्गत संसदीय क्षेत्रों में कुल दो करोड़47 लाख 47 हजार 27 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे जिसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या एक करोड़ 31 लाख 82 हजार 341 और महिला मतदाता एक करोड़ 15 लाख 63 हजार 739 है। इसके अलावा 947 थर्ड जेण्डर मतदाता हैं। ददरौल विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र में तीन लाख 73 हजार 751 मतदाता दस उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में सबसे अधिक मतदाता उन्नाव लोकसभा से तथा सबसे कम मतदाता कानपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में हैं। कुल 130 प्रत्याशियों में 16 महिला प्रत्याशी भी शामिल है।

इस चरण में कन्नौज में सबसे अधिक 15 प्रत्याशी किस्मत आजमा रहे हैं जबकि सबसे कम सात प्रत्याशी इटावा जिले में है। श्री रिनवा ने बताया कि चौथे चरण में 26 हजार 588 मतदेय स्थल (पोलिंग बूथ) बनाये गये हैं जिनमें चार हजार 715 संवेदनशील हैं। 16 हजार 334 मतदान केन्द्र हैं। मतदान पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए तीन विशेष प्रेक्षक, 13 सामान्य प्रेक्षक, नौ पुलिस प्रेक्षक तथा 17 व्यय प्रेक्षक भी तैनात किये गये हैं। इनके अलावा दो हजार 250 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 287 जोनल मजिस्ट्रेट, 111 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा 2,920 माइक्रो ऑब्जर्वर भी तैनात किये गये हैं। मतदान के लिए 33 हजार149 ईवीएम की कन्ट्रोल यूनिट, 33 हजार 149 बैलट यूनिट तथा 35 हजार 644 वीवीपैट तैयार किये गये हैं।

जनता का गुस्सा भाजपा के खिलाफ बढ़ रहा है: अखिलेश

एनसीआर समाचार

बाराबंकी (उप्र)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को दावा किया जनता का गुस्सा भाजपा के खिलाफ बढ़ रहा है और सातवें चरण के चुनाव में जनता का गुस्सा सातवें आसमान पर दिखाई देगा।

यहां बाराबंकी लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार तनुज पुनिया के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि ह्मैं देख रहा हूं कि जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ता जा रहा है, जनता का गुस्सा भी भाजपा के खिलाफ बढ़ता चला जा रहा है। आप देख लेना, जब सातवें चरण में वोट पड़ेगा तो जनता का गुस्सा सातवें आसमान पर दिखाई देगा। सपा प्रमुख ने कहा कि 2024 का चुनाव हमारे आपके भविष्य का चुनाव है। वहीं हमारे आपके आने वाली पीढ़ी के भविष्य का भी चुनाव है। उन्होंने कहा कि जिस तरह कभी समुद्र मंथन हुआ था, 2024 का चुनाव संविधान मंथन का चुनाव है।

पीएम सूर्य हर घर मुफ्त बिजली योजना की हुई शुरूआत: एके शर्मा

- जन जन की है यही पुकार, फिर एक बार मोदी सरकार : एके शर्मा
- मोदी जी ने किसानों की आय वृद्धि के लिए दी कई लाभकारी योजनाएं

एनसीआर समाचार

प्रयागराज/भदोही। मोदीजी किसानों का बहुत सम्मान और चिंता करते हैं। उन्होंने देश के किसानों की आय को बढ़ाने के लिए नये-नये प्रयोग को अमल में लाने का पूरा प्रयास किया है। किसान सम्मान निधि के साथ ही यूरिया की उपलब्धता भी सुलभ कराई। मोदी ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए फूड प्रोसेसिंग के लिए भी बढ़ावा दिया। किसानों और देशवासियों को पीएम सूर्य हर घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से मुफ्त बिजली देने की शुरूआत की है।

उक्त बातें मंत्री एके शर्मा ने भदोही लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी डॉ विनोद कुमार बिन्द के समर्थन में भीटी बर्दवारी हंडिया में आयोजित अन्नदाता किसान सम्मलेन में सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए मोदी ने पूरे देश के किसानों को कम लागत, कम पानी में ज्यादा फसल की पैदावार के साथ ही अपनी फसल से आय के साधनों को बढ़ाने जैसे फूड प्रोसेसिंग, अवशेष का पुनः प्रबंधन के साथ ही पशुपालन को भी आय का स्त्रोत बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मोदीजी ने देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गयी प्रत्येक योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक दिलाने का काम किया है।

वहीं योगी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने 01 अप्रैल 2023 से किसानों के नलकूपों का बिजली के बिल में 100 प्रतिशत छूट देकर उनकी आय को बढ़ाने का काम किया है।

मंत्री शर्मा ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी डॉ विनोद कुमार बिन्द शिक्षित और ऊजार्वान युवा प्रत्याशी हैं। भदोही के विकास और जन-जन को केंद्र सरकार की योजनाओं का सर्वाधिक लाभ दिलाने के लिए भारी मतों से विजयी बनाकर मोदीजी को पुनः देश का प्रधानमंत्री बनाना है। इस दौरान उन्होंने सरकार द्वारा किये गये कार्यों को अवगत कराया। उन्होंने उपस्थित कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सब विनोद कुमार बिन्द और नरेंद्र मोदी के प्रतिनिधि के रूप में घर घर जाएं और जनता को केंद्र सरकार की नीतियों के लाभ और भाजपा के संकल्प पत्र के बारे में बतायें।

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण की 13 सीट पर मतदान सोमवार को

एनसीआर समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के चौथे चरण की 13 सीट के लिए सोमवार को यानी कल मतदान होगा। इस चरण में कन्नौज में समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव और खीरी में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी की प्रतिष्ठा दांव पर है। चौथे चरण के 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में शाहजहांपुर (आरक्षित), खीरी, धौरहरा, सीतापुर, हरदोई (आरक्षित), मिश्रिख (आरक्षित), उन्नाव, फरुर्खाबाद, इटावा (आरक्षित), कन्नौज, कानपुर, अकबरपुर, बहराइच (आरक्षित) लोकसभा सीट हैं, जिनमें आठ सीट सामान्य श्रेणी की हैं और पांच सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। इन सभी निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 130 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इन उम्मीदवारों के चुनावी भाग्य का फैसला दो करोड़ 46 लाख से अधिक मतदाता करेंगे। सोमवार को ही ददरौल (शाहजहांपुर जिला) विधानसभा सीट पर उपचुनाव होगा। ददरौल सीट पर उपचुनाव के लिए 10 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

मतदान सुबह सात बजे से शुरू होकर शाम छह बजे तक चलेगा। ददरौल विधानसभा सीट पर 2022 में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर निर्वाचित मानवेंद्र सिंह के निधन की वजह से उप चुनाव हो रहा है।

यहां भाजपा ने दिवंगत मानवेंद्र सिंह के पुत्र अरविंद सिंह और सपा ने पूर्व मंत्री अवधेश वर्मा को उम्मीदवार बनाया है । चौथे चरण में कन्नौज में सपा प्रमुख अखिलेश यादव और मौजूदा भाजपा सांसद सुब्रत पाठक के बीच कड़ी टक्कर है, जबकि उन्नाव में मौजूदा भाजपा सांसद साक्षी महाराज (स्वामी सच्चिदानंद हरि साक्षी) का मुकाबला सपा की अन्नू टंडन से है।

भाजपा के चार उम्मीदवार झ्र केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी), रेखा वर्मा (धौरहरा), मुकेश राजपूत (फरुर्खाबाद) और देवेन्द्र सिंह उर्फ भोले (अकबरपुर) तीसरी बार जीत की उम्मीद कर रहे हैं, जबकि राजेश वर्मा सीतापुर से पांचवीं बार जीतने के लिए मुकाबले में हैं।

बाराबंकी में बुजुर्ग दंपति का शव मिला, हत्या का अंदेशा

बाराबंकी, एजेंसी। बाराबंकी जिले के देवा थाना इलाके में एक मकान से बुजुर्ग दंपति का शव बरामद किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि दोनों के शव बुरी तरह सड़ चुके थे और उनके सिर पर चोट के निशान हैं। एसपी ने बताया कि बदायूं जिले के मूल निवासी माजिद हुसैन वारसी (65) गद्दों का व्यापार करते थे तथा बीते कुछ साल से प्रॉपर्टी का कारोबार भी करने लगे थे। उन्होंने बताया कि कुछ साल पहले माजिद हुसैन ने देवा में मकान खरीदा था और पिछले सात-आठ महीने से पत्नी मुसर्रत जहां (62) के साथ यहां रहने लगे। सिंह ने बताया कि शनिवार को वारसी के दामाद सगीर ने अलीगढ़ से देवा कोतवाली पुलिस को फोन कर बताया कि पिछले चार पांच दिनों से ससुर और सास मुसर्रत जहां से बात नहीं हो पा रही है जिसके बाद पुलिसकर्मी उनके घर पहुंचे और आसपास पूछताछ की। अधिकारी के मुताबिक, इस दौरान पड़ोसियों ने बताया कि मकान से बदबू आ रही है। एसपी ने बताया कि पुलिसकर्मी मकान का दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे तो घर में सीढ़ियों के पास जमीन पर वारसी का शव पड़ा मिला तथा कमरे में इनकी पत्नी मुसर्रत जहां भी मृत मिली। सिंह ने बताया कि दोनों के सिर पर चोट के निशान पाए गए हैं तथा शव कई दिन पुराने थे और सड़ने के कारण उनमें कीड़े तक पड़ गए थे। उन्होंने कहा कि पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है। एसपी ने अंदेशा जाहिर किया कि इस घटना को अंजाम दोने में किसी करीबी का हाथ हो सकता है। शहर क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) जगत कनौजिया ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का स्पष्ट कारण पता चल सकेगा। उन्होंने कहा कि यह देखने के लिए मकान में तलाशी ली जा रही है कि कहीं लूटपाट की वजह से इस घटना को अंजाम तो नहीं दिया गया है।

पंजाब: रोजगार, महंगाई, विकास, किसान से हटा भाजपा का ध्यान

दर्शन सिंह

पंजाब: कुमारी सैलजा तीन चरण के मतदान के बाद भाजपाइयों में घबराहट - अडानी-अंबानी के घर ईडी व आईटी की टीम क्यों नहीं भेज रहे मोदी सिरसा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी की महासचिव एवं सिरसा लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन की कांग्रेस उम्मीदवार कुमारी सैलजा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में पहले तीन चरण में जिस तरह से मतदान हुआ है, उससे भाजपाई खेमे में पूरी तरह से घबराहट है। तमाम एजेंसी इन्हें बता चुकी हैं कि भाजपा जा रही है, कांग्रेस आ रही है। इसलिए ही मोदी व अन्य भाजपाइयों की जुबान से रोजगार, महंगाई, विकास, किसान, महिलाए, आदि तमाम मुद्दे गायब हो चुके हैं।

कांग्रेस को और आगे बढ़ने से रोकने के लिए इन्होंने कांग्रेस नेताओं के भाषणों को तरोड़-मरोड़ कर पेश करना शुरू कर दिया है। वे शनिवार को अपने प्रचार अभियान के तहत टोहाना विधानसभा क्षेत्र में गांवों व शहरी इलाकों में जनसभाओं को संबोधित कर रही थीं। इलाके के जांडली कलां, जांडली खुर्द, नाढोडी, धोलू, डुल्ट, लहरिया, इंद्राछुई, चंदड़ कलां, जमालपुर, शक्करपुरा, मयोंद कलां, तलवाड़ा आदि गांवों में लोगों ने कुमारी सैलजा व अन्य कांग्रेस नेताओं का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। उन्होंने गांवों के साथ ही जाखल शहर, जाखल मंडी व टोहाना शहर में राम नगर आदि स्थानों पर भी विभिन्न जनसभाओं को संबोधित किया। कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि कांग्रेस को अडानी-अंबानी से टेम्पो भरकर पैसा मिल रहा है, तो फिर वे खुद सो क्यों रहे हैं?

उनको दिख रहा है कि अडानी-अंबानी टेम्पो भर के पैसे भेज रहे हैं, तो वह ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग का इस्तेमाल कर उनके ऊपर जांच बैठाएं। उनके काले धन को जब्त करके नजीर पेश करें। कुमारी सैलजा ने कहा कि मोदी व भाजपाइयों को एम से शुरू होने वाले शब्दों मुगल, मुस्लिम लीग, मटन, मंगलसूत्र से बहुत मोहब्बत है। मोदी ने अपने एक भाषण में कहा कि अगर आपके पास दो भैंस हैं, तो कांग्रेस पार्टी एक भैंस छीन लेगी। वे मुद्दों पर बात न कर सिर्फ लोगों का ध्यान भटकाते हैं, समाज में फूट डालने का प्रयास करते हैं। प्रधानमंत्री को ऐसी बचपने की बात करना शोभा नहीं देता। कुमारी सैलजा ने कहा कि लोकसभा चुनाव के तीन चरणों के बाद प्रधानमंत्री और उनकी पूरी टीम घबरा गई है। इसलिए वे चुनाव में प्रमुख मुद्दों से हटकर बात कर रहे हैं।

उनमें से कोई भी विकास के ऊपर वोट नहीं मांग रहा। महंगाई कम करने का इनके पास कोई रोड मैप नहीं। गरीब कल्याण का कोई विचार नहीं। रोजगार देने की कोई इच्छाशक्ति नहीं। महिला सशक्तिकरण का कोई प्लान नहीं। किसान, मजदूर, कमेरे के लिए तो सोचने की ही फुर्सत नहीं। ये सिर्फ कांग्रेस को गालियां दे रहे हैं और कांग्रेस नेताओं के भाषणों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि बाबा साहेब द्वारा दिए गए संविधान ने दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, किसानों, गरीबों, छोट व्यापारियों को अधिकार दिए हैं। लेकिन, भाजपा और आरएसएस इसे खत्म करना चाहते हैं। इसलिए राहुल-खरगे ने ठान लिया है कि हर कीमत पर संविधान की रक्षा की जाएगी।

भाजपा को इनके मकसद में कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। किसी भी सूरत में संविधान को खत्म नहीं करने दिया जाएगा। कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा की १० साल की सत्ता में यह पहला मौका है, जब प्रधानमंत्री अडानी व अंबानी का नाम लेने लगे हैं। वरना, उन्होंने १० साल में हजारों भाषण दिए, एक बार भी उनका नाम तक नहीं लिया। इससे साफ है कि अब कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लगातार सत्ता की ओर अग्रसर होने की वजह से वे डरने लगे हैं। कुर्सी खिसकने की रिपोर्ट मिलने के बाद उनमें बैचेनी साफ झलकने लगी है। लेकिन, अब चुनाव उनके और भाजपा के हाथ निकल चुका है।

जनता इनकी सच्चाई जान चुकी है, हकीकत समझ चुकी है। इसलिए कांग्रेस व इंडिया गठबंधन का साथ दे रही है। इस दौरान पूर्व मंत्री सरदार परमबीर सिंह, पूर्व मंत्री अत्तर सिंह सैनी, पूर्व विधायक सरदार निशान सिंह, आम आदमी पार्टी से सरदार हरपाल सिंह, वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ वीरेंद्र सिवाच, जयपाल लाली, पूर्व जिला परिषद चेयरमैन कृष्ण नांगली, हरपाल बुडानिया, रमेश डांगरा, बलदेव सिंह दादीवाल, बाबा भोलेनाथ, सूबे सिंह समैण, गगन गोदारा, कृष्ण पूनिया, दलबीर जांडली, कृष्ण प्रधान, बल्ली चेयरमैन, आप पार्टी से सुखविंद्र सिंह गिल, सरपंच एसोसिएशन के प्रधान रणबीर सरपंच आदि इंडिया गठबंधन में शामिल पार्टियों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व समर्थक भी मौजूद रहे।

हर बात झूठ व जुमला ही निकली : कुमारी सैलजा कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा व मोदी की हर बात झूठ व जुमला ही साबित हुई। न किसान को उसकी फसल का वादे के मुताबिक दाम दिया, न ही युवाओं को रोजगार दिया। इन्होंने कहा था कि खाद, बीज, बिजली, जमीन का किराया फसल की कीमत में जोड़कर उस पर ५० प्रतिशत मुनाफा किसान को देंगे। फिर कहा २०२२ तक हरियाणा और हिन्दुस्तान के किसान की आय दोगुनी हो जाएगी। एक-एक मजदूर के घर में रोजगार देंगे। नौजवानों को २ करोड़ नौकरी देंगे। कुमारी सैलजा ने कहा कि इन्होंने सबसे बड़ा हमला फसल पैदा करने वाले किसान के हक पर बोला।

लाखों किसान दिल्ली बॉर्डर पर दिल्ली में बैठे प्रधानमंत्री से न्याय मांगने के लिए एक साल से अधिक समय तक धरने पर बैठे रहे। प्रदेश की भाजपा सरकार ने उनके रास्ते में सीमेंट के बोल्डर रखवा दिए, तोप-बंदूक के साथ पुलिस तैनात कर दी, सड़क पर दीवारें चिनवा दी। कहने लगे किसान पीएम से मिलने नहीं जा सकते। ७०० से ज्यादा किसानों ने शहादत दे दी। आरएसएस, भाजपा, मोदी और उनके केंद्रीय व प्रांतीय मंत्री किसानों को नक्सलवादी, उग्रवादी, मवाली और गुंडे कहते रहे। लेकिन, अंततः किसानों ताकत के आगे दिल्ली व हरियाणा की सरकार को झुकना पड़ा, तीन काले कानून वापस लेने पड़े। परन्तु, यहां भी कानून बनाकर एमएसपी की गारंटी देने की झूठ बोलकर धरना हटवा दिया।

आज डबवाली विधानसभा में रहेंगी कुमारी सैलजा कांग्रेस प्रत्याशी कुमारी सैलजा रविवार को डबवाली विधानसभा के गांवों व शहरी इलाके के दौरे पर रहेंगी। दौरे की शुरूआत बनवाला गांव से होगी। इसके बाद रिसालिया खेड़ा, रत्ताखेड़ा, राजपुरा, रामपुरा बिश्नोइयां, गोरीवाला, मटदादू, झुट्टीखेड़ा, लंबी, मोडी, चकजालू, मुन्नावाली, गोदीकां, अ दारेवाला, चक फरीदपुर, कालूआना, गंगा, सुखराखेड़ा, गिदड़खेड़ा, जंडवाला बिश्नोइयां, चौटाला, तेजा खेड़ा, भारूखेड़ा, आसाखेड़ा, ढाणी सिखां, अबूब शहर, राजपुरा माजरा, सकता खेड़ा, लोहगढ़, जोतांवाली, मसीतां, लखुआना गोबिन्दगढ़, अलीकां, शेरगढ़ आदि जगहों पर जनसभा को भी संबोधित करेंगी। वे इस दौरान डबवाली शहर में भी विभिन्न जनसभाओं को संबोधित करते हुए भाजपा की देश-प्रदेश में १० साल से मौजूद सरकार की नाकामियों व कांग्रेस के घोषणापत्र को विस्तार से बताएंगी।

एक नजर

राष्ट्रीय निबन्ध प्रतियोगिता में सोनू कुमावत ने प्रथम स्थान प्राप्त कर रचा इतिहास

घनश्याम/राजस्थान: विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित आदर्श विद्या मन्दिर केलखेडी. छीपाबडौद के छात्र सोनू कुमावत ने राष्ट्रीय निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर छीपाबडौद में स्वर्णिम अक्षरों में इतिहास बनाया। प्रधानाचार्य हरिसिंह गोचर ने जानकारी देते हुए बताया कि गत 14 सितम्बर को हुई राष्ट्रीय निबन्ध प्रतियोगिता में समाज जागरण के अग्रदूत स्वामी दयानन्द सरस्वती पर निबन्ध लिखवाया गया था। जिसका परिणाम शुक्रवार को आया, जिसमें किशोर वर्ग के भैया सोनू कुमावत ने देशभर में प्रथम स्थान हासिल कर स्कूल सहित कस्बे, जिले, व प्रान्त का नाम रोशन किया। ये निबन्ध प्रतियोगिता विद्यालय स्तर पर, संकुल, जिला, प्रान्त, क्षेत्र फिर अखिल भारतीय स्तर पर चयन किया गया जिसमें सोनू कुमावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्र सोनू कुमावत की सफलता पर जिला अध्यक्ष प्रमोद राठौर, जिला मन्त्री अशोक योगी, जिला सचिव राजेन्द्र शर्मा, विद्यालय समिति के अध्यक्ष रामकिशन मालव, सचिव जगदीश नागर, सह सचिव विक्रम सिंह हाडा, सहित स्कूल के आचार्य दीदी भैया बहिनों ने खुशी जताई है। इस उपलब्धि का श्रेय सोनू कुमावत ने प्रधानाचार्य हरिसिंह गोचर एवं हिन्दी के शिक्षक शानू प्रकाश चक्रधारी सहित स्कूल परिवार को दिया। समिति के अध्यक्ष रामकिशन मालव ने सोनू कुमावत का सम्मान करने की घोषणा की।

सातलखेड़ी में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के जन्मदिन पर भाजपा कार्यकताओं ने मनाया सेवा दिवस के रूप में

अक्षय कुमार प्रजापति/हरियाना: कस्बे में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के जन्मदिन पर भाजपा कार्यकताओं ने सेवा दिवस के रूप में मनाया। कस्बे के कार्यकताओं द्वारा सावित्री बाल माध्यमिक विद्यालय में केक काटकर छात्र - छात्राओं को पेन कॉपी बांटी। पूर्व सरपंच शांति बाई ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के उत्कृष्ट कार्य छात्र-छात्राओं को बताए।

जिसके बाद भाजपा कार्यकताओं ने कस्बे में गौ सेवा की भाजपा कार्यकताओं ने सेवा दिवस के रूप में गायों को चारा डाला इस दौरान पूर्व सरपंच शांतिबाई, राजू भाई शेखर स्टोन, खूबचंद श्रृंगी, राकेश ठेकेदार, राकेश वर्मा, शशि प्रजापति, रामप्रसाद प्रजापति, राकेश, राजकुमार, आकाश वर्मा,अक्षय प्रजापति, ललित सिसोदिया, सुनील प्रजापति, लीला बाई, सोनू मिमरोट,आशु वर्मा, बादल वर्मा, रोनक वर्मा सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनपद मीरजापुर में मनीष त्रिपाठी अपने समर्थकों के साथ कलेक्ट पहुंचकर किया नामांकन

सूरज मौर्या/उत्तर प्रदेश: जनपद मीरजापुर बसपा प्रत्याशी मनीष त्रिपाठी ने किया नामांकन बसपा जिला अध्यक्ष के साथ भारी संख्या में रोड शो करते हुए बसपा प्रत्याशी मीरजापुर कलेक्ट पहुंचकर किया नामांकन।

नामांकन के बाद पत्रकारों के वार्ता के दौरान पूछे गए पर कहा कि चुनाव हम नहीं लड़ रहे हैं मीरजापुर की जनता लड़ रही है और मीरजापुर की जनता ने यह नारा दिया है कि बाहरी भगाओ और मीरजापुर के प्रत्याशी को लाओ उन्होंने कहा कि मीरजापुर के जन-जन मनीष त्रिपाठी का समर्थन कर रहे हैं इससे बड़ा क्या हो सकता है उन्होंने कहा हमारी प्राथमिकता बेरोजगारी और सड़क पानी जैसी मूल भूत सुविधाओं को प्राथमिकता पर रखकर जनता की सेवा करने का मौका मिलता है तो हम पूरी तरह समर्पित रहेंगे।

प्रतिपक्ष नेता मुकेश जूली ने समर्थको की फौज के साथ गुरुग्राम से कांग्रेस उम्मीदवार राज बब्बर का किया जोरदार स्वागत

सतीश/हरियाना: गुरुग्राम लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार राजबब्बर नें आज बावल विधानसभा क्षेत्र का तूफानी दौरा किया ओर लोगो से वोटो की अपील की। बावल विधानसभा क्षेत्र में पहुंचने पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मुकेश जूली नें समर्थको के साथ जोरदार स्वागत किया।

और पूरे दौरे में कंधे से कंधा मिलाकर उनके साथ रहे! मुकेश जुली नें सभी गाँवों में अपने समर्थको ओर कांग्रेसी कार्यकर्ताओ को राजबब्बर से मिलवाया! इस मौके पर मुकेश जूली नें कहा की गुरुग्राम क्षेत्र की जनता नें पूरा आशीर्वाद ओर समर्थन राजबब्बर को दे दिया है और उनकी जीत सुनिश्चित है।

राजबब्बर सादगी ओर शालीनता वाले नेता है और इस क्षेत्र को विकास के मामलो में सर्वश्रेष्ठ बनाएंगे! मुकेश जूली नें कहा की बावल विधानसभा क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व स्वागत नें साबित कर दिया है कि उनकी जीत पक्की है।

छीपाबड़ौद में आए दिन हो रही है मोटर साइकिल चोरिया

घनश्याम

राजस्थान: छीपाबड़ौद कस्बे में आए दिन मोटर साईकिल चोरी की खबरे आ रही है। बुधवार को भी ऐसी ही एक खबर सामने आई, जिसे सुनकर आप दंग रह जाएंगे। छीपाबड़ौद के एचडीएफसी बैंक के पास खड़ी बैंक कर्मिक की मोटर साईकिल दिन दहाड़े करीब 12 बजे चोरी हो गई।

चोर मात्र 2 मिनिट में मोटर साईकिल का लॉक तोड़कर मोटर साईकिल के साथ चोर छू मंतर हो गया। हम आपको बता दें कि जिस जगह से मोटर साइकिल चोरी हुई है उसके चारो तरफ अनेक बैंक है जिससे कई सीसीटीवी कैमरे लगे हुए जिससे यह साफ होता है की चोरों के मन में पुलिस प्रशासन का कोई डर नही है। हालांकि चोरी का वीडियो सीसीटीवी कैमरा में खेद हो गया। अब आप सोच सकते हैं की छीपाबड़ौद में किस प्रकार की सुरक्षा व्यस्था है आखिर क्यो इन चोरों पर कठोर कारवाई नही होती है।

इस साल खूब बारिश किसानों के लिए भी अच्छी खबर भेंडवल की भविष्यवाणी

सुमिता अजय शर्मा

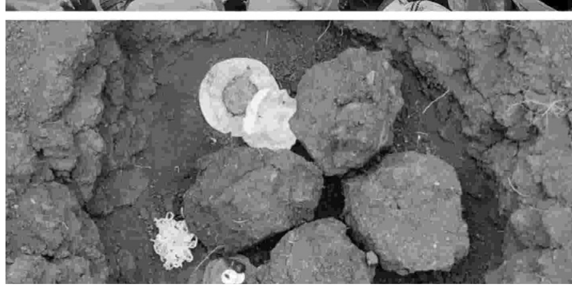

महाराष्ट्र: खानदेश मे बुलढाना जिले में घट स्थापना की 350 वर्ष पुरानी परंपरा है। अक्षय तृतीया के अवसर पर यहां का सरंखण वर्षा और फसल की स्थिति की भविष्यवाणी करता है जो किसानों के लिए उपयोगी है। इसलिए किसान ही नहीं अब बीज कंपनियां भी बिजनेस' के लिए यहां आती हैं।

वाघकुला के चंद्रभान महाराज ने घाट स्थापना और भविष्यवाणी की शुरूआत की। यह मुख्य रूप से कृषि फसल, वर्षा, देश की रक्षा, अर्थव्यवस्था, व्यापार, स्वास्थ्य और राजनीति के बारे में पूरे वर्ष की भविष्यवाणी करता है। अक्षय तृतीया के अवसर पर गांव के पूर्वी हिस्से में बाघ नामक किसान के खेत में घट की व्यवस्था की जाती है और अगले दिन सूर्योदय से पहले घट को ध्यान से देखकर भविष्यवाणियां की जाती हैं। भेंडवाल में घट की भविष्यवाणियों को सुनकर किसान आने वाले खरीफ और रबी सीजन के लिए बुआई और पानी देने की योजना बनाते हैं।

आज अक्षय तृतीया मुहूर्त पर सूर्योदय से पहले समूह का आयोजन कर वाघ महाराज ने फसल के पानी की भविष्यवाणी की है. लेकिन इस साल आचार संहिता के चलते यहां राजनीतिक भविष्यवाणियां नहीं की गई हैं. बारिश कैसे होगी?

अम्बाडी इस स्थान के देवता हैं और कहा गया है कि इस वर्ष बहुत अधिक वर्षा होगी। पहले महीने में कम बारिश होगी और दूसरे महीने में सामान्य बारिश होगी.

तीसरा महीना लंबा और अधिक बारिश वाला होने वाला है। चौथे महीने में बेमौसम बारिश के साथ अच्छी बारिश दर्ज की गई है। चूंकि कपास की फसल सामान्य रहने वाली है,ऐसा पूवार्नुमान भेंडवाल कार्यक्रम में कीया गया है।

वारी के सामान्य होने की भविष्यवाणी की गई है। अरहर को एक सामान्य लेकिन अनिश्चित उत्पाद कहा जाता है। मूंग और उड़द भी सामान्य रहेगी। इस वर्ष तिल अच्छा रहेगा। इतना ही नहीं फसलों पर महामारी भी लगेगी। यदि बाजरी सामान्य है तो साली की फसल अच्छी होगी। जबकि अलसी एक आम फसल है, मटर भी आम है। लेकिन इस वर्ष गेहूं प्रचुर मात्रा में होगा। चना अच्छी फसल है लेकिन कीमत तय नहीं है। भेंडवाल निर्वाचन क्षेत्र में इस वर्ष चुनाव होने की वजह से राजनीतिक भविष्यवाणी के लिए आचार संहिता के कारण फसल जल भविष्यवाणी कर राजनीतिक भविष्यवाणी नही की गई।

यूथ हॉस्टल का जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने किया निरीक्षण

मनोज कुमार चोरदियो

राजस्थान: जिला खेल स्टेडियम में 5.5 करोड़ की लागत से बन रहा इंडोर खेल हॉल व 2.79 करोड़ की लागत से बनेगा यूथ हॉस्टल, जिला कलक्टर ने किया निरीक्षण नागौर, 11 मई। जिला मुख्यालय स्थित राजकीय खेल स्टेडियम में साढ़े पांच करोड़ की लागत से बन रहे बहुउद्देशीय इंडोर खेल हॉल और 2 करोड़ 79 लाख की लागत से बन रहे यूथ हॉस्टल का शनिवार को जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच की तथा संबंधित फर्म को उच्च गुणवत्ता से निर्माण कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने निर्माण कार्य की स्थिति देखी तथा वहां कार्यरत फर्म के प्रतिनिधि से आगामी कार्य योजना की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने आरएसआरडीसी के अधिकारियों से कार्य की गुणवत्ता, लागत, कार्य की स्थिति व कार्य पूर्ण करने की समय सीमा आदि की जानकारी ली।

गौरतलब है कि जिला खेल स्टेडियम में पूर्व में निर्मित इंडोर हॉल के पास नई खेल सुविधाओं के लिए एक और इंडोर हॉल का निर्माण कार्य चल रहा है। वहीं दूसरी ओर कबड्डी एवं अन्य खेल के खिलाड़ियों के लिए यूथ हॉस्टल का निर्माण भी किया जा रहा है। जिसका जिला कलक्टर ने निरीक्षण किया और दोनों ही कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस दौरान जिला कलक्टर ने कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना बरते तथा खिलाड़ियों के लिए उच्च क्वालिटी से निर्माण कार्य पूर्ण करें, ताकि जिले के खिलाड़ियों को बेहतरीन सुविधा मिल सके। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी प्रकार की आधारभूत सुविधा खिलाड़ियों को उपलब्ध करवाने के प्रयास किए जा रहे है।

हिमाचल प्रदेश: कुटलैहड़ में शुक्रवार को हुए 2 नामांकन

अंकुश कुमार

हिमाचल प्रदेश: ऊना विधानसभा उप चुनाव के लिए ऊना जिले के कुटलैहड़ विधानसभा से शुक्रवार को 2 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन भरे। उन्होंने निर्वाचन अधिकारी एसडीएम बंगाणा सोनू गोयल को अपने नामांकन सौंपे। निर्वाचन अधिकारी एसडीएम बंगाणा सोनू गोयल ने बताया कि कुटलैहड़ से विवेक शर्मा, आयु 47 वर्ष, पुत्र राम नाथ, गांव व डाकघर बरनोह, तहसील ऊना, जिला ऊना ने इंडियन नेशनल कांग्रेस के प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन भरा।

वहीं कुटलैहड़ से ही देवेंद्र कुमार भुट्टो, आयु 50 वर्ष, पुत्र प्यार सिंह, गांव व डाकघर चराड़ा, तहसील बंगाणा, जिला ऊना ने भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल किया। वहीं, गगरेट विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारी एसडीएम गगरेट सौमिल गौतम ने बताया कि गगरेट में शुक्रवार को किसी उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया है।

हरियाणा: चुनाव आचार संहिता के दायरे में रहकर चुनाव प्रचार करें उम्मीदवार?

राजबीर शर्मा

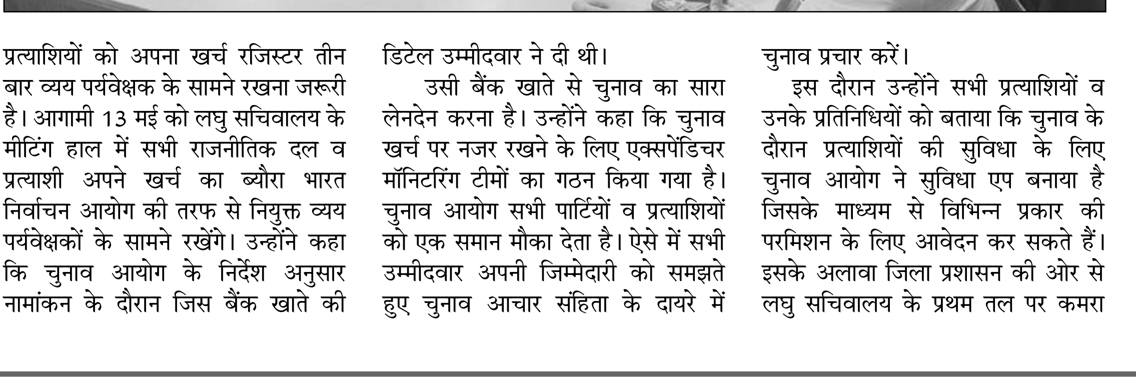

हरियाणा: नारनौल लोकसभा चुनावों में सभी राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों को चुनाव से जुड़े सभी तरह के खर्च को साक्ष्यों के साथ अपने रिकॉर्ड में रखना है। इसके लिए नामांकन के दौरान सभी प्रत्याशियों को एक खर्च रजिस्टर दिया गया है। निर्धारित खर्च सीमा का उल्लंघन करने पर चुनाव आयोग के निदेर्शानुसार कार्रवाई की जाएगी।

यह बात भारत निर्वाचन आयोग की तरफ से नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक आर. गजलक्ष्मी (आईएएस) ने विभिन्न राजनीतिक दलों तथा एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग टीमों की संयुक्त बैठक में कही। इस दौरान भिवानी-महेंद्रगढ़ संसदीय क्षेत्र की रिटर्निंग ऑफिसर एवं उपायुक्त मोनिका गुप्ता व व्यय पर्यवेक्षक उपींद्र बीर सिंह (आइडीएएस) तथा प्रनेश गुप्ता (आईआरएस) भी मौजूद थे।

सामान्य पर्यवेक्षक ने कहा कि सभी प्रत्याशियों को अपना खर्च रजिस्टर तीन बार व्यय पर्यवेक्षक के सामने रखना जरूरी है। आगामी 13 मई को लघु सचिवालय के मीटिंग हाल में सभी राजनीतिक दल व प्रत्याशी अपने खर्च का ब्यौरा भारत निर्वाचन आयोग की तरफ से नियुक्त व्यय पर्यवेक्षकों के सामने रखेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के निर्देश अनुसार नामांकन के दौरान जिस बैंक खाते की डिटेल उम्मीदवार ने दी थी।

उसी बैंक खाते से चुनाव का सारा लेनदेन करना है। उन्होंने कहा कि चुनाव खर्च पर नजर रखने के लिए एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग टीमों का गठन किया गया है। चुनाव आयोग सभी पार्टियों व प्रत्याशियों को एक समान मौका देता है। ऐसे में सभी उम्मीदवार अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए चुनाव आचार संहिता के दायरे में चुनाव प्रचार करें।

इस दौरान उन्होंने सभी प्रत्याशियों व उनके प्रतिनिधियों को बताया कि चुनाव के दौरान प्रत्याशियों की सुविधा के लिए चुनाव आयोग ने सुविधा एप बनाया है जिसके माध्यम से विभिन्न प्रकार की परमिशन के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा जिला प्रशासन की ओर से लघु सचिवालय के प्रथम तल पर कमरा नंबर 113 में सिंगल विंडो सिस्टम बनाया गया है।

उन्होंने इस दौरान पोलिंग एजेंट तथा काउंटिंग एजेंट की नियुक्ति तथा उनकी जिम्मेदारी और अधिकारों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की तरफ से सी- विजल एप भी जारी किया गया है, जिस पर कोई भी नागरिक आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के बारे में जानकारी दे सकते हैं।

इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबूलाल करवा (आईएएस), एसडीएम महेंद्रगढ़ संजीव कुमार, एसडीएम कनीना सुरेंद्र कुमार, एसडीएम नारनौल डॉ जितेंद्र सिंह, एसडीएम नांगल चौधरी मयंक भारद्वाज, नगराधीश मंजीत कुमार, तथा तहसीलदार चुनाव सुरेंद्र सिंह के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

फोटो-राजनीतिक दलों व प्रत्याशियों की बैठक लेती सामान्य पर्यवेक्षक आर. गजलक्ष्मी। साथ हैं डीसी मोनिका गुप्ता।

छत्तीसगढ़: कक्षा 10वीं और 12वीं का बोर्ड परीक्षा परिणाम सेजेस पटेवा में रहा शानदार

डॉक्टर कुमार सेन

छत्तीसगढ़: सेजेश पटेवा के छात्रों ने 2024 में विद्यालय के पिछले 40 सालों के कई रिकार्ड तोडे. शानदार रहा सेजेश पटेवा का बोर्ड परीक्षा परिणाम दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी की बेटी ने रचा इतिहास, प्राप्त किया दसवीं में 95.83प्रतिशत शिक्षक विहीन वाणिज्य संकाय की छात्राएं रही सर्वाधिक अंक प्राप्त कर्ता, महिला क्लर्क ने पढ़ाई संस्कृत और दिया अनुपम उदाहरण शिक्षा सत्र 2023-2024 की कक्षा 10वीं और 12वीं का बोर्ड परीक्षा परिणाम सेजेस पटेवा में शानदार रहा।

उपासना देवांगन 85.4 % | जान्हवी साहू 95.83% | गुंजा पटेल 95.16% | पुष्कर साहू 91.16%

यह सत्र विद्यालय के स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम विद्यालय में उन्नत होने का प्रथम वर्ष था इसलिए यह स्थानीय ग्रामीणों एवं पटेवा अंचल के? समस्त निवासियों के लिए उत्सुकता का विषय था। प्राचार्य समीर चन्द्र प्रधान ने बताया कि दोनों माध्यम के शिक्षकों तथा विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत एवं जनता एवं पालक जनप्रतिनिधियों के निरन्तर समर्थन एवं सहयोग से विद्यालय का परिणाम प्रफुल्लित करने वाला साबित हुआ।

उन्होंने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि कक्षा 10वीं का कुल परीक्षा फल 86.27% रहा (102 प्रविष्ठ मे? 88 उत्तीर्ण), सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में कु.जान्हवी साहू 95.83 % प्राप्त कर टापर रहीं जबकि अंग्रेजी माध्यम में कु.गूंजा पटेल 95.16% टापर रहीं। दोनों माध्यम से संयुक्त रूप से टापर में प्रथम जान्हवी साहू(95.83%), द्वितीय गूंजा पटेल (95.16%), तृतीय पुष्कर साहू(91.16%), चतुर्थ बसंत कर्ष (89.6%),पंचम माधवी गजेन्द्र (88.66%) रहे।कक्षा दसवीं में कुल उत्तीर्ण 88 विद्यार्थियों में 37 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में एवं 41 द्वितीय श्रेणी में जबकि मात्र 10 विद्यार्थी ही तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। लिंगानुपात की दृष्टि से उत्तीर्ण विद्यार्थियो में छात्राओं ने पुनः बाजी मारी। उत्तीर्ण में छात्राओं का प्रतिशत 61.36% रहा जबकि छात्रों का प्रतिशत 38.63% रहा।

कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने सर्वाधिक उत्तीर्ण प्रतिशत के रिकॉर्ड 93%को भंग किया और इस वर्ष 95.56% विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए (90 दर्ज में से 86 उत्तीर्ण)। सर्वाधिक अंक ?प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में प्रथम कु.उपासना देवांगन,85.4%,(वाणिज्य), द्वितीय कु.तरिणी निषाद 84.5%(वाणिज्य), तृतीय कु.जिज्ञाशा साहू 82.2%(विज्ञान), चतुर्थ कृति 79.6%(वाणिज्य), पंचम कु.गीता टंडन 78.6%(वाणिज्य) रही।कक्षा बारहवीं में उत्तीर्ण 86 विद्यार्थियों में 48 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में,36 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी तथा मात्र 02 छात्र तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। लिंगानुपात की दृष्टि से उत्तीर्ण विद्यार्थियो में छात्राओं का प्रतिशत 66.27 रहा एवं छात्रों का प्रतिशत 33.72% रहा।

प्राचार्य श्री प्रधान ने विशेष रूप से उल्लेख करते हुए बताया कि इस विद्यालय में निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों से लगभग 75% बच्चे पढ़ते हैं जिन्हें आजिविका कार्य के? लिए माता-पिता के साथ काम भी करना पड़ता है तथापि समय निकाल कर उनको पढ़ाई भी करना पड़ती है। कमजोर आर्थिक स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कक्षा दसवीं की सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा कु.जान्हवी के पिता श्री खिलावन साहू लम्बे समय से स्थानीय क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक शाखा पटेवा में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी के रुप में कार्यरत हैं किन्तु अपनी पुत्री को उच्च शिक्षा देने के लिए कटिबद्ध हैं।

उल्लेखनीय है कि इस विद्यालय में पिछले कई वर्षों से हिंदी माध्यम में शिक्षको की? कमी रही है। इस परीक्षा परिणाम की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि? बारहवीं में वाणिज्य संकाय में कोई शिक्षक पिछले सत्र कार्यरत नहीं ?रहे किन्तु प्राचार्य की सूझबूझ और समुदाय के सहयोग तथा स्टाफ के समन्वय से वाणिज्य विषय संचालित होता रहा और वाणिज्य संकाय की छात्रा कु.उपासना गजेन्द्र ने कक्षा 12 में सर्वाधिक अंक ?प्राप्त कर लिया।12 वीं के सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में वाणिज्य के 5 छात्राओं ने स्थान बनाया। प्राचार्य श्री प्रधान ने बताया कि पिछले 24 वर्षों में मात्र 02 वर्षो 2016-17,2017-18 को छोड़ कर कभी भी यहां संस्कृत के शिक्षक की नियुक्ति नहीं हुई किन्तु संस्कृत का शिक्षण प्रभावित नहीं हुआ।

2023-24 में भी नव नियुक्त सहायक ग्रेड 3 श्रीमती बृहस्पति सूर्यवंशी ने 9वीं और 10वीं के संस्कृत विषय का अध्यापन किया और परिणाम प्रभावित नहीं होने दिया। बेहतरीन परीक्षा परिणाम के लिए सरपंच,समस्त पालक, जनप्रतिनिधियों, पूर्व विद्यार्थियों, ग्राम वासियों ने सेजेस पटेवा के प्राचार्य, हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के समस्त स्टाफ सदस्यों के कड़ी मेहनत की प्रशंसा की है तथा बेहतरीन उपलब्धि हासिल करने वाले विद्यार्थियों को आत्मबल , आत्मविश्वास बनाए रख कर आगे बढ़ने की सस्नेह शुभकामनाएं दी हैं। सभी ने विद्यार्थियों, विद्यालय के विकास के लिए ?हर सम्भव सहयोग सदैव देने का आश्वासन दिया है। प्राचार्य समीर चन्द्र प्रधान ने समस्त शिक्षक साथियों को बधाई देते हुए निरन्तर व्यावसायिक उपलब्धि हासिल करने की शुभकामनाएं दी हैं और छात्र छात्राओं को संतुष्ट न हो कर तत्काल सहज हो कर आगे की कक्षाओं की तैयारी करने की सलाह दी है।

उत्तर प्रदेश: प्रधानमंत्री मोदी की रैली को लेकर जिला प्रशासन हुआ अलर्ट

राधा कृष्णा

उत्तर प्रदेश: हमीरपुर राठ नगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 16 मई को चुनावी रैली को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट हो गया। गुरुवार को जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने भाजपाईयों के साथ हैलीपेड व सभास्थल का निरीक्षण किया। गुरुवार को जिलाधिकारी राहुल पांडेय पुलिस अधीक्षक दीक्षा शर्मा ने बीएनबी डिग्री कॉलेज व इंटर कालेज के मैदानों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रैली व हेलीपैड को लेकर विचार विमर्श किया।

जिलाध्यक्ष सुनील पाठक ने बताया 16 मई की शाम 4 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीएनवी इंटर कालेज के ग्राउंड पर जनसभा करेंगे। जिसको लेकर तैयारी चल रही है बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली में एक लाख से अधिक भीड़ आने की संभावना है जिसको लेकर वाहन पार्किंग सहित विभिन्न तैयारियां कर दी गई है। बीएनबी डिग्री कॉलेज की फील्ड पर हेलीपैड बनेंगे तथा इंटर कॉलेज की फील्ड पर विशाल जनसभा होगी। लोकसभा चुनाव प्रभारी संजय दुबे पारीछा, शैलेंद्र पांडेय, संतराम राजपूत, महेंद्र शुक्ला, प्रमोद वर्मा, मनोज गुप्ता, कृष्ण कुमार बंटी, जयशंकर त्रिपाठी, डॉ उमाकांत लोधी, अभिषेक तिवारी, नवेंद्र सिंह, धर्मेंद्र साहू, मनीष गौतम, डॉ इंद्रपाल सिंह, आदि रहे।

राजस्थान: स्काउट गाइड बेसिक कोर्स का मुंडवा में शुभारम्भ

मनोज कुमार चोरदिया

राजस्थान: राज्य भारत स्काउट व गाइड नागौर का जिला स्तरीय स्काउट, कब, गाइड, रेंजर यूनिट लीडर बेसिक कोर्स का शुभारंभ मारवाड़ मुंडवा स्थित श्री वागीश्वरी विद्या मंदिर में हुआ। स्काउट सीओ एम असफाक पँवार ने बताया कि 15 मई तक आयोजित शिविर में जिले के 65 स्काउट, 48 कब, 37 रेंजर,115 गाइड यूनिट लीडर सहित कुल 265 अध्यापक व अध्यापिकाएं विभिन्न स्कूलों से स्काउट गाइड का बेसिक प्रशिक्षण ले रहे हैं।

स्काउट बेसिक प्रशिक्षण का संचालन लीडर ट्रेनर स्काउट राजेंद्र प्रसाद आचार्य एवं राजेंद्र प्रसाद पारीक, कब यूनिट लीडर कोर्स का संचालन भंवर सिंह राठौड़, सुभाषचंद्र गाइड बेसिक प्रशिक्षण का संचालन संतोष शेखावत, अंजना शर्मा तथा रेंजर लीडर बेसिक प्रशिक्षण का संचालन मीनाक्षी भाटी कर रहे हैं। शिविर में रेंजर लीडर शिविर संचालिका व सीओ गाइड मीनाक्षी भाटी ने शिविर में शिविर संभागियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि बालक बालिकाओं में बाल्यकाल से ही संस्कार जरूरी है। स्काउट गाइड के माध्यम से बालक बालिकाओं में संस्कारों का बीजारोपण किया जाता है।

स्काउट गाइड समाज में रचनात्मक कार्य करते हुए अपनी विशिष्ट पहचान बनाये हुए है। लीडर ट्रेनर स्काउट राजेंद्र प्रसाद आचार्य ने प्रशिक्षण की जानकारी देते हुए संभागियों को बताया कि हमें स्वच्छ भारत एवं पर्यावरण सरंक्षण जैसे कार्यक्रमों में कंधे से कंधा मिला कर कार्य करना है ताकि अपने भविष्य को संवार कर मानव जीवन को उज्ज्वल बनाया जा सके।

लीडर ट्रेनर राजेंद्र प्रसाद पारीक ने बताया कि स्काउट गाइड जीवन जीने की कला सिखाता है तथा इसके माध्यम से विद्यालय में बेहतरीन कार्य किये जा रहे हैं। देश समाज में आपदाएं संकट के समय स्काउट गाइड सेवा कार्यों के लिये तैयार रहते हैं।

सीओ स्काउट्स पँवार ने बताया कि इस शिविर प्रशिक्षण लेने के बात ये शिक्षक अपने अपने विद्यालयों में स्काउट गाइड इकाई का गठन कर बालक बालिकाओं को जोड़ेंगे व उन्हें स्काउट गाइड की दीक्षा देकर समाज का एक उत्तरदायी नागरिक तैयार करने में अपना मार्गदर्शन देंगे। शिविर में गजेंद्र गेपाला, कानाराम रेगर, सत्यनारायण कच्छावा, धर्मा राम, भींवराज चांगल, हरिओम तिवारी, सुप्रिया गहलोत, डॉ पूजा शर्मा, निरमा, गायत्री कंसारा, विद्या चौधरी, ज्योति गेपाला आदि प्रशिक्षण केम्प में सेवाएं दे रहे हैं।

पंजाब: भूपिंद्रा ग्लोबल स्कूल में मदर्स डे प्रतियोगिता में रचनात्मकता का प्रदर्शन

किम्मी अरोड़ा

पंजाब: मातृ प्रेम और रचनात्मकता के उत्सव में, भूपिंद्रा ग्लोबल स्कूल के छात्रों ने मातृ दिवस के सम्मान में एक जीवंत प्रतियोगिता में भाग लिया। स्कूल के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की आकर्षक गतिविधियाँ शामिल थीं। जो छात्रों की प्रतिभा और उनकी माताओं के प्रति सराहना को प्रदर्शित करती थीं।

प्रतियोगिताओं का विषय तीसरी से पाँचवीं कक्षा के बच्चों की मानसिकता के अनुसार था, बच्चों को अपनी माताओं के लिए एक "सैश डिजाइन" करने के लिए कहा गया था और छठी से आठवीं कक्षा के लिए "सर्वश्रेष्ठ माँ प्रमाणपत्र" बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, नौवीं और दसवीं कक्षा के छात्रों की कविता उचारण प्रतियोगिता ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के लिए भाषण प्रतियोगिता थी। माहौल गर्मजोशी और उत्साह से भर गया था क्योंकि प्रतिभागियों ने प्रत्येक प्रस्तुति में अपना दिल लगा दिया था।

न्यायाधीश और शिक्षक, छात्रों द्वारा प्रदर्शित विचारशीलता और रचनात्मकता के स्तर से प्रभावित हुए। साथ ही माँ और बच्चों के बीच खास रिश्ते पर भी प्रकाश डाला गया। प्रिंसिपल सतबीर कौर साही ने छात्रों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सराहना की और अपने बच्चों के जीवन को आकार देने में माताओं की भूमिका को पहचानने और संजोने के महत्व पर जोर दिया। मातृ दिवस हर जगह माताओं के बिना शर्त प्यार और बलिदान का सम्मान और सराहना करने का समय है। स्कूल डाइरेक्टर श्रीमती लखबीर कौर ढींढसा ने बच्चों को उनके असाधारण प्रयासों के लिए शाबाशी दी और टिप्पणी की अपनी माताओं के प्रति हार्दिक श्रद्धा के लिए मुझे अपने छात्रों पर गर्व है।

महाराष्ट्र: छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करने वालों पर होगी कार्रवाही

स्वपनील पुनडलीक धनवेट

महाराष्ट्र: नासिक के नंदगांव शहर के शिवकन्या संगीता सोनवणे के नेतृत्व में शिव प्रेमियों ने मांग की है कि छत्रपति शिवाजी महाराज के चेहरे पर नरेंद्र मोदी का चेहरा लगाकर महाराज का अपमान करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। रिश्ता महाराष्ट्र से नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे से है।

जो देश के प्राण हैं, हिंदू स्वराज्य के संस्थापक हैं, जो हमारे सम्मान और गौरव हैं, श्री छत्रपति शिवाजी महाराज क्या हैं? दुनिया का कोई भी व्यक्ति छत्रपति शिवाजी महाराज हैइसके चलते फेसबुक यूजर विवेक त्रिवेदी और उनकी टूर कंपनी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाए, अन्यथा कड़ा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा, ऐसा बयान नंदगांव पुलिस स्टेशन के ठाणे आयुक्त राजू मोरे को दिया गया है।

मध्य प्रदेश: मतदाता जागरूकता एवं सत प्रतिशत मतदान के लिए निकाली मशाल रैली

तिरुपति पांडे

मध्य प्रदेश: आगामी 13 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के मध्य नजर रखते हुए 7% मतदान करने हेतु एवं मतदाताओं को जागरूक करने हेतु विशाल मशाल रैली निकाली गई। जो सुभाष चौक से शुरू होकर मोरटक्का चौराहा माता चौक बस स्टैंड होते हुए नगर पालिका में संपन्न हुई। जिसमें बोहरा समाज अपने बुरहानी स्काउट बैंड बाजे के साथ शामिल था।

जिसमें मतदाताओ को अपने वोट का महत्व बताते हुए मतदान अधिक से अधिक करने के लिए प्रेरित किया गया इस रैली में नगर पालिका सनावद राजस्व विभाग महिला बाल विकास की महिलाएं शामिल थी।

महाराष्ट्र: जिला बाल विकास अधिकारी के सहयोग से बाल विवाह रोकने में मिली सफलता

स्वपनील पुनडलीक धनवेट

महाराष्ट्र: बाल कल्याण अधिकारी आम्रपाली बोर्डे ने आज कृष्ण मंगल कार्यालय, बिडकिन, पोहेको/साल्वे बी.नं.138, पोहेको/671 मगर में एक नाबालिग लड़की के बाल विवाह की जानकारी दी। नितेश धुर्वे, श्रीकृष्ण मंगल कार्यालय बिडकिनचूँकि उसकी शादी पथरदाता जिला, नेवासा जिला, अहमदनगर के एक लड़के से हो रही है।

नाबालिग लड़की के माता-पिता, पति का बेटा और उसके माता-पिता, उक्त नाबालिग लड़की 18 वर्ष से कम उम्र की है और उक्त नाबालिग लड़की की शादी नहीं की जानी चाहिए जब तक वह 18 वर्ष की नहीं हो जाती है और उक्त नाबालिग लड़की 18 वर्ष की हो जाती है, यदि आप 18 वर्ष से पहले शादी करते हैं तो आपके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पति पुत्र के साथ-साथ उसके माता-पिता भी समझते हैं कि उक्त नाबालिग लड़की की उम्र 18 वर्ष से कम है और जब तक वह 18 वर्ष की नहीं हो जाती, तब तक उसे उक्त नाबालिग लड़की से शादी नहीं करनी चाहिए और यदि वह 18 वर्ष की आयु से पहले उक्त नाबालिग लड़की से शादी करता है।

साल, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बिडकिन पुलिस ने लड़की के माता-पिता को 18 वर्ष की आयु पूरी होने तक लड़की की शादी नहीं करने की समझाइश देकर जिला बाल विकास अधिकारी की मदद से बाल विवाह को रोकने में सफलता हासिल की।

एक नजर

उत्तरप्रदेश: गोरखपुर क्षेत्र बासगांव से जिलाधिकारी पहुंचे कार्यालय

चरनजीव विश्वकर्मा/उत्तरप्रदेश: गोरखपुर के क्षेत्र बासगांव से लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के उमीदवार कमलेश पासवान नामांकन दाखिल के लिए जिलाअधिकारी कार्यालय पहुचे तीन बार से लगातार इतिहासिक जीत हासिल करने के बाद पुनः चौथी बार लोकसभा उमीदवार प्रत्याशी बने और पार्टी कार्यकर्ता में बेहद खुशी की लहर देकने को मिली उनका काफिला उनके आवास वी. आर. डी मेडिकल कालेज उत्तरी गेट गोरखपुर से होते हुए असुरन चौक से धर्मशाला ओवर ब्रिज के रास्ते होते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पंहुचे।

कार्यकर्ता द्वारा भवेय स्वागत किया गया जनता का कहना है इस बार 400 के पार फिर से मोदी सरकार वही दूसरी तरफ सपा की उमीदवार काजल निषाद गठबंधन कर के अपने जीत की उम्मीद लेकर नामांकन दाखिल करने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंची उनके कार्यकर्ता के बीच खुशी की लहर देखने को मिली और दोनों पार्टियां आमने सामने दिखी लेकिन पुलिस प्रसाशन द्वारा शांति पूर्वक नामांकन दाखिल किया गया।

मध्य प्रदेश: विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई

तिरुपति पांडे/मध्य प्रदेश: विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के तत्वावधान में शुक्रवार को मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली नगर के प्रमुख मार्गों और चौराहों से गुजरी। कार्यकताओं ने नागरिकों को शत प्रतिशत मतदान हेतु संकल्प पत्र वितरित किए और 13 मई को शत प्रतिशत मतदान करने का संकल्प दिलाया।

विहिप के दिलीप सकारोदिया और जितेंद्र राठौर ने कहा कि मतदान की शक्ति से ही पांच सौ वर्षों के संघर्ष के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ,धारा 370 का अंत हुआ। विदेशों में भारत का मान बढ़ा,आतंकवाद और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा। लेकिन अभी समान नागरिक संहिता कानून,मथुरा,काशी और भोजशाला जैसे कार्य बाकी हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक को अपने मत का प्रयोग अवश्य करना है। रैली में राजा चौरसिया,नितिन करड़क,धर्मेंद्रसिंह पवार,राजेंद्र ठाकुर,अमित यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राजस्थान: जिला कलक्टर ने खींवसर के पदमसर चौराहा पर निमार्णाधीन फ्लाईओवर का किया निरीक्षण

मनोज कुमार चोरदिया/राजस्थान: नागौर जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने शुक्रवार को खींवसर के पदमसर चौराहा पर निमार्णाधीन फ्लाईओवर का निरीक्षण किया। जिला कलक्टर पुरोहित ने खींवसर में निमार्णाधीन फ्लाईओवर के लगातार ग्रामीणों का भूमि अधिग्रहण को लेकर दिए जा रहे ज्ञापन के संबंध में मौका निरीक्षण किया गया।

और सम्बंधितों को निस्तारित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम खींवसर हरिसिंह शेखावत, तहसीलदार महेन्द्र सिंह मुवाल अधिशाषी अभियंता एनएच राहुल पंवार, सहायक अभियंता डालाराम उपस्थित रहे।

राजस्थान: जीएलआर बनी को 6 साल हो गए लेकिन अभी तक नही जुड़ी पाइप लाइन

प्रदीप कुमार/राजस्थान: रासला पंचायत के राजस्व ग्राम सांवता के अचल सिंह की ढाणी में जीएलआर बनी हुई को 6 साल हो गए हे ।जिसको आज तक पाइप लाइन से नही जोड़ा गया है। ढाणी वासियों ने कई बार संबधित विभाग के उच्चाधिकारियों को भी अवगत करवाया लेकिन उनकी ओर से इस और ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

स्थानीय निवासियों जोगराजसिंह भाटी ने बताया हे की जीएलआर बनने के बाद आज तक इनको पाइप लाइन से नही जोड़ा गया है ।जिसकी वजह से हम भारी दाम देकर पानी के टैंकर मंगवाते हैं। महज एक टैंकर की कीमत 1200 है ।एक पानी का टैंकर हमारे 4 दिन भी नही होता हे।

हम हमारी भी प्यास बुझाते हैं और हमारी ढाणी के पास अन्य कोई जल का स्त्रोत न होने के कारण हम अपने मवेशी को पानी घर पर ही पिलाते हैं। संबधित विभाग से निवेदन है कि हमारी ढाणी के बाशिंदों की इस भयंकर गर्मी के मौसम में इस समस्या को मध्यनजर रखते हुए तुरंत जीएलआर को पाइप लाइन से जोड़ा जावे।ओर जब तक पाइप लाइन का कार्य शुरू होकर हमारी ढाणी तक न पहुंचे तब तक हमारी ढाणी में संबधित विभाग पानी के टैंकर भिजवा कर हम ढाणी वासियों को इस गर्मी के मौसम में पेयजल की समस्या से राहत प्रदान करवाए

राजस्थान: प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न, गाजे-बाजे के साथ मन्दिर में बिराजे बाबा रामदेव

फौजा राम

राजस्थान: जालोर जिले के भीनमाल शहर के पुराने जुंजाणी बस स्टैंड पर मेघवाल समाज रामदेव सेवा संस्थान हवेली पटटी द्वारा नव निर्मित बाबा रामदेवजी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा शुक्रवार को हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। चार दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव अंतिम दिन सुबह तोरण वंदना, मूर्ति विराजमान, मुख्य कलश स्थापना, दण्ड व ध्वजारोहण, स्वागत सभा का आयोजन हुआ।

शुक्रवार को सुबह शुभ मुहूर्त में ढोल नगाड़े, बैंड की स्वर व गाजे बाजे के साथ नवनिर्मित मन्दिर में बाबा रामदेव महाराज की मूर्ति स्थापित की गई। बाबा के भक्तो ने जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय किया। वही मंदिर शिखर पर जैसे ही कलश की स्थापना हुई तो उपस्थित श्रद्धालुओं ने बाबा रामदेव के जयकारे लगाए। मंदिर परिसर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारे लगी रही। फले चुन्दडी आयोजन में भीनमाल सहित आसपास के 24 गांवों के मेघवाल समाज के लोगों ने भाग लिया।

साधु संतों का रहा सानिध्य

मेघवाल समाज रामदेव सेवा समिति हवेली पट्टी की ओर से नवनिर्मित बाबा रामदेव जी के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर पीर बालकनाथ महाराज, ढालोप, महंत शंभूनाथ महाराज सैलानी चंचल प्राग मठ बाड़मेर, गणेशनाथ महाराज शिवनाथ आश्रम सांचौर, शिवनाथ महाराज रामचंद्र आश्रम मंडार, संत दयालदास साहेब सहेज ध्यान आश्रम आबूरोड आदि संत महात्माओ के सानिध्य में भव्य प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया।

देर रात तक भजनों की बही सरिता, झूमे श्रोता

मीडिया प्रभारी फौजाराम मेघवाल ने बताया कि मेघवाल समाज की ओर से बाबा रामदेव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर पूर्व संध्या पर भजन संध्या का आयोजन हुआ जिसमें बाबा रामदेव के एक से बढ़कर एक मधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई। भजन संध्या में सुप्रसिद्ध गायक अनिल नागौरी व ललिता पंवार एण्ड पार्टी की ओर से एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतीयां दी गई। बाबा के मधुर भजनों से पूरे वातावरण को भक्तिमय से श्रोताओ को झूमने पर मजबूर वही नृत्य कलाकर प्रेम बाड़मेर ने शानदार नृत्य प्रस्तुत कर वाहवाही लूटने पर भक्तो को मजबूर किया। इस दौरान भक्ति गीतों पर लोगों ने नृत्य भी किया। भजन संध्या में भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। प्रतिष्ठा महोत्सव के अन्तिम दिन फले चुंनडी का आयोजन हुआ जिसमें लोगो ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

मुख्य सचेतक मंत्री व जनप्रतिनिधियो ने की शिरकत

प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, भीनमाल विधायक डॉ.समरजीत सिंह,पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल, पूर्व विधायक पूराराम चौधरी, पूर्व विधानसभा प्रत्यासी रमिला मेघवाल, पूर्व प्रधान पूजाराम मेघवाल, कांग्रेस अध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल सहित जनप्रतिनिधि व मेघवाल समाज के बडी संख्या में लोग मौजूद रहे।

परशुराम जन्मोत्सव कलश के साथ निकलेगी भव्य शोभायात्रा

प्रदीप शर्मा

राजस्थान: गोलाकाबांस अक्षय तृतीया पर आज शुक्रवार को गोलाकाबास क्षेत्र में भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा। रितीक शर्मा ने मिडिया कर्मी नागपाल शर्मा को वाट्सएप द्वारा बताया कि परशुराम जन्मोत्सव समारोह के अवसर पर 101 कलशों की यात्रा निकाली जाएगी।

यात्रा भगवान परशुराम की सजीव झांकी के साथ डी जे व बैंड, के साथ सभी विप्र परिवार के सदस्यों की सहभागिता के साथ प्रातः 07 बजे प्राचीन खेड़ा वाले हनुमान मंदिर से परशुराम का जत्था रवाना हो कर नगर परिक्रमा करके प्राचीन खेड़ा हनुमान मंदिर पर लौटेगी।उस दौरान जगह जगह पुष्प वर्षा कर भगवान परशुराम की पूजा अर्चना कर विप्र बंधुओं का स्वागत-सत्कार किया जाएगा। जगह-जगह ठंडे मीठे शरबत पानी की व्यवस्था की जाएगी।

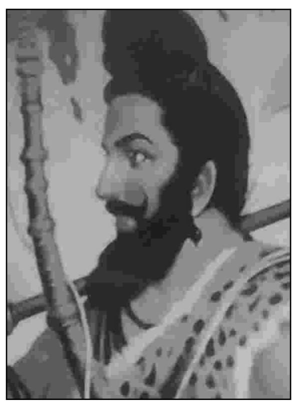

उतर प्रदेश: जनपद मीरजापुर स्प्रिंग होटल में भगवान परशुराम की मनाई गई धूमधाम से जयंती

सूरज मौर्या

उत्तर प्रदेश: जनपद मीरजापुर स्प्रिंग होटल में भगवान परशुराम की मनाई गई जयंती और विष्णु के छठे अवतार अन्याय के संहारक भगवान परशुराम ब्राह्मण के अराध्य देव हैं भगवान परशुराम का संपूर्ण जीवन अध्यात्म और सनातन धर्म की स्थापना के लिए हुआ था।

अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर उक्त विचार आदरणीय पंडित भवदेव पांडेय जी मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किया कार्यक्रम की शुरूआत नगर विधायक रत्नाकर मिश्रा और संस्था के अध्यक्ष शेषमणि चौबे संरक्षक डाक्टर सचिंद्र नाथ पाठक महासचिव राजेंद्र प्रसाद पांडेय मंडल अध्यक्ष तथा अन्य पदाधिकारियों द्वारा भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण कर तथा धूपबत्ती मिस्ठान चढ़ा कर विधवत मंत्रोउच्चारण के साथ विधि विधान से पूजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूवात पंडित गंगा सागर दुबे जी ने कहा कि ब्राह्मण समाज सुरु से ही मार्ग दर्शक रहा है पर्थ प्रदर्शक रहा है ब्राह्मण समाज के अंदर कुछ कुरीतिया पनप रही है उसको समाप्त करना होगा आशीर्वाद वचन नगर विधायक जी ने दिया टर्निंग इंडिया के संपादक पंडित कैलाश पति त्रिपाठी, पंडित रमेश चंद्र ओझा, पंडित राजेंद्र तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त किया कार्यकर्म का संचालन पंडित विष्णु मालवीय तथा आए हुए अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन पंडित नरेश चंद्र शर्मा ने किया इस अवसर पर श्याम दत्त पाण्डेय, दिनेश शुक्ला, महेंद्र शुक्ला, अमरेश मिश्रा, राजपति ओझा, चन्दन पाठक, अखिलेश ओझा, इत्यादि सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश: प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ने कहा देश को स्वच्छ रखने के लिए आगे आना होगा

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेश: प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय पोरसा के मुख्य सेवा केंद्र पर आज अपने देश को स्वच्छ रखने के लिए बीके रेखा ने बताया हमें अपने देश को स्वच्छ रखने के लिए आगे आना होगा हम सिर्फ अब तक अपने घर की सफाई करते रहे हैं और अपने देश की ओर हमारा ध्यान नहीं गया है कई लोग तो घर को भी व्यवस्थित नहीं रखते हैं।

जब घर व्यवस्थित तरीके से नहीं होगा तो हमारा मन भी व्यवस्थित नहीं होगा जितना हम घर को सेट रखेंगे अर्थात स्वच्छ रखेंगे व्यवस्थित रखेंगे तो हम अपने मन को भी साफ सुथरा रख सकेंगे और अपने देश को साफ सुथरा रखने की बात सभी के आगे रख सकते हैं लेकिन सबसे पहले हमें अपने आसपास के क्षेत्र से शुरूआत करनी होगी अपने आसपास की गलियों से करनी होगी हम सभी को यह संदेश जन जन तक पहुंचाना है। स्वच्छता को अपने मन मे बसा लेना है स्वच्छता तन, की स्वच्छता धन की स्वच्छता मन की अर्थात जहां स्वच्छता है वहां ईश्वर होते है क्योंकि कहते हैं जिनके दिल साफ है उनका व्यवहार सभी को पसंद आता है और यह भी कहते हैं हम सुनते आए हैं कि जहां स्वच्छता होती है वहां भगवान रहते हैं तो भगवान को अगर आप चाहते हैं आपके मन में रहे आपके हृदय में रहे तो आप अवश्य ही स्वच्छता के गुण को धारण करें।

मुख्य रूप से उपस्थित रहे भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष रामकुमार गुप्ता, समाज सेवक जसराम गुप्ता, राम प्रकाश गुप्ता, सुलभ गुप्ता, मंसाराम जाटव, सूरज तोमर, राम शाह, केशव गुप्ता, राम रतन राठौर, सचिन, बिना तोमर सैकड़ो माता, बहन उपस्थित रही।

राजस्थान: गनोड़ा में परशुराम जन्मोत्सव का हुआ आयोजन

पंडीत व्यास

राजस्थान: गनोड़ा में परशुराम जन्मोत्सव का आयोजन किया गया गनोड़ा श्रीगोद समाज के द्वारा भगवान श्री परशु राम जी की जाकी निकली गई जिसमें समस्त श्रीगोद भ्रमण, ओडिचय भ्रमन, मेवाड़ा भ्रमन, शर्मा भ्रमन, उपस्थित रहे जहां, श्री कमलेश जी शास्त्री खड़कदा वालो को गनोड़ा श्रीगोद समाज ने कथा वाचक के लिए सम्मान पूर्वक गनोड़ा में बुलाया जहां कमलेश शास्त्री ने अपने सरल और शुद्ध शब्दो से श्रीगोद समाज को संबोधित किया तथा वही दूसरे और श्रद्धा पूर्व आनंद के साथ परशु राम जी की जाकी निकली गई।

जो श्रीगोद समाज गायत्री मंदिर से होके पीपली चोक से रावला राजपूत मोहला से होते हुए जेन मंदिर होके गनोड़ा पुराण बस्टेंड से होते हुए गनोड़ा नए बसटेंड होते हुए वापस श्रीगोद समाज नोहरे में पहुचे जहां श्री कमलेश जी शास्त्री ने कथावाचक करके परशु राम जी का गुण गान किया जहां करीब 4 घंटे कथा वाचन का कार्य चला वही सारे भक्त गण कुछ समय उपान्त परशु राम जी का महा प्रसाद लेकर अपने अपने गर प्रस्थान कर गए।

विप्र सेना श्रीगौड़ समाज के महानुभाव मौजुद रहे जिनका नाम कुछ इस प्रकार है वह 1 तहसील अध्यश उमेश जोशी, युवा अध्यश गन्नशाम गरासिया, उपाध्यश अरविंद त्रिवेदी, महा मंत्री हसमुख व्यास, मंत्री दर्शित व्यास और समाचार संवादाता पंडित व्यास तथा समस्त श्रीगौड़ समाज के मान न्या अतिथि गण मोजूद रहे।

हरियाणा: अम्बेडकर युवा समिति ने शोषित समाज के बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा देने का उठाया सराहनीय कदम

बीरडी चंद गोठवाल

हरियाणा: आज सावित्री बाई फुले ज्योतिबा फुले व डॉ अम्बेडकर के कारवां को आगे बढ़ाते हुए क्षेत्र के गांव बास किरारोद उमराबाद में डाक्टर भीमराव अम्बेडकर युवा समिति ने ग्रामीणों के सहयोग से शोषित और पिछड़े समाज के बच्चों को निशुल्क शिक्षा देने की पहल कर-के ग्रामीण क्षेत्र में एक मिशाल कायम की है। गत वीरवार को अम्बेडकर भवन में आरम्भ किए गए निशुल्क बाल कोचिंग सेंटर का अपराध नियंत्रण एवं सुधार संगठन के टीम आफिसर एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के प्रमुख सलाहकार बिरदी चंद गोठवाल के कर कमलों द्वारा रिबन काट कर शुभारंभ किया और इस पुण्य कार्य में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

युवा समिति के प्रमुख सलाहकार गोठवाल ने बताया कि इस गांव में अनुसूचित जाति के अधिकतर परिवार शोषित और पिछड़ेपन के कारण वित्तीय संसाधनों के अभाव में अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा मुहैया कराने में विवश हैं जिससे उनके बच्चों का भविष्य अंधकारमय है। शिक्षा मानव समाज के विकास व प्रगति और बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा ही हमारे समाज में विवेक, ज्ञान, समझ और समर्पण की भावना को विकसित कर बच्चों का उज्जवल भविष्य बनाती है। युवा वर्ग के मार्गदर्शक, प्रमुख समाजसेवी एवं भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व मैनेजर चौधरी फूल सिंह महायच ने बताया कि युवा समिति का शोषित और पिछड़े समाज के बच्चों को निशुल्क शिक्षा देना एक सराहनीय कदम है।

कोचिंग सेंटर में 34 बच्चों का दाखिला हो चुका है जिनको मौके पर पाठ्य सामग्री वितरित की गई। शिक्षा मानव विकास की मूलभूत आवश्यकता है और शिक्षा सभी क्षेत्रों में समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है। युवा समिति के प्रधान अनिल महायच, उप प्रधान यशपाल चौहान, महासचिव मैनपाल महायच व कोषाध्यक्ष संजय इंदौरा आदि ने बताया कि शोषित और पिछड़े वर्ग के बच्चों को शिक्षा देने के लिए सिहार निवासी अध्यापिका पूजा यादव को पार्ट टाइम नियुक्त किया गया है और हमारी युवा समिति प्रमुख समाजसेवी एवं भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व मैनेजर चौधरी फूलसिंह महायच, युवा समिति के प्रमुख सलाहकार बिरदी चंद गोठवाल व सरपंच सुनिल सैनी के मार्गदर्शन व ग्रामीणों के सहयोग से जनकल्याणकारी कार्यों व शिक्षा के क्षेत्र में शोषित और पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए अपनी अहम भूमिका निभाती रहेगी। समिति के प्रधान अनिल महायच व महासचिव मैनपाल द्वारा इस पुण्य कार्य में सहयोग करने के लिए उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर संघर्ष समिति के सचिव सुमेर सिंह गोठवाल, ब्लाक सचिव हजारीलाल खटावला, नरेंद्र उर्फ चंदू इंदौरा, प्रदीप महायच, संदीप बबेरवाल, डेलीगेट महेंद्र महायच, अरूण इंदौरा, प्रमुख समाजसेवी कृष्णा देवी, विमला, ज्योति पंच, ज्ञानादेवी, पूजा, संतोष, बिरमा देवी, ओमप्रकाश महायच, तोताराम इंदौरा, भगवान सिंह, सुरेश कुमार, बलबीर सिंह, प्रेमदास, संतलाल, नवीन इंदौरा, कृष्ण महायच, जोगेंद्र पंच, सुभाष इंदौरा, मनोज महायच, साहिल चौहान, दयानंद इंदौरा, संतोष इंदौरा, सदाराम महायच आदि अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

राजस्थान: अक्षय तृतीया पर जगन्नाथ मंदिर पर श्रृंगार कर की पूजा अर्चना

प्रदीप शर्मा/राजस्थान: राजगढ़ कस्बे के चौपड़ बाजार स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में आज अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु साक्षी गोपाल मदन मोहन महाराज लड्डू गोपाल जी और खाटू श्याम बाबा को आकर्षक चंदन में श्रृंगार किया गया।

मंदिर महन्त एडवोकेट मदन मोहन शास्त्री ने मीडिया कर्मी नागपाल शर्मा को वाट्सएप द्वारा बताया कि वर्ष में अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर भगवान को आकर्षक चंदन में श्रृंगार से सजाया जाता है।

अक्षय तृतीया के दिन ही केदारनाथ में भगवान शंकर के पट खुलते हैं और जमद अग्नि के पुत्र परशुराम जो भगवान नारायण के छठे अवतार के रूप में धरती पर अवतरित हुए थे उनका भी जन्मोत्सव मनाया जाता है। मंदिर में सुबह से ही भक्तों ने आकर भगवान जगन्नाथ जी महाराज के चंदन में श्रृंगार के दर्शन किए और मन्नतें मांगी इस मौके पर मंदिर में सैकड़ो भक्तों ने आकर भगवान के इस चंदन में झांकी के दर्शन किए और दर्शन लाभ प्राप्त किया।

कपासन संगठन और बुथ कमेटी की बैठक करेंगे, एवं घर घर दस्तक देकर कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र को आमजन तक पहुंचाएंगे

गजेन्द्र सिंह/राजस्थान: अखिल भारतीय कांग्रेस द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के पारिवारिक गढ़ अमेठी मे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा वरिष्ठ पर्यवेक्षक लगाया गया के कांग्रेस पार्टी के प्रचार प्रसार अभियान को मजबूत करने के पार्टी के जनप्रतिनिधियों को अमेठी में जिम्मा सौंपा है। जिसमे राजस्थान के पूर्व राज्यमंत्री सुरेंदसिंह जाड़ावत को शीघ्र अमेठी पहुंचने के निर्देश दिए है जो की स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओ के साथ जमीनी रणनीति से सियासी माहौल बनाने तक का काम करेगे. संगठन और बूथ कमेटी की बैठक करेगे एवं घर-घर दस्तक देकर कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र को आमजन तक पहुंचाएंगे। प्रवक्ता नवरतन जीनगर ने बताया की पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर अमेठी से कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार केएल शर्मा के प्रचार प्रसार के लिए रविवार प्रातः पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत अमेठी के लिए रवाना होंगे एवं स्थानीय कार्यकताओं को प्रेरित करेंगे और चुनाव लड़ने का उनका अनुभव हाई-प्रोफाइल सीटों पर अभियान के प्रबंधन में काम आएगा पुर्व राज्यमंत्री सुरेन्द्र सिंह जाडावत कल सुबह होगे अमेठी के लिए रवाना।

उत्तर प्रदेश: जिले में मनाई गई भगवान श्री परशुराम जी की जयंती

कुंवर तरुण सिंह/उत्तर प्रदेश: भगवान श्री परशुराम जी की जयंती के शुभ अवसर पर शिवसेना की पूरी टीम के द्वारा रामपुर थाना एस एचओ नरेंद्र कुमार शर्मा जी को परशुराम चित्र भेंट करते हुए । भगवान एस एचओ साहब जी के जीवन में अनेकों तरक्की प्रदान कर व उनके परिवार पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखें।

जय श्री राम चित्र भेंट करते उपस्थित पदाधिकारी गण दिनेश शर्मा मंडल सचिव सोनू तोमर जिला प्रमुख शिवकुमार सक्सेना जिला महासचिव नमन जैन जिला कोश प्रमुख विजेंद्र सेवई जिला सचिव सागर पवार ब्लॉक प्रमुख विकास करी जिला प्रमुख मोहित केशव तहसील सचिव शिवसागर तहसील प्रमुख श्याम कुमार ग्राम घाटेडा अशोक जैन उद्धव कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

सोनीपत लोकसभा क्षेत्र के गन्नोर में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने रोड शो एवं विशाल विजय संकल्प रैली को किया संबोधित

प्रमोद कुमार बंसल/हरियाना: कोटपूतली से भाजपा कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव प्रचार में हरियाणा पहुँचे। भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा की सोनीपत लोकसभा सीट के चुनाव प्रचार में कोटपूतली से कार्यकताओं की टीम पहुँची। आज हरियाणा लोकसभा के सोनीपत सीट के प्रचार में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर गन्नोर के मुख्य बाजार में रोड शौ एवं विशाल विजय संकल्प रैली को संबोधित करने पहुँचे।

मनोहर लाल खट्टर ने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए अबकी बार 400 पार का नारा देते हुए सोनीपत लोकसभा सीट के प्रत्याशी पंडित मोहनलाल बडौली को अधिक से अधिक मतों से विजयी बनाने का संकल्प दिलाया। अबकी बार तीसरी बार नरेंद्र मोदी को देश का प्रधानमंत्री बनाकर देश हित में मतदान की अपील की। सोनीपत लोकसभा क्षेत्र में गन्नौर, राय, खरखौदा, सोनीपत, गोहाना, बडौदा, जुलाना, सफीदों व जींद विधानसभा सीटें आती है। राजस्थान भाजपा प्रदेश कार्यालय सें हरियाणा लोकसभा चुनाव प्रचार में अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र के विधायक, लोकसभा प्रत्याक्षीयों, जिला पदाधिकारीयों, पार्षदों एवं कार्यकताओं की ड्यूटी लगाई गई है।

संपादकीय

अदानी-अंबानी पर मोदी और फंसे

लोकसभा के इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जहां एक ओर अत्यंत गरिमाहीन व अमर्यादित भाषण दे रहे हैं, वहीं उनके बयान एकदम तथ्यहीन भी होते हैं जो देश के लिये आश्चर्य कम और झटके अधिक साबित हो रहे हैं। वैसे तो श्री मोदी जब से देश के राजनीतिक क्षितिज पर उभरे हैं, अपने वक्तव्यों से वे झूठ के अंबार खड़े कर रहे हैं। दो कार्यकाल के जरिये दस साल का शासन लगभग पूरे कर चुके प्रधानमंत्री ने जितने असत्य व अर्द्ध सत्य कहे हैं, उसकी चाहे जितनी बड़ी फेहरिस्त बना ली जाये, कई झूठ छूट ही जायेंगे। कई लोगों का मानना है कि तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के लिये अति व्यग्र मोदी तीन चरण के हो चुके मतदान के बाद अपनी साफ दिखती पराजय से इतने खौफ खाये बैठे हैं कि उन्होंने लोगों को प्रभावित करने के लिये अपने भाषणों में झूठ का तड़का बढ़ा दिया है। हालांकि उसकी मात्रा कुछ ऐसी ज्यादा हो चली है कि अब ये भाषण बेस्वाद व कड़ुए हो चले हैं।

विपक्ष, खासकर कांग्रेस पर वे अधिक हमलावर होते हैं। 'कांग्रेस मुक्त भारत' के नारे के साथ दिल्ली की गद्दी पर 2014 में विराजमान हुए मोदी ने 2019 में कहीं बड़ा बहुमत हासिल किया था। इससे ताकतवर बने मोदी के सामने अब बड़ा लक्ष्य था 'विपक्ष मुक्त भारत' बनाने का जिसके लिये भारतीय जनता पार्टी ने तमाम अनैतिक उपाय किये। इनमें विरोधी दलों की सरकारों को गिराने से लेकर विपक्षियों को डरा-धमकाकर या खरीदकर अपने खेमे में लाना शामिल था। उन्हें भी भाजपा में शामिल किया गया जिन पर उसकी ओर से भ्रष्टाचार या परिवारवाद के आरोप लगाये जाते रहे हैं। इसकी भी बहुत बड़ी सूची है। इस 'ऑपरेशन लोटस' के चलते देश का संघीय ढांचा ही नहीं वरन पूरी की पूरी लोकतांत्रिक प्रणाली ही ध्वस्त कर दी गई। विपक्ष के कमजोर होने से मोदी सतत मजबूत होते चले गये। उन्होंने खुद को एकमात्र विकल्प बनाये रखने के लिये प्रतिपक्ष के साथ ही खुद की पार्टी को भी अपनी मुठ्ठी में कर लिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भी उनके सामने एक नहीं चलती, जिसके कार्यकर्ता के रूप में खुद उनका सार्वजनिक जीवन शुरू हुआ था।

दूसरी ओर दस वर्षों में देश की संसद के साथ सभी संवैधानिक संस्थाओं को किस कदर कमजोर कर दिया गया- यह हर कोई देख रहा है। सारे फैसले चुनिंदा लोगों के हित में लिये जा रहे हैं। देश के सार्वजनिक उपक्रम कौड़ियों के मोल प्रधानमंत्री के कारोबारी मित्रों के नाम चढ़ चुके हैं। प्रतिरोध की आवाजें उठनी ही बन्द हो गई थीं। विरोधी सांसदों समेत अपने खिलाफ उठने वाली हर आवाज को मोदी कुचलते चले गये। संसद के भीतर जनविरोधी फैसले कभी विरोधियों की अनुपस्थिति में तो कभी बिना चर्चा के, कभी अध्यादेशों के द्वारा या फिर सामान्य आदेशों के माध्यम से लिये गये। सभी राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक शक्तियां नरेंद्र मोदी ने अपनी जेबों में डाल दी हैं।

एक ही मुखड़े पर अटके मोदी के सुर

> देश में सात चरणों में हो रहे मतदान में तीन चरण पूरे हो चुके हैं और अब बचे चार चरणों के लिए राजनैतिक दलों के प्रचार जोरों पर हैं। दूसरे चरण के मतदान 26 अप्रैल को हुए थे और तीसरे चरण के 11 दिन बाद 7 मई को, इन 10-11 दिनों के अंतराल में राजनैतिक घटनाक्रम में तेजी से बदलाव आए। कांग्रेस ने अमेठी और रायबरेली सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी।

-सर्वमित्रा सुरजन-

भाजपा और इंडिया गठबंधन के बीच हो रहे मुकाबले में अब तक बसपा किसी के साथ नहीं थी, लेकिन मंगलवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने अचानक अपने उत्तराधिकारी और पार्टी संयोजक आकाश आनंद को उनके दायित्वों से मुक्त कर दिया। मायावती ने आकाश आनंद की अपरिपक्व बताते हुए यह फैसला लिया। जबकि इस बार आकाश आनंद का बसपा के लिए प्रचार काफी सुर्खियां बटोर रहा था।

देश में सात चरणों में हो रहे मतदान में तीन चरण पूरे हो चुके हैं और अब बचे चार चरणों के लिए राजनैतिक दलों के प्रचार जोरों पर हैं। दूसरे चरण के मतदान 26 अप्रैल को हुए थे और तीसरे चरण के 11 दिन बाद 7 मई को, इन 10-11 दिनों के अंतराल में राजनैतिक घटनाक्रम में तेजी से बदलाव आए। कांग्रेस ने अमेठी और रायबरेली सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। राहुल गांधी एक बार फिर से उत्तरप्रदेश से उम्मीदवारी के लिए तैयार हुए। कांग्रेस ने उन्हें अपनी मां सोनिया गांधी की संसदीय सीट को संभालने का जिम्मा सौंपा है, वहीं उनकी पहले की सीट अमेठी से कांग्रेस ने इस बार गांधी परिवार के नजदीकी के एल शर्मा को खड़ा किया है। प्रियंका गांधी अपने भाई राहुल और राजनैतिक सहयोगी के एल शर्मा के लिए जमकर प्रचार कर रही हैं। बीते सोमवार 6 मई से प्रियंका अमेठी और रायबरेली में हैं और 18 मई तक उनका यहीं रहने का इरादा है। 20 मई को पांचवे चरण के मतदान में अमेठी और रायबरेली की सीटें भी शुमार हैं। कांग्रेस इस बार अपनी इन दोनों सीटों को फिर से हासिल करने की तैयारी में है। भाजपा को उम्मीद नहीं थी कि कांग्रेस उत्तरप्रदेश में कुछ ऐसा दांव खेल जाएगी, क्योंकि भाजपा ने अमेठी को अपने लिए सुरक्षित सीट मान लिया था और सोनिया गांधी की गैरमौजूदगी में रायबरेली पर भी कब्जा करने की तैयारी उसकी थी। लेकिन कांग्रेस ने एक तीर से इस बार कई शिकार कर लिए। राजनैतिक विश्लेषकों का मानना है कि अमेठी में स्मृति ईरानी के लिए अब जीतना कठिन हो गया है और हारने पर उनके सियासी भविष्य के लिए संकट होगा, क्योंकि जनता के बीच संदेश जाएगा कि वे कांग्रेस के एक साधारण कार्यकर्ता से हार गईं। वहीं रायबरेली से भी अगर राहुल गांधी की जीत होती है तो फिर वे वायनाड या रायबरेली किसी एक सीट को छोड़ सकते हैं और मुमकिन है उसके उपचुनाव में प्रियंका गांधी को खड़ा कर दिया जाए।

इस तरह कांग्रेस के लिए हर तरफ से जीत है, जबकि भाजपा के लिए इसमें नुकसान है। अमेठी में कांग्रेस के पक्ष में बन रहे इस माहौल के बीच ही रविवार रात कांग्रेस कार्यालय के बाहर खड़ी गाड़ियों में तोड़-फोड़ की गई और कुछ लोगों को चोट भी पहुंचाई गई है। यह कृत्य किसका है, फिलहाल इसकी जांच ही चल रही है, लेकिन अमेठी में इससे पहले कभी इस तरह चुनावों के वक्त किसी राजनैतिक दल पर हमले की घटनाएं नहीं हुई हैं। इस बार क्यों हुई हैं, यह विचारणीय है। अमेठी और रायबरेली में कांग्रेस की बढ़त बनाने की रणनीति के साथ-साथ हरियाणा से भी भाजपा के लिए अच्छी खबर नहीं आई। वहां तीन निर्दलीय विधायकों दादरी से सोमबीर सांगवान, पुंडरी से रणधीर गोलन और धर्मपाल गोंधर ने कांग्रेस को समर्थन देने का फैसला किया और भाजपा की सरकार से हाथ पीछे खींच लिए, जिसके बाद नायब सिंह सैनी की सरकार अल्पमत में आ गई है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक जेजेपी के दुष्यंत चौटाला ने भी कांग्रेस को साथ देने की बात कही है ताकि वह सरकार बना सके। यानी भाजपा से एक और राज्य की सत्ता जा सकती है। वहीं तीसरे चरण के मतदान के दिन ही महाराष्ट्र में एनसीपी नेता शरद पवार ने बयान दिया कि कुछ क्षेत्रीय दल कांग्रेस में खुद को मिला सकते हैं और उसका समर्थन कर सकते हैं। इससे पता चलता है कि अब कांग्रेस के बढ़ते कद को दूसरे नेता भी स्वीकार करने लगे हैं।

इधर उत्तरप्रदेश में तीन चरणों के मतदान के बाद खबरें आ रही हैं कि भाजपा को इस बार इंडिया गठबंधन से कड़ी टक्कर मिली है। जिस राज्य में भाजपा अपनी जीत का बड़ा आधार मान रही थी, वहां से उसे झटका मिला है। भाजपा और इंडिया गठबंधन के बीच हो रहे मुकाबले में अब तक बसपा किसी के साथ नहीं थी, लेकिन मंगलवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने अचानक अपने उत्तराधिकारी और पार्टी संयोजक आकाश आनंद को उनके दायित्वों से मुक्त कर दिया। मायावती ने आकाश आनंद की अपरिपक्व बताते हुए यह फैसला लिया। जबकि इस बार आकाश आनंद का बसपा के लिए प्रचार काफी सुर्खियां बटोर रहा था। लंदन से पढ़ाई करके आने के बाद अपनी बुआ की राजनैतिक विरासत को आगे बढ़ाने और दलितों के लिए राजनैतिक सत्ता की बात करने वाले आकाश आनंद अपने भाषणों में भाजपा पर तीखे प्रहार कर रहे थे। उनके भाषणों में वह धार मतदाताओं को दिख रही थी, जिसकी उम्मीद अब तक बहनजी से की जाती रही, लेकिन कई बरसों से निराशा ही मिल रही थी। दलितों से जुड़े अनेक गंभीर मामलों में बहनजी की चुप्पी उनके समर्थकों को अखर रही थी, लेकिन आकाश आनंद के कारण उनमें नया जोश भरा था। ऐसे में बसपा के लिए सीटें बढ़वाने की गुंजाइश बन रही थी, लेकिन शायद भाजपा की नाराजगी को भांपते हुए मायावती ने ऐसा फैसला ले लिया।

तीसरे चरण के मतदान के दौरान और उससे पहले हुई इन सियासी घटनाओं के बीच ब्रिटेन में एस्ट्राजेनेका फार्मा कंपनी ने अदालत में स्वीकार किया कि उसकी बनाई कोरोना वैक्सीन के घातक साइड इफेक्ट हो सकते हैं। इसके बाद कंपनी ने दुनिया भर में भेजी गई अपनी वैक्सीन को वापस मंगाने का फैसला भी लिया। इसी कंपनी के फामूर्ले पर भारत में कोविशील्ड बनी थी और वैक्सीन प्रमाणपत्र पर मोदीजी की तस्वीरें तो होती ही थीं। लेकिन अब सरकार ने वैक्सीन के प्रमाणपत्र से नरेन्द्र मोदी की फोटो हटा ली है। इसका मतलब यह समझा जा सकता है कि इलेक्टोरल बॉंड के खुलासे की तरह कोविशील्ड के साइड इफेक्ट की बात से पर्दा उठना भाजपा के लिए महंगा पड़ चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी के भाषणों में भी पहले चरण से लेकर तीसरे चरण तक कई बदलाव आ गए, हालांकि उसका मुखड़ा एक ही रहा। कांग्रेस की आलोचना करना श्री मोदी के भाषणों का स्थायी मुखड़ा रहता है और अंतरे में मंगलसूत्र, भैंस, राम मंदिर, बाबरी ताला अपनी सुविधा से लाते रहते हैं। लेकिन बुधवार को उनके अंतरे ने सभी को चौंका दिया। इस बार अपने भाषण में प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि अडाणी, अंबानी का नाम अब वो नहीं ले रहे हैं, क्या उनके पास बोरियों में काला धन पहुंच गया है।

गरीबों के हित में बड़े बदलाव का संकेत है कांग्रेस का एजेंडा

-जगदीश रत्तनानी-

किसी भी माध्यम का कुशल उपयोग इस बात की समझ के अभाव में खतरनाक है कि इसका उपयोग क्यों किया जा रहा है और यह कहां ले जाएगा। आज की कांग्रेस के लिए यह सेवानिवृत्त नौकरशाहों से दूर रहने की चेतावनी होनी चाहिए। उसे भ्रष्टाचार रोकने के लिए पैनी नजर रखनी होगी। चाहे वह सत्ता में हो या न हो, लेकिन कांग्रेस को एक टीम बनाने के लिए अधिक युवा नेतृत्व और प्रतिबद्ध लोगों की आवश्यकता होगी ताकि पार्टी जीवंत रह सके।

जैसे-जैसे चुनाव अभियान आगे बढ़ रहा है उसके मद्देनजर भारतीय राजनीतिक परिदृश्य पर बहुत कुछ पहले ही बदल चुका है। पहली बात, कांग्रेस पार्टी एक दशक से भी ज्यादा वक्त में पहली बार मतदाताओं के सामने अपनी राजनीतिक स्थिति को स्पष्ट रूप से पेश करने में सफल हुई है। यह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस है जो पूरी तरह से वामपंथ के साथ चल रही है। सवाल यह नहीं है कि वह कितने डिग्री तक वामपंथ के साथ है परन्तु यह दिशा और स्थिति का सवाल ज्यादा है और बताता है कि वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में पार्टी किस स्थान पर खड़ी है।

कभी उदारीकरण और निजीकरण की समर्थक पार्टी से इस वक्त जो उभर कर सामने आ रहा है वह अब सामाजिक न्याय, धन-आय सम्बन्धी असमानता या श्रमिकों के अधिकारों के एजेंडे के साथ एक अनिश्चय की स्थिति वाला रवैया नहीं है। यह एजेंडे का स्पष्ट रूप से रखा जाना है। यह वामपंथ की ओर एक तेज मोड़ है जो हाल के समय में कभी स्पष्ट नहीं था जितना इंदिरा गांधी के कार्यकाल के दौरान बैंकों के राष्ट्रीयकरण के दौरान था। वर्तमान में मतदाताओं की प्रतिक्रिया यह दशार्ती है कि पार्टी जनता की भावनाओं को समझ रही है और उसकी गतिविधियां राष्ट्र के मूड के अनुरूप है।

कांग्रेस के पुनरुद्धार के लिए इस प्रखर वैचारिक स्थिति के प्रति कटिबद्धता महत्वपूर्ण है जबकि कुछ लोग कहेंगे कि पार्टी परिस्थितियों से मजबूर हो गई है। इसके बावजूद ऐसा लगता है कि वामपंथ के प्रति इस झुकाव को नेतृत्व और काडर द्वारा पूरे दिल से गले लगाया गया है। कांग्रेस ने 4 जून को आने वाले परिणामों की घोषणा से बहुत पहले यह एक महत्वपूर्ण चुनाव किया है।

उल्लेखनीय है कि नारेबाजी और उम्मीद-सेटिंग के कारण विजयी के रूप में देखे जाने के लिए भाजपा को अपने 303 के पिछले आंकड़े को पार करना होगा वहीं इंडिया गठबंधन को जीत का दावा करने के लिए भाजपा को 272 से नीचे खींचना होगा। इस बात की संभावना को छोड़ दें कि इस समय कांग्रेस और/या इंडिया गठबंधन इन चुनावों में बहुत खराब प्रदर्शन कर रहा है या नहीं, लेकिन देश में एक ऐसी पार्टी है जो आने वाले दिनों में भारत की नीति तय करेगी। यह एक ऐसी भूमिका है जिसे कांग्रेस ने त्याग दिया था और जिसके कारण वह अप्रासंगिक हो गई थी। इसी ने 'क्याइ, 'कैसे' और 'क्यों' की ठोस स्थिति में बंधी स्पष्ट राजनीतिक दिशा के अभाव में भाजपा के लिए जमीन छोड़ दी थी। इस निश्चित दिशा के बिना हमारे पास जो कुछ भी था वह भाजपा की सांप्रदायिकता और भ्रष्टाचार पर एक दंतहीन हमला था जिसमें दृढ़ विश्वास नहीं था और जो मतदाताओं की मंशा के अनुरूप कारगर नहीं है। बहरहाल अब कहानी बदल गई है।

कांग्रेस में एक दशक से आ रही गिरावट और केंद्रीय सत्ता में रहने के दौरान भी इसकी धीरे-धीरे हो रही गिरावट, नव-उदारवादी एजेंडे का नेतृत्व करने के लिए जानी जाने वाली पार्टी का अपरिहार्य परिणाम थी। हाल के दिनों में इसकी एकमात्र उपलब्धि 1991 के आर्थिक सुधार थे। ये सुधार भी परिस्थितियों के कारण मजबूरीवश किए गए थे। इन सुधारों ने एक ओर 'एनीमल स्प्रिट' (अर्थ व्यवस्था में, 'एनीमल स्प्रिट' शब्द बाजार मनोविज्ञान और स्वभावजन्य अर्थशास्त्र में उपयोग में आता है। 'एनीमल स्प्रिट' आत्मविश्वास, आशा, भय और निराशावाद की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करती है जो व्यक्ति या व्यक्ति समूहों की वित्तीय निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है और बदले में आर्थिक विकास को बढ़ावा या बाधित कर सकती है) को उजागर करने का प्रयास किया लेकिन दूसरी ओर इसने श्रमिकों के अधिकारों पर अंकुश लगाने तथा व्यापक भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने की ओर भी कदम बढ़ाए।

भारत में अरबपति राज व बढ़ती गरीबी

-अनुज आचार्य-

18वीं लोकसभा चुनावों में इस बार भी गरीबी एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है, लेकिन वहीं दूसरी तरफ भारत के सबसे अमीर एक फीसदी लोगों की कमाई एवं संपत्ति और आर्थिक असमानता अपने ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर है। वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। थॉमस पिकेटी, लुकास चांसल और नितिन कुमार भारती द्वारा लिखी गई रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों के पास देश की कुल संपत्ति का करीब 40.1 फीसदी हिस्सा है। वहीं देश की कुल आय में उनकी हिस्सेदारी करीब 22.6 प्रतिशत है। यह अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। यहां तक कि इसने अमरीका जैसे विकसित देशों के अमीरों को भी पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के अनुसार सबसे अमीर लोगों ने सांठगांठ वाले पूंजीवाद और विरासत के जरिए बनाई गई संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा हड़प लिया है और वे बहुत तेज गति से अमीर हो रहे हैं। पिछले तीन दशकों से भारत में आर्थिक असमानता तेजी से बढ़ी है। इसी बीच केंद्र सरकार का ऋण भी बढ़ा है, लेकिन गरीबी अपनी जगह बरकरार है। वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी के अनुसार 31 मार्च 2014 को केंद्र सरकार का कर्ज 58.6 लाख करोड़ (जीडीपी का 52.2 प्रतिशत) रुपए था, जो 31 मार्च 2023 को बढकर 155.6 लाख करोड़ रुपए (जीडीपी का 57.1 प्रतिशत) हो गया है। वहीं 2014-15 से शुरू होने वाले पिछले नौ वित्तीय वर्षों में भारतीय बैंकों ने 14.56 लाख करोड़ रुपए के बुरे ऋण माफ किए हैं। कुल 1456226 करोड़ रुपए में से बड़े उद्योगों और सेवाओं के बट्टे खाते में डाले गए ऋण 740968 करोड़ रुपए थे।

जाहिर है इसका फायदा भी बड़े उद्योगपतियों को ही मिला है। वे बहुत तेज गति से अमीर हो रहे हैं, जबकि गरीब अभी भी न्यूनतम वेतन अर्जित करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने इकोनॉमी को बूस्ट देने के नाम पर 2019 में कार्पोरेट टैक्स को घटाने का ऐलान किया था। इस ऐलान के बाद घरेलू कंपनियों को जो कार्पोरेट टैक्स पहले 30 फीसदी की दर से देना होता था वो घटकर 22 फीसदी हो गया है। जाहिर है इस तरीके से भी उद्योगपतियों को ही लाभ हुआ है। कोरोना संकट के तुरंत बाद लोगों को न केवल अपनी नौकरियों से हाथ धोना पड़ा था बल्कि बड़ी संख्या में कामगारों और मजदूरों का पलायन भी हुआ था। ऊपर से 2020 में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भी सीमित मात्रा में रिक्रूटमेंट की थी। इससे हमारे युवाओं को भारी निराशा का सामना करना पड़ा था। सीएमआईई के अनुसार, भारत में बेरोजगारी दर मार्च 2024 में 7.4 प्रतिशत से बढकर अप्रैल 2024 में 8.1 प्रतिशत हो गई है। महंगाई एवं बेरोजगारी आज भी भारतीय नागरिकों के लिए बड़े मुद्दे बने हुए हैं।

यद्यपि भारत में लोगों ने शिक्षा और रोजगार के महत्व को समझा है, तथापि गरीबी के आंकड़े बयां करते हैं कि भारत में पिछले कुछ दशकों में अमीरी-गरीबी के बीच खाई और चौड़ी हुई है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा 2015-16 में जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत में 36.40 करोड़ लोग गरीब थे, वहीं नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार भारत में गरीबी दर 2013-14 में 29.17 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 11.28 प्रतिशत रह गई है। यानी कि पिछले 9 सालों में 17.89 प्रतिशत की कमी आई। फिर यह सवाल उठना लाजिमी ही है कि यदि नीति आयोग के आंकड़ों के अनुसार गरीबी घटी है तो 80 करोड़ लोगों में पांच किलोग्राम राशन मुफ्त किसलिए बांटा जा रहा है? आज आवश्यकता इस बात की ज्यादा है कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय और आयकर विभाग सर्वाधिक अमीरों से ज्यादा टैक्स वसूलने और उन व्यापारियों पर नकेल कसें जो गलत ब्यौरा देकर अथवा अपनी वास्तविक आय को छुपाकर बेनामी संपत्ति बना रहे हैं। आज बड़े कस्बों और शहरों में ऐसे लाखों कारोबारी और व्यापारी मिलेंगे जो एमआरपी के नाम पर मोटी कमाई कर अकूत दौलत इकट्ठी कर रहे हैं। लेकिन सरकार को मामूली टैक्स देकर अंगूठा दिखा रहे हैं। ऐसे लोगों की परिसंपत्तियों की जांच होनी चाहिए और उन पर जुमार्ना लगाकर उनको भी टैक्स पेयर्स के दायरे में लाया जाना चाहिए। वहीं सरकारी एवं निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को राहत पहुंचाने की भी जरूरत है जो ईमानदारी से अपना इनकम टैक्स चुका कर राष्ट्र सेवा कर रहे हैं।

2047 तक भारत के विकास के लक्ष्य पर वोट दें

-संजय गोस्वामी-

इस 2024 के लोकसभा चुनाव में आरक्षण सभी दलों के लिए जनादेश का भुनाने मशाला बन गया है आरक्षण के लिए हर पार्टी के अलग-अलग घोषणापत्र होते हैं, लेकिन यह सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से बंधा हुआ है। 18वां जी20 शिखर सम्मेलन 9-10 सितंबर, 2023 के दौरान नई दिल्ली के भारत मंडपम में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जी-20 में भारत की मेजबानी में थीम एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य; भारत वसुधैव कुटुम्बकम् (विश्व एक परिवार है)के अन्तर्निहित दर्शन को पूर्णतः अभिव्यक्त किया। यह भारत के साथ अन्य सभी विकसित राष्ट्र विभिन्न जी-20 देशों के प्रतिनिधित्व नेतृत्व का मार्गदर्शन किया है जी-20 के नेतृत्व में, देश में, ग्लोबल वार्मिंग, भोजन और ऊर्जा की कमी, आतंकवाद, भूराजनीतिक संघर्ष और डिजिटलअंतर सहित विभिन्न आकस्मिकताएँ दुनिया को स्थिति से निपटने के लिएभारत के प्रयास और वर्तमान स्थितिमें भारत को ?ई दिशा मिली कृपया ड्रीम 2047 में भारत को देखें, 2047 में भारत को महाशक्ति बनने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए फिक्की ने भारतीय बिजनेस कंपनी के साथ एक बहु-विषयक पहल शुरू की है-2022 में भारत की विकास क्षमता के लिए कार्य योजना। यह अनुमान लगाया गया है कि भारत 2047 तक 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा, जिससे वार्षिक वृद्धि के साथ एक वैश्विक अर्थव्यवस्था का निर्माण होगा। 40 बिलियन अमेरिकी डॉलर से इस वृद्धि से 60 करोड़ रुपये की नौकरियाँ पैदा होने और प्रति व्यक्ति आय में दस लाख रुपये की वृद्धि होने की उम्मीद है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, भारत को चार प्रमुख क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए- विनिर्माण में नवाचार, एसएमई विस्तार, कौशल विकास और पूंजी बाजार को मजबूत करना।

नवाचार प्रौद्योगिकी आधारित होना चाहिए, बल्कि लागत या गुणवत्ता के मामले में प्रतिस्पर्धा पर होना चाहिए। 2024-25 के हालिया अंतरिम बजट में उभरते क्षेत्रों में निजी क्षेत्र के अनुसंधान को समर्थन देने के लिए 1 लाख करोड़ रुपये की घोषणा की गई, जो भारत में विकास एक सकारात्मक पहल है। विकास के लिए इन क्षमताओं का प्रभावी कार्यान्वयन और उपयोग आवश्यक है। भारत के आर्थिक विकास के लिए एमएसएमई का विस्तार भी महत्त्वपूर्ण है। उभरती अर्थव्यवस्था प्रणालियों में भारत की तुलना में सकल घरेलू उत्पाद का प्रति बिलियन डॉलर मध्यम और बड़े आकार की कंपनियों की संख्या लगभग दोगुना है। अकाउंट एग्रीगेटर और ओपन क्रेडिट जैसे लोग इनेबलमेंट नेटवर्क का लाभ उठा रहे हैं डिजिटल ऋण देने से सम्बंधित उपायों से कम लागत पूंजी तक पहुँच सुनिश्चित करना और एमएसएमई पर विनियामक और अनुपालन सम्बंधित बोझ को कम करने के लिए काम करें कर दी गई। अगले दशक में और अधिक मध्यम स्तर सहित बहुत कुछ किया जाएगा उद्योग को एमएसएमई दायरे से आगे बढ़ने की जरूरत है। इसमें प्रोत्साहन भी शामिल है 3. निर्माण जैसे रोजगारोन्मुख क्षेत्रों में भारत की वृद्धि बढ़ती हुई शक्ति पर फोकस करना है। भारत की जनसांख्यिकी के अनुसार इस मानव पूंजी को आधुनिक और में परिवर्तित नहीं किया जा सकता है भविष्य के लिए उपयुक्त शिक्षा प्रणाली से सुसज्जित करके ही उठाया जा सकता है। 4. भारतीय व्यवसायों के लिए पूंजी की कम लागत और किफायती वित्तकोष की आवश्यकता है। हमारे पास एक व्यापक वित्तीय परिस्थितिकी तंत्र है जिसका तेजी से विकास हो रहा है। तथापि, प्रमुख ऋण दरों को कम करने के लिए एम.एस.एम.ई पूंजी तक पहुँच प्रदान करने के लिए रचनात्मक उपाय अनुबंधों और विवादों को लागू करने के लिए समाधान प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना आवश्यकता है। 5. फिक्की का लक्ष्य 2047 तक भारत को विकसित करना है उद्योग के सदस्यों को एहसास करने के लिए साथ ही सरकारों के प्रमुख नीति निमार्ता भी साथ मिलकर काम करना चाहते हैं। भारत की आर्थिक क्षमता विश्व भर में विख्यात मान्यता है। हम वैश्विक विनिर्माण का हिस्सा हैं और साथ ही दुनिया का भोजन का कटोरा बन गया सेवाओं के नेता भी हो सकते हैं। फिक्की का मानना है कि 2047 तक अमृत काल के दौरान अपने देश में अभूतपूर्व विकास के गवाह बनेंगे इस बार लोकसभा चुनाव में उम्मीद है कि 2024 में मतदाता अपने कीमती वोटों का सोच-समझकर इस्तेमाल करेंगे। यह भी अपेक्षा की जाती है कि शत-प्रतिशत मतदाता चुनाव में भाग लेंगे, वे न केवल चुनाव में भाग लेंगे बल्कि अपने अमूल्य वोट का उपयोग सचेत होकर करेंगे तथा स्वार्थ, मुनाफाखोरी, लालच, धर्म-जाति की भावनाओं से दूर रहेंगे। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कुछ स्वार्थी लोगों के कारण दिन-प्रतिदिन तानाशाही बनता जा रहा है। गणतंत्र एक शासन प्रणाली है जिसमें प्रजा पर शासन करने वाला कोई राजा या रानी नहीं बल्कि जनता का निर्वाचित प्रतिनिधि होता है। लेकिन आज कुछ राजनेताओं ने इस परिभाषा को बदल दिया है, अब देश तानाशाही बन गया है। जागरूक होकर राजनीतिक आधार पर चुनाव में अपने मत का प्रयोग कर व्यवस्था के आधार की खामियों को दूर करने में भी अहम भूमिका निभा सकता है। इसे खत्म करने का प्रयास करके भी किया जा सकता है। अगर मतदाता हर चुनाव में जाति-धर्म की भावना से बहकर अपना कीमती वोट डालते हैं तो ऐसा कर-के वे व्यवस्था को कमजोर करते हैं। हम न केवल अपना भविष्य बल्कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी खराब करते हैं, क्योंकि अगर चुनाव के समय किसी गलत उम्मीदवार को वोट दिया जाता है, तो ऐसा उम्मीदवार चुनाव जीतने के बाद अपने निजी हितों को पूरा कर सकता है। वह केवल पाँच विश्व मूल्यों को ही सर्वोपरि रखता है, आम लोगों को मिलने वाली सुविधाओं की उसे कोई परवाह नहीं है।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त खबरें

किआ की नई कॉम्पैक्ट एसयूवी का नाम सायरोस होने की संभावना, 2025 में लॉन्च होने की उम्मीद

नई दिल्ली। किआ द्वारा भारत में एक नई कॉम्पैक्ट एसयूवी लॉन्च करने की उम्मीद है और इसका नाम साइरोस होगा, जैसा कि ऑटोकार की रिपोर्ट में बताया गया है। इससे पहले कंपनी की नई कॉम्पैक्ट एसयूवी को 'क्लैविस' नाम से ट्रेडमार्क किया गया था। साइरोस कॉम्पैक्ट एसयूवी के अगले साल की शुरूआत में लॉन्च होने की उम्मीद है और एसयूवी का नाम सेल्टोस और सोनेट के अनुरूप है। लीक हुए दस्तावेज में उल्लेख किया गया है कि नए कॉम्पैक्ट एसयूवी नाम को 29 अप्रैल, 2024 को स्वीकार और विज्ञापित किया गया है। पिछले लीक ने संकेत दिया है कि एसयूवी पर उच्च ग्राउंड क्लीयरेंस और छत रेल के साथ एक लंबा और सीधा रुख है। हम नई किआ साइरोज पर एक मजबूत बॉडी क्लैडिंग भी देखते हैं। एसयूवी के इंटीरियर में किआ के सामान्य डिजाइन का स्पर्श है। यह दो इंफोटेनमेंट स्क्रीन, हवादार सीटें, 360-डिग्री कैमरा, सनरूफ, अऊअर सुइट और बहुत कुछ से लैस होगा। खैर, ऐसा लगता है कि किआ साइरोस उन लोगों के लिए एक विकल्प होगा जो किआ चाहते हैं लेकिन जरूरी नहीं कि सॉनेट हो। उम्मीद है कि साइरोस एसयूवी पेट्रोल के साथ-साथ इलेक्ट्रिक पावरट्रेन विकल्पों में भी उपलब्ध होगी। ईवी वेरिएंट के आईसीई वेरिएंट के छह महीने बाद लाइन-अप में शामिल होने की उम्मीद है। भविष्य में हाइब्रिड संस्करण पेश किये जाने की उम्मीद है। एसयूवी के सभी मॉडल केवल फ्रंट-व्हील ड्राइव होंगे।

टाइमलाइन लॉन्च करें पेट्रोल चालित इंजन वाली सायरोस के इस साल दिसंबर तक सामने आने की उम्मीद है और लॉन्च अगले साल की शुरूआत में होगा। र८१ङ्क२ एश के 2025 के मध्य तक लॉन्च होने की उम्मीद है। साइरोस मुख्य रूप से भारतीय बाजार के लिए है। हालाँकि, कंपनी एसयूवी की कुछ इकाइयों को अन्य बाजारों में निर्यात करने की योजना बना रही है। सायरोस की कीमत सोनेट (जिसकी कीमत 7.99 लाख रुपये, एक्स-शोरूम, दिल्ली) से अधिक होने की उम्मीद है।

अमेरिकी मुद्रास्फीति डेटा और नीतिगत निर्णय भारतीय सूचकांकों को कर सकते हैं शांत

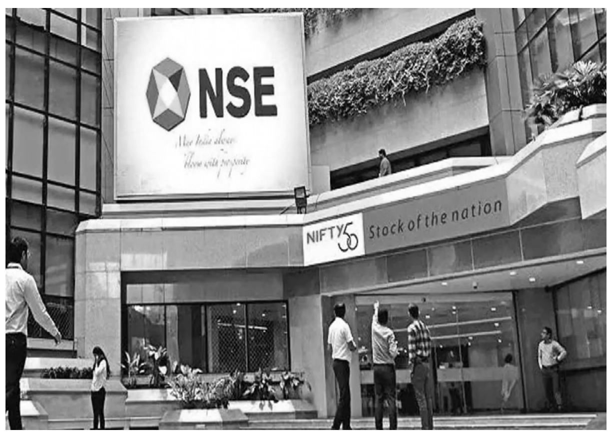

नई दिल्ली। अब चूंकि कमाई का मौसम बाजार में कई प्रमुख कंपनियों को सूचीबद्ध कर चुका है और दलाल स्ट्रीट पर उनका प्रदर्शन अन्य कारकों से तय होगा, जो पाइपलाइन में हैं।भारतीय सूचकांकों के लिए यह सप्ताह काफी उथल-पुथल भरा रहा, काफी निराशाजनक शुरूआत के बाद, सेंसेक्स और निफ्टी लाल सागर में डूब गए। गुरुवार, 9 मई को सभी प्रमुख सूचकांक नकारात्मक रुख के साथ समाप्त हुए, जिसमें पूरे बोर्ड में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। इस नुकसान का कारण भारतीय बाजारों से एफआईआई के बड़े पैमाने पर पलायन को माना गया।नियामकों के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अकेले अप्रैल के दौरान संचयी रूप से 8,671 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।हालाँकि, भारतीय बाजारों में सुधार हुआ और समापन अपेक्षाकृत सपाट नोट पर हुआ। प्रमुख सेंसेक्स 260.30 अंक या 0.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72,664.47 पर बंद हुआ। इसी तरह, एनएसई निफ्टी 97.70 अंक या 0.44 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,055.20 पर बंद हुआ।गुरुवार, 9 मई को सभी प्रमुख सूचकांक नकारात्मक रुख के साथ समाप्त हुए, जिसमें पूरे बोर्ड में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।गुरुवार, 9 मई को सभी प्रमुख सूचकांक नकारात्मक रुख के साथ समाप्त हुए, जिसमें पूरे बोर्ड में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।

इस सप्ताह बाजार पर असर डालने वाले कुछ कारकों में अमेरिका और भारत दोनों के मुद्रास्फीति के आंकड़े शामिल हैं। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक डेटा सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा प्रकाशित किया जाएगा। उम्मीद है कि अमेरिका अप्रैल महीने का अपना डेटा 15 मई को प्रकाशित करेगा।यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि यदि मुद्रास्फीति दर में वृद्धि जारी रही, तो यूएस फेड बहुप्रतीक्षित ब्याज दर में कटौती से पीछे हट जाएगा। इसका अमेरिकी और भारतीय सूचकांकों सहित सभी बाजारों पर समान प्रभाव पड़ेगा।कच्चे तेल की कीमतों में सापेक्ष स्थिरता को देखते हुए, एक अन्य कारक अंतरराष्ट्रीय बाजार में भूमिका निभा सकता है। अमेरिका ने हाल ही में घोषणा की कि वह अमेरिका में लाए जाने वाले चीनी उत्पादों पर नए टैरिफ की घोषणा करेगा। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था 15 मई को ये घोषणाएं करेगी। इन टैरिफ में ईवी, चिकित्सा आपूर्ति और सौर उपकरण जैसे उत्पाद शामिल हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, ये टैरिफ कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत तक ऊंचे हो सकते हैं। इस कदम का प्रभाव और चीन की संभावित जवाबी कार्रवाई इक्विटी बाजार में होने वाली घटनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

हर्ष गोयनका ने साझा की यादगार तस्वीर, यूजर्स बोले- अच्छे दोस्तों की जगह कोई नहीं ले सकता

मुंबई । मशहूर उद्योगपति हर्ष गोयनका सोशल मीडिया पर खासे सक्रिय रहते हैं और अपने मजेदार पोस्ट के लिए जाने जाते हैं। अब एक बार फिर शुक्रवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर एक विंटेज तस्वीर साझा की, जिसकी सोशल मीडिया पर खासी चर्चा है और लोग इसे खूब पसंद कर रहे हैं। दरअसल इस तस्वीर में हर्ष गोयनका दिग्गज उद्योगपति मुकेश अंबानी और आनंद महिंद्रा के साथ दिखाई दे रहे हैं।

अंबानी, गोयनका और महिंद्रा एक फ्रेम में दिखे

तस्वीर किसी पार्टी की लग रही है, जिसमें तीनों उद्योगपति दोस्ती के हल्के-फुल्के पल बिताते दिख रहे हैं और किसी बात पर हंसीं-मजाक करते दिख रहे हैं। इस तस्वीर को पत्रकार प्रदीप चंद्रा ने अपने कैमरे में कैद किया था और हाल ही में इसे सोशल मीडिया पर साझा किया। प्रदीप चंद्रा की इस तस्वीर पर हर्ष गोयनका ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल से साझा किया। इस तस्वीर के साथ हर्ष गोयनका ने एक मजेदार कैप्शन भी दिया। इस कैप्शन में गोयनका ने लिखा- तीन पुराने दोस्त...

हर्ष गोयनका की इस तस्वीर की सोशल मीडिया यूजर्स जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और हर्ष गोयनका की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि बहुत बढ़िया, जीवन इससे बेहतर क्या हो सकता है। अच्छे पुराने दोस्तों की जगह कोई नहीं ले सकता। दोस्त, दोस्त होते हैं। एक अन्य यूजर ने हर्ष गोयनका के कैप्शन की तारीफ की और उनके मजाकिया स्वभाव को सराहा। कई यूजर्स ने इस तस्वीर को प्रतिष्ठित करार दिया तो एक यूजर ने हर्ष गोयनका से पूछा कि क्या आपको याद है कि आप उस वक्त क्या चर्चा कर रहे थे?

गतिरोध खत्म होते ही बीमार केबिन क्रू सदस्य भी काम पर लौटे, जल्द सामान्य होंगी सभी सेवाएं

नई दिल्ली एयर इंडिया से यात्रियों के लिए राहत भरी खबर आई है। एयर इंडिया अब अपनी उड़ानें फिर से बहाल कर रही है। एयरलाइन के एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी नेटवर्क को फिर से स्थिर कर रही है। वहीं, केबिन क्रू यूनियन ने बताया कि बीमार होने की सूचना देने वाले सभी सदस्य ड्यूटी पर शामिल हो गए हैं। हालांकि, अब तक एयर इंडिया एक्सप्रेस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। एयर इंडिया एक्सप्रेस कर्मचारी संघ ने रविवार को एक विज्ञप्ति जारी की। विज्ञप्ति में कंपनी ने कहा कि बीमारी की सूचना देने वाले सभी केबिन क्रू सदस्य वापस आ गए हैं। केबिन क्रू की ओर से कोई देरी नहीं की गई। हालांकि, कंपनी के शेड्यूलिंग सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी के कारण अभी भी कर्मचारियों के बीमार होने की सूचना है। इसके अलावा, अधिकारी ने बताया कि उड़ानें धीरे-धीरे बहाल की जा रही हैं। मंगलवार सुबह तक सब कुछ सामान्य हो जाएगा।

ड्रैगन बना भारत का सबसे बड़ा बिजनेस पार्टनर, दूसरे स्थान पर कौन

नई दिल्ली। भारत दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था (Indian Economy) बना हुआ है और दुनिया के तमाम देशों के साथ इसका कारोबार बढ़ रहा है. व्यापारिक साझेदारी के मामले में अब तक वर देश का सबसे बड़ा पार्टनर रहा है, लेकिन वित्त वर्ष 2023-24 में तस्वीर एकदम बदल गई है. दरअसल, बीते साल अमेरिका नहीं, बल्कि ड्रैगन (China) भारत का सबसे बड़ा बिजनेस पार्टनर बना है. आर्थिक थिंक टैंक जीटीआरआई के मुताबिक, दोनों देशों के बीच 118.4 अरब डॉलर का व्यापार हुआ है, जबकि अमेरिका इस मामले में नंबर दो पर है।

GTRI द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में भारत और चीन के बीच आयात-निर्यात 118.4 अरब डॉलर का रहा है. इसमें पिछले वित्त वर्ष के दौरान भारत का चीन को निर्यात (क्ल्र्ां'२ ए७स्त्रङ्क१३ ळङ्क ङ्कँल्लं) सालाना आधार पर 8.7 फीसदी बढ़कर 16.67 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया. चीन को निर्यात किए जाने वाले सामानों की लिस्ट पर गौर करें, तो इसमें सबसे ज्यादा लौह अयस्क, सूती धागा/कपड़े/मेडअप, हथकरघा, मसाले, फल और सब्जियां, प्लास्टिक और लिनोलियम शामिल रहे। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन की ओर से भारत को किए गए आयात (Indin's Import From China) की बात करें, तो इसमें भी इजाफा हुआ है. वित्त वर्ष 2023-24 में भारत द्वारा चीन से किए गए सामनों का आयात 3.24 फीसदी बढ़ा है और ये 101.7 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है. चीन से भारत में आने वाले सामानों में प्रमुख तौर पर इलेक्ट्रॉनिक सामान, न्यूक्लियर रिएक्टर्स, बॉयलर, ऑर्गेनिक केमिकल, प्लास्टिक का सामान, फर्टिलाइजर, गाड़ियों से जुड़ा सामान, केमिकल प्रोडक्ट्स, आयरन एंड स्टील, आयरन एंड स्टील का सामान और एलुमिनियम शामिल रहा। आर्थिक थिंक टैंक जीटीआरआई के डेटा के मुताबिक, जहां भारत और चीन के बीच कारोबार 118.4 अरब डॉलर का रहा है, तो वहीं ऋ2023-24 में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार 118.3 अरब डॉलर का रहा है और इस आंकड़े के साथ अमेरिका पहले नंबर से खिसककर दूसरे पायदान पर आ गया है।

वित्त वर्ष 2020-21 हो या फिर वित्त वर्ष 2022-23 अमेरिका ही लगातार भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर बना हुआ था। बीते वित्त वर्ष अमेरिका को भारत का निर्यात 1.32 फीसदी की गिरावट के साथ 77.5 अरब डॉलर पर आ गया, जबकि आयात में लगभग 20 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है और ये 40.1 अरब डॉलर पर आ गया।

वित्त वर्ष 2015 में एसबीआई की 85% नियुक्तियाँ इंजीनियरिंग स्नातक होंगी

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2015 में देश के सबसे बड़े ऋणदाता एसबीआई में शामिल होने वाले लगभग 12,000 नए लोगों में से 85 प्रतिशत इंजीनियरिंग स्नातक हैं, इसके अध्यक्ष दिनेश खारा ने कहा है।बैंक वित्त वर्ष 2015 में परिवीक्षाधीन अधिकारियों और सहयोगियों की भूमिकाओं में 12,000 नए लोगों को शामिल करने की प्रक्रिया में है, और रैंकों में इंजीनियरों को शामिल करने के प्रति कोई पूर्वाग्रह नहीं है, खारा ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि यह डिजाइन द्वारा नहीं है।3,000 से अधिक पीओ और 8,000 से अधिक सहयोगियों को कुछ बैंकिंग ज्ञान के साथ प्रशिक्षित करने के बाद, उन्हें विभिन्न व्यावसायिक भूमिकाओं में शामिल किया जाएगा। यह ध्यान दिया जा सकता है कि यह ऐसे समय में आया है जब बैंकिंग क्षेत्र प्रौद्योगिकी पर अपनी निर्भरता बढ़ा रहा है क्योंकि यह ग्राहकों को लुभाने के नए तरीकों की तलाश कर रहा है, जबकि कुछ खिलाड़ी इस मोर्चे पर चुनौतियों से भी जूझ रहे हैं।खारा ने कहा, "हम उन्हें बैंकिंग में शामिल करते हैं और उसके बाद, उन्हें उनकी योग्यता और स्वभाव के आधार पर व्यवसाय और आईटी में विभिन्न भूमिकाओं में शामिल करते हैं, और यह कुछ ऐसा है जो हमें यह सुनिश्चित करने में मदद कर रहा है कि बैंक को तकनीकी जनशक्ति की निरंतर आपूर्ति हो।

यह विकास ऐसे समय में हुआ है जब आईटी क्षेत्र - इंजीनियरिंग स्नातकों के लिए नौकरी का पसंदीदा स्थान - में कमी आ रही है, जिससे इंजीनियरिंग स्नातकों की आपूर्ति अधिक होने के बावजूद ऐसी कंपनियों द्वारा कम नियुक्तियां हो रही हैं।खारा ने कहा कि एसबीआई जनशक्ति को प्रशिक्षित करने के मामले में काफी निवेश करता है और उसके पास प्रौद्योगिकी कौशल विकसित करने पर केंद्रित एक समर्पित इन-हाउस संस्थान भी है।उन्होंने कहा, "प्रौद्योगिकी बहुत महत्वपूर्ण है और हममें से कोई भी इसे नजरअंदाज नहीं कर सकता है।" उन्होंने कहा कि बैंक को नियमित आधार पर ऐसे पहलुओं पर नियामक से मार्गदर्शन भी मिलता है।हाल ही में, सेक्टर नियामक आरबीआई ने प्रौद्योगिकी पर अपना ध्यान बढ़ाया है और कमियों के लिए बैंकों को दंडित किया है।खारा ने बैंक द्वारा किए गए कुल तकनीकी खर्च को साझा करने से इनकार कर दिया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि यह उद्योग में सबसे अधिक है, जबकि एक अधिकारी ने कहा कि यह परिचालन खर्च के उद्योग के औसत 7-8 प्रतिशत से काफी अधिक है।

भारत में कोयला आयात 8% बढ़ा, वित्त वर्ष 24 में 268 मिलियन टन तक पहुंच गया

नई दिल्ली। समुद्री कीमतों में नरमी और गर्मियों के दौरान बिजली की मांग में वृद्धि की संभावना के कारण वित्त वर्ष 2024 में भारत का कोयला आयात 7.7 प्रतिशत बढ़कर 268.24 मिलियन टन (एमटी) हो गया।बी2बी ई-कॉमर्स कंपनी एमजंक्शन सर्विसेज द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023 में देश का कोयला आयात 249.06 मीट्रिक टन था।मार्च वित्त वर्ष 2014 में कोयला आयात भी बढ़कर 23.96 मीट्रिक टन हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में 21.12 मीट्रिक टन से अधिक था।मार्च 2024 में दर्ज की गई कुल मात्रा में से, गैर-कोकिंग कोयले का आयात 15.33 मीट्रिक टन था, जबकि मार्च वित्त वर्ष 23 में यह 13.88 मीट्रिक टन था। मार्च 2024 में कोकिंग कोयले का आयात 5.34 मीट्रिक टन था, जो एक साल पहले 3.96 मीट्रिक टन था।ऋ24 के दौरान, गैर-कोकिंग कोयले का आयात 175.96 मीट्रिक टन था, जो ऋ23 के दौरान आयातित 162.46 मीट्रिक टन से अधिक है। कोकिंग कोयले का आयात 2023-24 में 57.22 मीट्रिक टन था, जबकि 2022-23 में 54.46 मीट्रिक टन था।"समुद्री कीमतों में लगातार नरमी और गर्मी के मौसम के दौरान मांग बढ़ने की उम्मीद के कारण कोयले के आयात की मात्रा में वृद्धि हुई है। बाजार में घरेलू कोयले की पर्याप्त उपलब्धता है, इसलिए यह देखना होगा कि आने वाले महीनों में आयात मांग मजबूत रहती है या नहीं," एमजंक्शन के एमडी और सीईओ विनय वर्मा ने कहा।2023-24 के दौरान कोयले का अखिल भारतीय उत्पादन 997.25 मीट्रिक टन था।

कीमतों को बढ़ने से रोकने के लिए सरकार ने कसी कमर बफर स्टॉक के लिए पांच लाख टन प्याज खरीदना शुरू

नई दिल्ली। अक्सर प्याज के दाम देखते ही देखते आसमान छूने लगते हैं। लेकिन चुनाव नजदीक देख सरकार ऐसा नहीं होने देना चाहती। इसलिए सरकार ने इस साल अपने बफर स्टॉक के लिए पांच लाख टन प्याज खरीदने की योजना बनाई है। इसका इस्तेमाल कीमतें बढ़ने की स्थिति में उन्हें काबू करने के लिए किया जा सकता है। इसी को लेकर सरकार ने किसानों से प्याज खरीदना शुरू कर दिया है।

बाजार दरों पर किसानों से प्याज खरीदना शुरू...उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि केंद्र सरकार ने कीमतों में वृद्धि होने पर आपूर्ति बढ़ाने के लिए 2024-25 के लिए पांच लाख टन का बफर स्टॉक बनाने के लिए बाजार दरों पर किसानों से प्याज खरीदना शुरू कर दिया है। यदि प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी होती है तो बफर सरकार को बाजारों में हस्तक्षेप करने की इजाजत देगा। खासकर तब जब सरकार ने पिछले सप्ताह प्याज निर्यात परसे प्रतिबंध हटाने का एलान कर दिया है।

प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटाया...गौरतलब है, देश में चल रहे लोकसभा चुनावों के बीच सरकार ने प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटाने का फैसला लिया, लेकिन साथ न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) 550 डॉलर प्रति टन तय किया है। इसके साथ ही प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क भी लगा दिया है। पिछले साल अगस्त में भारत ने 31 दिसंबर, 2023 तक प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया था।

प्याज की दरें बढ़ने की उम्मीद नहीं...उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने सामान्य उपलब्धता, स्थिर कीमतों और सर्दियों की फसल से 1.91 लाख टन होने वाले मजबूत उत्पादन का हवाला देते हुए कहा कि सरकार को मुक्त निर्यात के कारण प्याज की दरें बढ़ने की उम्मीद नहीं है।

प्याज की आपूर्ति गर्मी के मौसम में कम हो जाती है। आपूर्ति में कमी के कारण कीमतों में उछाल के बीच सरकार ने दिसंबर में प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था।

ये एजेंसियां खरीदेगी प्याज...सरकार की तरफ से नेशनल कॉआपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और नेशनल एग्रीकल्चरल कॉअपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ठअऋ्रूऊ) जैसी एजेंसियां प्याज खरीदेंगी। सरकार ने एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वे किसानों से सीधे बफर के लिए प्याज खरीदना शुरू करें।

एआई और सेमीकंडक्टर के बाद, यूएस के 100% टैरिफ से बढ़ सकता है तनाव

नई दिल्ली। चीन के साथ व्यापार युद्ध, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के बिडेन प्रशासन ने डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन से प्राप्त किया था, वर्तमान शासन के तहत नए आयाम खोजने के लिए बढ़ गया है। सामान्य तौर पर अधिकांश वस्तुओं के साथ शुरू हुआ व्यापार युद्ध अब विशिष्टताओं के दायरे में पहुंच गया है। सेमीकंडक्टर से लेकर 'उन्नत तकनीक' तक, अब अमेरिकी नीति आक्रामकता इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र तक पहुंच गई है।इस मामले में एक हालिया घटनाक्रम में, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के यूरोप दौरे के ठीक पीछे, अमेरिका ने सौर उपकरण, चिकित्सा आपूर्ति और सबसे महत्वपूर्ण रूप से, चीन द्वारा अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले ईवी पर भारी संख्या में टैरिफ लगाने के अपने इरादे की घोषणा की। रडार के तहत आने वाले उत्पादों में से, ईवीएस को सबसे बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ेगा, क्योंकि रिपोर्टों के मुताबिक, अमेरिका एशियाई दिग्गजों के इलेक्ट्रिक वैगनों पर 100 प्रतिशत बोझिल टैरिफ लगा सकता है। इस मामले में एक हालिया घटनाक्रम में, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के यूरोप दौरे के ठीक पीछे, अमेरिका ने सौर उपकरण, चिकित्सा आपूर्ति और सबसे महत्वपूर्ण रूप से, चीन द्वारा अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले ईवी पर भारी संख्या में टैरिफ लगाने के अपने इरादे की घोषणा की।इस मामले में एक हालिया घटनाक्रम में, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के यूरोप दौरे के ठीक पीछे, अमेरिका ने सौर उपकरण, चिकित्सा आपूर्ति और सबसे महत्वपूर्ण रूप से, चीन द्वारा अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले ईवी पर भारी संख्या में टैरिफ लगाने के अपने इरादे की घोषणा की।`टैरिफ मोटे तौर पर वह कर है जो उस देश से लगाया जाता है जो उत्पादों का आयात कर रहा है, कंपनियों से, और, विस्तार से, उन देशों से जो उक्त उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं।

यह कदम अनिवार्य रूप से इ ऊजैसे चीनी निमार्ताओं के लिए अमेरिकी बाजारों में अपनी कारें बेचना मुश्किल बना देता है। संक्षेप में, इससे अमेरिकी बाजार से कारों को हटाया जा सकता है। कुछ लोग इसे बिना किसी प्रतिबंध के प्रतिबंध के रूप में देखते हैं। इन टैरिफ की घोषणा 14 मई को की जाएगी.चीन ने इन उपायों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि टैरिफ उपाय 'प्रतिउत्पादक हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाते हैं'।

जैसा कि रिपोर्ट में बताया गया है, अगर यह सफल होता है तो सबसे बड़े लाभार्थियों में से एक टेस्ला होगा, दो कारणों से। सबसे पहले, यह ईवी बाजार में एक स्पष्ट प्रभुत्व बनाए रखने में सक्षम होगा और अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी, बीवाईडी से अभिभूत होने के डर को दूर करेगा।

एयर इंडिया एक्सप्रेस धीरे-धीरे बहाल कर रही उड़ानें

नई दिल्ली। एयर इंडिया एक्सप्रेस धीरे-धीरे अपनी उड़ानें बहाल कर रहा है और नेटवर्क को स्थिर कर रहा है, एक अधिकारी ने रविवार को कहा, जबकि केबिन क्रू यूनियन ने इस बात पर जोर दिया कि बीमार होने की सूचना देने वाले सभी सदस्य ड्यूटी पर शामिल हो गए हैं।अधिकारी ने कहा कि टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन, जो प्रतिदिन लगभग 380 सेवाएं संचालित करती है, ने रविवार को कम से कम 20 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी हैं और कहा कि मंगलवार सुबह तक स्थिति पूरी तरह सामान्य होने की उम्मीद है। एयरलाइन में कथित कुप्रबंधन के विरोध में केबिन क्रू के एक वर्ग की हड़ताल के कारण मंगलवार रात से सैकड़ों उड़ानें रद्द करनी पड़ीं।

रविवार को एक विज्ञप्ति में, यूनियन ने कहा कि बीमार होने की सूचना देने वाले सभी केबिन क्रू वापस आ गए हैं और "ऐसे में केबिन क्रू की ओर से कोई देरी नहीं हुई है।

राष्ट्रीय राजधानी में मुख्य श्रम आयुक्त द्वारा बुलाई गई एक सुलह बैठक के बाद गुरुवार को हड़ताल वापस ले ली गई और वाहक ने 25 केबिन क्रू को जारी किए गए समाप्ति पत्र भी वापस ले लिए।बैठक में एयरलाइन और एयर इंडिया एक्सप्रेस कर्मचारी संघ (अकएव) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।रविवार को एक विज्ञप्ति में, यूनियन ने कहा कि बीमार होने की सूचना देने वाले सभी केबिन क्रू वापस आ गए हैं और ऐसे में केबिन क्रू की ओर से कोई देरी नहीं हुई है।

इसमें कहा गया है, "बीमार होने की सूचना देने वाले सभी केबिन क्रू सदस्य 11 मई, 2024 तक अपनी ड्यूटी पर शामिल हो गए हैं। हालाँकि, हाल ही में पेश किए गए कंपनी के शेड्यूलिंग सॉफ़्टवेयर में गड़बड़ी के कारण, यह अभी भी दिखा रहा है कि कर्मचारियों के बीमार होने की सूचना है।अधिकारी ने कहा कि उड़ानें धीरे-धीरे बहाल की जा रही हैं और मंगलवार सुबह तक नेटवर्क स्थिर होने की उम्मीद है।

आजीवन वित्तीय खुशहाली के लिए स्वास्थ्य बीमा चेकलिस्ट

नई दिल्ली। मदर्स डे हमारे जीवन में उन अविश्वसनीय महिलाओं का जश्न मनाने का समय है, जो अक्सर अपने प्रियजनों के पोषण और सुरक्षा और उनके कामकाजी जीवन के प्रबंधन की पूरी जिम्मेदारी निभाती हैं। इस अवसर पर, क्यों न उन्हें कुछ ऐसा उपहार देने पर विचार किया जाए जो वास्तव में जीवन भर चलता रहे - एक सर्वांगीण स्वास्थ्य बीमा योजना का उपहार जो जीवन के विभिन्न चरणों में माताओं की बढ़ती जरूरतों को पूरा करता है। स्वास्थ्य बीमा एक वित्तीय सुरक्षा जाल है जो न केवल उनके निस्वार्थ समर्पण को स्वीकार करता है बल्कि जरूरत के समय उनकी भलाई और वित्तीय सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है।

ऐसी दुनिया में जहां स्वास्थ्य संबंधी अनिश्चितताएं अप्रत्याशित रूप से उत्पन्न हो सकती हैं, स्वास्थ्य बीमा एक महत्वपूर्ण सुरक्षा जाल है, जो अप्रत्याशित चिकित्सा संकटों के दौरान महत्वपूर्ण वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। लेकिन सभी के लिए एक जैसा स्वास्थ्य बीमा दृष्टिकोण माताओं, विशेषकर युवा माताओं की महत्वपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को संबोधित नहीं करता है। स्वास्थ्य बीमा योजनाएँ अब माताओं की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार की जा रही हैं, जिनमें गर्भावस्था और प्रसव से लेकर उन्हें प्रभावित करने वाली अन्य गंभीर बीमारियों से निपटने में मदद करना शामिल है।

गर्भावस्था और प्रसव खुशी के अवसर होते हैं, लेकिन वे अपनी चुनौतियों और खर्चों के साथ भी आते हैं।

मातृत्व लाभ के साथ, युवा माताएं मातृत्व में एक सहज और तनाव मुक्त यात्रा सुनिश्चित कर सकती हैं। प्रसवपूर्व जांच से लेकर प्रसवोत्तर देखभाल तक, मातृत्व लाभ कई प्रकार के खर्चों को कवर करता है, जिसमें डॉक्टर परामर्श, नैदानिक ??परीक्षण, अस्पताल में भर्ती और यहां तक कि नवजात देखभाल भी शामिल है। यह व्यापक कवरेज न केवल वित्तीय बोझ को कम करता है बल्कि युवा माताओं को उस चीज पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है जो वास्तव में मायने रखती है - अपने नवजात शिशुओं के साथ संबंध बनाना और मातृत्व को अपनाना।

एक नई माँ के रूप में, आपका स्वास्थ्य और कल्याण न केवल आपके लिए बल्कि आपके बढ़ते परिवार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस प्रकार, जब आपके वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने की बात आती है, तो आपकी आवश्यकताओं के अनुरूप एक व्यापक स्वास्थ्य बीमा योजना जरूरी है। आपकी स्वास्थ्य बीमा चेकलिस्ट में शामिल करने के लिए यहां कुछ आवश्यक बातें दी गई हैं:

एक ऐसी योजना पर विचार करें जो मजबूत मातृत्व लाभ, सरोगेसी और अंडाणु दाता प्रक्रियाएं प्रदान करती हो। सुनिश्चित करें कि योजना विभिन्न परीक्षणों और जांचों सहित प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर खर्चों के लिए कवरेज प्रदान करती है। इसमें डिलीवरी खर्च भी शामिल होना चाहिए, सामान्य डिलीवरी के लिए कम से कम ?50,000 और सी-सेक्शन के लिए 1 लाख तक, साथ ही एक वर्ष के लिए शिशु के टीकाकरण बिल को भी कवर करना चाहिए। निवारक स्वास्थ्य देखभाल आपके दीर्घकालिक कल्याण की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

चेन्नई सुपर किंग्स ने राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से हराया

चेन्नई, एजेंसी। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ नाबाद (42) रनों की धैर्यपूर्ण पारी और सिमरजीत सिंह और तुषार देशपांड की शानदार गेंदबाजी की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 61वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ ही चेन्नई की टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है।

142 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ओवर में आर अश्विन ने अपनी ही गेंद पर कैच पकड़कर रचिन रविंद्र 18 गेंदों में (27) को आउटकर राजस्थान को पहली सफलता दिलाई। आठवें ओवर में यजुवेंद्र चहल ने डैरिल मिचेल 13 गेंदों में (22) रन को पगबाधा कर आउट किया। मोईन अली (10), शिवम दुबे (18) बनाकर आउट हुये। 16वें ओवर में रवींद्र जडेजा (5) को क्षेत्ररक्षण में बाधा डालने पर आउट करार दिया गया। ऋतुराज गायकवाड़ कप्तानी पारी खेलते हुए 41 गेंदों में एक चौका और दो छक्के लगाते हुए नाबाद (42) रन बनाये। समीर रिजवी आठ गेंदों में 15 रन बनाकर नाबाद रहे। चेन्नई ने 18.2 ओवर में पांच विकेट पर 145 रन बनाकर पांच विकेट से मुकाबला जीत लिया।

राजस्थान की ओर से रवि अश्विन ने दो विकेट लिये। नांद्रे बर्गर और युजवेंद्र चहल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले रियान पराग नाबाद (47) और ध्रुव जुरेल (28) रनों के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को जीत के लिये 142 रनों का लक्ष्य दिया था।

आज यहां एम ए चिदंबरम स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। यशस्वी जयसवाल और जॉस बटलर की सलामी जोड़ी ने धीमी शुरूआत करते हुए पहले विकेट के लिए 46 रन जोड़े। सातवें ओवर में सिमरजीत सिंह ने ऋतुराज गायकवाड़ के हाथों यशस्वी जयसवाल को कैच आउट कराकर चेन्नई को पहली सफलता दिलाई। जयसवाल ने 21 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 24 रन बनाये। इसके बाद नौवें ओवर में सिमरजीत सिंह ने जॉस बटलर को भी पवेलियन भेज दिया। बटलर ने 25 गेंदों में 21 रन बनाये। कप्तान संजू सैमसन (15) और ध्रुव जुरेल (28) रन बनाकर आउट हुये। जुरेल ने अपनी पारी में एक चौका और दो छक्के लगाये। रियान पराग ने 35 गेंदों में एक चौका और तीन छक्के लगाते हुए नाबाद सर्वाधिक (47) रनों की पारी खेली। राजस्थान ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 141 रनों का स्कोर खड़ा किया।

चेन्नई की ओर से सिमरजीत सिंह ने तीन विकेट लिये। तुषार देशपांडे को दो विकेट मिले।

पेरिस ओलंपिक के लिए सर्वश्रेष्ठ स्थिति में रहना चाहते हैं: हरमनप्रीत सिंह

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने रविवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में सभी मैच गंवाने के बावजूद उनकी टीम उन क्षेत्रों की पहचान करने में सफल रही जिनमें सुधार की जरूरत है तथा वह प्रो लीग के यूरोपीय चरण में भाग लेने के लिए तैयार है।

तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम को पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के दौरे में सभी पांच मैच में हार का सामना करना पड़ा था जिससे इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए उसकी तैयारी पर सवाल उठने लगे थे। लेकिन कप्तान हरमनप्रीत ने कहा कि टीम ने काफी कड़ी मेहनत की है और टीम का मनोबल काफी ऊंचा है।

हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार हरमनप्रीत ने कहा, "हम कड़ा अभ्यास कर रहे हैं और अभी इसके अंतिम चरण में है। ऑस्ट्रेलिया के दौरे के बाद टीम ने उन क्षेत्रों पर काम किया जिनमें उसे लगा कि सुधार करने की जरूरत है।" उन्होंने कहा,"हम जल्द ही प्रो लीग के कुछ महत्वपूर्ण मैच खेलने के लिए यूरोप जाएंगे जहां हमारा सामना अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन जैसी मजबूत टीमों से होगा।"

हरमनप्रीत ने कहा,"टीम का आपसी तालमेल लगातार बढ़ रहा है तथा अब जबकि पेरिस ओलंपिक के लिए 75 दिन ही बचे हुए हैं तब हम अपनी सर्वश्रेष्ठ स्थिति में रहने पर काम कर रहे हैं।" भारत अपने ओलंपिक अभियान की शुरूआत 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगा। पूल बी में अन्य टीमें बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और आयरलैंड हैं। पूल ए में नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका और मेजबान फ्रांस शामिल हैं।

मुंबई को हराकर केकेआर प्लेऑफ में

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स ने स्पिनर सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती की जोड़ी की बदौलत शनिवार को यहां बारिश से बाधित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में तेज शुरूआत करने वाली मुंबई इंडियंस को 18 रन से हराकर प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली।

मुंबई इंडियंस की अनुशासित गेंदबाजी के सामने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने वेंकटेश अय्यर की 21 गेंद में 42 रन की पारी से सात विकेट पर 157 रन बनाये।

प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी पांच बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस ने 6.4 ओवर में बिना किसी नुकसान के 65 रन बना लिये थे। लेकिन केकेआर के स्टार स्पिनर नारायण ने ईशान किशन (22 गेंद, 40 रन) द्वारा दिलायी गयी विस्फोटक शुरूआत पर लगाम कसी।

चक्रवर्ती ने 17 रन देकर दो और रसेल 34 रन देकर दो विकेट हासिल किये। इससे केकेआर ने मुंबई इंडियंस की आधी टीम को 13वें ओवर के अंदर पवेलियन लौटा दिया और 16 ओवर तक आठ विकेट पर 139 रन ही बनाने दिये। हर्षित राणा ने 34 रन देकर दो विकेट लिए जबकि नारायण ने 21 रन देकर किशन का महत्वपूर्ण विकेट हासिल किया।

इस तरह दो बार की विजेता केकेआर ने दो मैच रहते हुए अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली। टीम ने 18 अंक से 10 टीम की तालिका में शीर्ष पर अपना स्थान मजबूत किया। 2021 के बाद यह पहली बार है जब केकेआर ने प्लेऑफ में जगह बनाई है।

केकेआर की जीत का मंत्र, एक दूसरे का समर्थन करना: राणा

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के उप कप्तान नितीश राणा का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में उनकी टीम को मिली सफलता की कुंजी उतार-चढ़ाव के दौर में एक दूसरे का समर्थन करना है जैसा कि वह पिछले दो वर्षों में नहीं कर पा रहे थे।

दो बार के चैंपियन केकेआर ने शनिवार को यहां बारिश से प्रभावित मैच में मुंबई इंडियंस को 18 रन से हराकर प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित की। वह नॉकआउट चरण में जगह बनाने वाली पहली टीम है। यह 2021 के बाद पहला अवसर है जबकि केकेआर की टीम प्लेऑफ में पहुंची है।

राणा ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम एक साथ जीतते हैं और एक साथ हारते हैं। हमारे ड्रेसिंग रूम में इसी तरह का माहौल है। एक दूसरे का समर्थन करना बेहद महत्वपूर्ण है और मुझे लगता है कि पिछले एक या दो वर्षों में टीम में इस चीज की कमी थी।

केकेआर को सबसे बड़ा झटका पंजाब किंग्स के खिलाफ लगा था।

'सहवाग ने केकेआर के खिलाफ एमआई की हार के लिए रोहित, स्काई की आलोचना की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुंबई इंडियंस (एमआई) की बल्लेबाजी जोड़ी रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव की आईपीएल 2024 मैच में सेट होने में बहुत अधिक समय लेने और फिर बिना कोई महत्वपूर्ण योगदान दिए अपना विकेट गंवाने के लिए आलोचना की।

बारिश से प्रभावित मुकाबले में, जिसे शनिवार को आईपीएल के दो ऐतिहासिक पावरहाउसों के बीच 16 ओवर का कर दिया गया था, रोहित ने 24 गेंदों में 19 रन बनाए, जबकि स्काई 14 गेंदों में 11 रन बनाने में सफल रहे, जब एमआई ने 158 रनों के लक्ष्य का जोरदार पीछा करना शुरू किया, जिसमें ईशान किशन ने टीम की कमान संभाली। 22 गेंदों में 40 रन बनाकर अच्छी शुरूआत की।

सहवाग ने क्रिकबज पर कहा, "जो भी अच्छी गेंदबाजी करता है, बस उसे खेलो। अगर दो विकेट नहीं गिरे होते, तो रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव मैच एक ओवर पहले खत्म कर सकते थे। वैभव अरोड़ा, मिशेल स्टार्क, आंद्रे रसल और हर्षित राणा को वैसे भी गेंद डालनी थी; अगर उन्होंने स्पिनरों को खेला और विकेट नहीं गंवाए, उन्होंने मैच जीत लिया होता। जब आप बल्लेबाजी के लिए आते हैं तो आप अहंकार नहीं कर सकते। पहली पारी में दो विकेट जल्दी गिरने से केकेआर को मैच की शुरूआत में संघर्ष करना पड़ा। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा मुंबई का गेंदबाजी आक्रमण लड़खड़ा गया और बल्लेबाजी में वेंकटेश अय्यर मुख्य भूमिका में रहे। नीतीश राणा, आंद्रे रसल, रिंकू सिंह और रमनदीप सिंह सभी ने छोटे लेकिन विस्फोटक योगदान देकर कोलकाता का स्कोर 157/7 कर दिया। जवाब में, तिलक वर्मा के 17 गेंदों पर 32 रन व्यर्थ गए क्योंकि हार्दिक पांड्या, टिम डेविड और नेहाल वढेरा के साथ मध्य क्रम में कोई वास्तविक योगदान नहीं था, सभी ने मिलकर पांच रन बनाए। नमन धीर की 6 गेंदों पर 17 रनों की पारी ने प्रशंसकों को उम्मीद की किरण दिखाई, लेकिन यह पर्याप्त नहीं था क्योंकि एमआई केवल 139 रन ही बना सकी।

सहवाग ने निष्कर्ष निकाला, "नमन धीर अंत में आए और दो छक्के और एक चौका लगाया; अगर उस समय रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव सेट होते, तो उन्होंने 5 गेंदों पर चौके लगाए होते। आप रोहित शर्मा या सूर्यकुमार यादव हो सकते हैं, लेकिन कम से कम अगर आप गेंदबाज का सम्मान नहीं कर सकते तो गेंद का सम्मान करें।

गुजरात टाइटंस का करो या मरो मुकाबले में मजबूत केकेआर से सामना

अहमदाबाद, एजेंसी। कप्तान शुभमन गिल की फॉर्म में वापसी से उत्साहित गुजरात टाइटंस को अगर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखना है तो उसे अंक तालिका में शीर्ष पर चल रहे कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी।

गिल ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में शतक जड़कर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। यह आईपीएल में उनका चौथा शतक था। उनके अलावा साईं सुदर्शन ने भी शतक लगाया। प्लेऑफ में जगह बनाने वाली पहली टीम केकेआर के खिलाफ इन दोनों का प्रदर्शन टाइटंस के लिए काफी मायने रखेगा।

अभी सात टीम प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई हैं। राजस्थान रॉयल्स (16) और सनराइजर्स हैदराबाद (14) दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। चेन्नई सुपर किंग्स, दिल्ली कैपिटल और लखनऊ सुपरजाइंट्स के समान 12 अंक हैं। टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के 10 अंक हैं और वह अधिकतम 14 अंक तक पहुंच सकते हैं।

टाइटंस का नेट रन रेट अच्छा नहीं है और ऐसे में अगर टीम अंतिम चार में जगह बनाती है तो यह किसी चमत्कार से कम नहीं होगा। यह हालांकि निश्चित है कि टाइटंस की टीम अगर मगर के समीकरण में बने रहने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

टाइटंस के गेंदबाज इस सत्र में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उसके तेज गेंदबाजों में निरंतरता का अभाव है जबकि स्पिनर रन लुटा रहे हैं। चेन्नई के खिलाफ पिछले मैच में हालांकि उसने पहले तीन ओवर में ही तीन विकेट हासिल कर लिए थे। अनुभवी मोहित शर्मा और राशिद खान का गेंदबाजी में प्रदर्शन टीम के लिए काफी मायने रखेगा।

बल्लेबाजी में टाइटंस के शीर्ष क्रम को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पिछले मैच को छोड़कर बाकी मैचों में उसके चोटी के बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। गिल और सुदर्शन ने पिछले मैच में पहले विकेट के लिए 210 रन की रिकार्ड साझेदारी की थी।

जहां तक केकेआर का सवाल है तो वह शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश करेगी। उसे चोटी की दो टीम में बने रहने के लिए बाकी बचे दो मैच में केवल एक जीत की जरूरत है। केकेआर ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को 18 रन से हराकर प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित की।

केकेआर के लिए सुनील नारायण अभी तक तुरुप का इक्का साबित हुए हैं। उन्होंने अभी तक 461 रन बनाने के अलावा 15 विकेट के लिए हैं। वेस्टइंडीज के एक अन्य खिलाड़ी आंद्रे रसेल ने भी 222 रन बनाने के साथ 15 विकेट लेकर अपनी छाप छोड़ी है।

लेग स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने अभी तक 18 विकेट लिए हैं और वह अच्छी लय में दिख रहे हैं। सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट फिर से टीम को अच्छी शुरूआत देने की कोशिश करेंगे। यहां की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल रही है और यह मैच भी बड़े स्कोर वाला हो सकता है।

टाइटंस ने केकेआर के खिलाफ पिछले तीन मुकाबलों में से दो में जीत दर्ज की है लेकिन वह किसी तरह की ढिलाई नहीं बरत सकता है क्योंकि पिछले साल इसी मैदान पर रिंकू सिंह ने अंतिम ओवर में यश दयाल पर लगातार पांच छक्के जड़कर केकेआर को जीत दिलाई थी।

टीम इस प्रकार हैं:

कोलकाता नाइट राइडसः श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत (विकेटकीपर), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण , वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुशमंथा चमीरा, साकिब हुसैन, मुजीब उर रहमान, गस एटकिंसन, अल्लाह गजनफर और फिल साल्ट।

गुजरात टाइटंसः शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, केन विलियमसन, अभिनव मनोहर, बी साई सुदर्शन, दर्शन नालकांडे, विजय शंकर, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, नूर अहमद, साई किशोर, राशिद खान, जोशुआ लिटिल, मोहित शर्मा, अजमतुल्लाह उमरजई, उमेश यादव, शाहरुख खान, सुशांत मिश्रा, कार्तिक त्यागी, मानव सुथार, स्पेंसर जॉनसन, संदीप वारियर और बीआर शरथ।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 पर शुरू होगा।

एक नजर

चोट के बावजूद पूरे मैच में खेले लियोनेल मेसी

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी पहले हाफ में चोटिल होने के बावजूद इंटर मियामी की तरफ से मेजर सॉकर लीग के पूरे मैच में खेले जिसमें उनकी टीम ने मॉन्ट्रियल को 3-2 से हराकर टूनार्मेंट में अपनी लगातार पांचवीं जीत दर्ज की।

इंटर मियामी की यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि मेजर सॉकर लीग के इस सत्र में नौ मैच में यह पहला अवसर है जबकि मेसी ने कोई गोल नहीं किया या गोल करने में मदद नहीं की।

कनाडा में पहली बार खेल रहे मेसी का बायें घुटने में पहले हाफ में खेल के दौरान चोट लग गई थी। उन्होंने जमीन पर लेटकर अपना घुटना पकड़ रखा था। इसके बाद मेडिकल स्टाफ ने 2 मिनट तक उनका उपचार किया। वह कुछ समय के लिए मैदान से बाहर निकले लेकिन दर्द के बावजूद जल्द ही वापस मैदान पर लौट आए।

मॉन्ट्रियल ने जूल्स एंथनी विल्सेंट और ब्राइस ड्यूक के गोल की मदद से एक समय 2-0 की बढ़त बना रखी थी। इंटर मियामी ने इसके बाद शानदार वापसी की। उसकी तरफ से बेंजामिन क्रेमास्ची, लुई सुआरेज और मैटियास रोजास ने गोल किए।

रमनदीप पर आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के ऑलराउंडर रमनदीप सिंह पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ शनिवार को यहां खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 20 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है। इस 27 वर्ष के खिलाड़ी ने आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.20 के तहत लेवल एक का अपराध किया। उन्होंने अपना अपराध और मैच रेफरी की सजा स्वीकार कर ली है। आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन पर मैच रेफरी का फैसला अंतिम और बाध्यकारी होता है। केकेआर ने बारिश से प्रभावित इस मैच में मुंबई इंडियंस को 18 रन से हराकर प्लेऑफ में जगह बनाई। रमनदीप ने इस मैच में आठ गेंद पर 17 रन बनाए।

दीक्षा ने लॉस एंजेलिस में 1500 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा, साबले पुरुषों की 5000 मीटर में दूसरे स्थान पर रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश की ट्रैक एथलीट केएम दीक्षा ने लॉस एंजेलिस में साउंड रनिंग ट्रैक फेस्टिवल में महिलाओं की 1500 मीटर में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। 25 वर्षीय भारतीय ने विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर कांस्य स्पर्धा में 4:04.78 का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। इस प्रक्रिया में उन्होंने वारंगल में 2021 राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हरमिलन बैंस द्वारा निर्धारित 4:05.39 के पिछले रिकॉर्ड को बेहतर किया।

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) के अनुसार दीक्षा का राष्ट्रीय रिकॉर्ड सत्यापन के अधीन है। लॉस एंजेलिस में पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में, स्टार डिस्टेंस धावक अविनाश साबले अपने राष्ट्रीय 5,000 मीटर ट्रैक रिकॉर्ड में सुधार करने से चूक गए और 13:20.37 का समय लेकर दूसरे स्थान पर रहे, जबकि गुलवीर सिंह ने 13:31.95 का समय लिया। महिलाओं की 5000 मीटर में पारुल चौधरी अपना राष्ट्रीय स्तर सुधारने से मामूली अंतर से चूक गईं। वह 15:10.69 (राष्ट्रीय रिकॉर्ड से 0.34 सेकेंड पीछे) का समय लेकर पांचवें स्थान पर रहीं। उनकी हमवतन अंकिता ने 15:28.88 का समय निकालकर 10वां स्थान हासिल किया।

प्रज्ञाननंदा ने कार्लसन को हराया, लेकिन अब भी तीसरे स्थान पर बरकरार

वारसॉ, एजेंसी। भारत के आर प्रज्ञाननंदा ने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन पर एक और जीत दर्ज की लेकिन वह सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज टूनार्मेंट में अब भी तीसरे स्थान पर बने हुए हैं जबकि चीन के वेई यी ने 2.5 अंकों की मजबूत बढ़त हासिल कर ली है।

ब्लिट्ज प्रतियोगिता में अभी नौ दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं। वेई यी सात जीत के साथ 20.5 अंक लेकर शीर्ष पर बने हुए हैं। कार्लसन के 18 अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर हैं। उनके बाद प्रज्ञाननंदा का नंबर आता है। इस भारतीय खिलाड़ी के हालांकि 14.5 अंक है और ऐसे में खिताब के लिए मुख्य मुकाबला वेई यी और कार्लसन के बीच रह गया है।

भारत के अर्जुन एरीगैसी 14 अंक लेकर चौथे स्थान पर हैं, जबकि पोलैंड के डुडा जान क्रिज्सटोफ 13 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे हैं। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव 12.5 के साथ छठे स्थान पर हैं और उन्होंने जर्मनी के विंसेंट कीमर पर एक अंक की बढ़त बना रखी है। प्रतियोगिता के शुरू में शीर्ष पर रहने वाले रोमानिया के किरिल शेवचेंको 11 अंकों के साथ आठवें स्थान पर हैं।हॉलैंड के अनीश गिरी 10.5 अंकों के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं लेकिन विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर डी गुकेश की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है क्योंकि वह 1,75,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले इस टूनार्मेंट में 9.5 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में कई संयोजन आजमाने का मौका मिला: सलीमा टेटे

बेंगलुरू, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम की नवनियुक्त कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ छह मैचों की श्रृंखला में टीम को कई संयोजन आजमाने और उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिली जिनमें सुधार की जरूरत है।

पिछले साल एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी विजेता टीम की सदस्य रही 22 वर्षीय सलीमा को इस महीने के शुरू में सविता पूनिया की जगह टीम का कप्तान नियुक्त किया गया था। टीम ने उनकी अगुवाई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला 4-2 से जीती।

हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार सलीमा ने कहा, ह्यह्यइस श्रृंखला से हमें कई संयोजन आजमाने का मौका मिला। इस श्रृंखला में हमने प्रो लीग के लिए चुने गए सभी खिलाड़ियों को आजमाया। उन्होंने कहा, ह्यह्यइस सामूहिक प्रयास से हमें न सिर्फ अपने समन्वय को मजबूत करने में मदद मिली बल्कि इससे हमें अपनी टीम के सभी पहलुओं को समझने का मौका भी मिला।

भारत की तरफ से 100 से अधिक मैच खेल चुकी सलीमा ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला से नए खिलाड़ियों को भी सीखने का मौका मिला। उन्होंने कहा, ह्यह्यइस श्रृंखला से युवा खिलाड़ियों को भी काफी कुछ सीखने को मिला। उन्हें हमारी टीम की जटिलताओं और उनसे की जा रही अपेक्षाओं के बारे में पता चला।

एफआईएच प्रो लीग 2023-24 का यूरोपीय चरण बेल्जियम और इंग्लैंड में होगा। बेल्जियम चरण 22 से 26 मई तक जबकि इंग्लैंड चरण एक से नौ जून तक चलेगा। प्रो लीग में भारत का सामना अर्जेंटीना, बेल्जियम, स्पेन, ग्रेट ब्रिटेन और जर्मनी जैसी मजबूत टीमों से होगा। भारत अपना पहला मैच 22 मई को अर्जेंटीना के खिलाफ खेलेगा। भारत वर्तमान में प्रो लीग 2023-24 में आठ मैचों में आठ अंकों के साथ छठे स्थान पर है।

सांख्य का क्रियात्मक रूप है योग

प्राचीन काल में हमारे ऋषियों ने योग को अनुभव किया और इसके महत्व को पहचाना. इसके बाद उन्होंने समाज के कल्याण के लिए इस पद्धति को विकसित किया. उन्होंने इसे इतने सुंदर और तार्किक ढंग से प्रस्तुत किया कि यह आधुनिक समाज में भी लोकप्रिय है.

भारतीय दर्शन को षडदर्शन जैसे– मीमांसा, वेदांत, न्याय, वैशेषिक, सांख्य और योग कहे जाते हैं. सांख्य और योग, प्राचीन वैदिक तथा वेदांत फिलॉसफी हैं. इन दोनों दर्शनों ने भूमंडल के सभी विद्वानों को अपने दर्शन से चकित कर दिया है. सांख्य के आचार्य ऋषि कपिल और योग के हिरण्यगर्भ हैं. दोनों दर्शन एक दूसरे के पूरक माने जाते हैं. योग सांख्य का क्रियात्मक रूप है. यह तत्व ज्ञान को स्वयं अनुभव करना सिखा कर मनुष्य को अपने अंतिम लक्ष्य तक पहुंचाता है.

आयुर्वेद का स्तंभ है योग

हिरण्यगर्भ के सूत्रों के आधार पर महर्षि पतंजली ने योग सूत्र का निर्माण किया था. पतंजली मुनि के अनुसार योग से अंतःकरण, पद से वाणी और आयुर्वेद से मल को दूर किया जाता है. योग को आयुर्वेद का मूलाधार स्तंभ भी माना जाता है. यह योग प्रक्रिया के आधार पर ही है. प्राचीन काल में ऋषियों ने पहले इससे स्वयं साक्षात्कार किया और इसे अनुभव किया. इसके बाद लोक समाज के लिए इसे ग्राह्य एवं उपयोगी बनाने के लिए क्रमिक अभ्यास की विधियां विकसित की. इसके ज्ञान को उन्होने इस सुंदर और तार्किक तरीके से प्रस्तुत किया कि यह आज वैज्ञानिक युग में भी लोकप्रिय है. विद्वानों ने इसे आधुनिक समाज की आवश्यकताओं एवं जीवनशैली के अनुरूप बनाने का प्रयास किया है, जिससे लोग व्याधि मुक्त, तनाव मुक्त, स्वस्थ, संतुष्ट एवं श्रेष्ठ जीवन व्यतीत कर सकें. योग दर्शन पर भाष्य रची गयी हैं, जिनमें व्यास भाष्य, तत्व बैशारदी, योग वर्तिका, योग सार आदि प्रमुख हैं.

योग की हैं अनेक पद्धतियां – पतंजली मुनी का अष्टांग योग, महर्षि धेरंड द्वारा रचित धेरंड संहिता में सप्तांग योग, गोरखनाथ रचित गोरक्षशतक में षडांग योग की चर्चा है. इसका अर्थ यह है कि समय एवं आवश्यकता के अनुसार लोगों ने योग की कुछ पद्धतियों को प्रचलित किया. परंतु आधुनिक काल में पतंजली का अष्टांग योग ज्यादा लोकप्रिय है. ये यम(आत्मसंयम), नियम (आत्मशोधन के नियमों का पालन), आसन (शारीरिक मुद्रा), प्राणायाम (श्वास–प्रश्वास का नियमन), प्रत्याहार(इंद्रियों को उसके विषय से रोकना), धारणा(चिंतन), ध्यान (तल्लीनता) और समाधि(पूर्ण अंतरतन्मयता) हैं. इस प्रकार योग ऐसी पद्धति है, जिससे व्यक्ति अपने भीतर छिपी शक्तियों को संतुलित रूप से विकसित कर सकता है. यह पूर्ण स्वानुभूति कराने का साधन प्रदान करता है. आत्मा को सर्व व्यापी परमात्मा से जोड़ने के साधन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है. इसलिए महर्षि पतंजली को चित्त वृत्तियों का निरोध बताया है.

जीवन ही योग है

सरलतम शब्दों में जीवन ही योग है. हमारे दैनिक कर्म ही योग हैं. योग का लक्ष्य समन्वित व्यक्तित्व का विकास है. यह शारीरिक, मानसिक उत्थान के लिए है. दुखी मानवता के लिए यह मनो दैहिक चिकित्सा पद्धति के रूप में एक वरदान है. सत्य खोजने वालों के लिए ईश्वरानुभूति की सीधी राह है. वस्तुतः योग पूर्णता की योजना है. योग आत्मसाक्षात्कार का एक मार्ग है. योग के कई प्रकार होते हैं, जिनमें – जप योग (अपने मन को एक पवित्र नाम या अक्षर पर केंद्रित कर इसका सतत उच्चरण करना) कर्मयोग (फल की चिंता किये बगैर कार्य करना), ज्ञानयोग (आत्मा और अनात्मा में भेद), भक्तियोग (ईश्वर के प्रति श्रद्धा भाव के साथ समर्पण), राजयोग (अष्टांग योग), स्वर योग या नाद योग(श्वास के द्वारा संयोग) हैं.

वर्तमान में योग को रोग निरोधक, स्वास्थ्य वर्धक और रोग निवारण मूल्यांकन हेतु भारत और विदेशों में इस पर योजनाबद्ध तरीके से अनुसंधान हो रहा है. पिछले वर्ष फ्रांस में सरकार ने यूनिवर्सिटी स्तर तक योग की पढ़ाई को स्वीकृति दे दी है.

भारत में कुछ प्रसिद्ध संस्थान जैसे– शरीर क्रिया विज्ञान व संबंधित विज्ञान रक्षा संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(एम्स), राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य तथा तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहांस), विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान, कैवल्य धाम योग संस्थान, बिहार योग विद्यालय, मुंगेर आदि योग के प्रभावों के संबंध में गहन अनुसंधान कर रहे हैं.

हर दिन नहीं कर सकती एक सा व्यायाम

तेलुगू फिल्मों के बाद बॉलीवुड में बर्फी व फटा पोस्टर निकला हीरो से पहचान बनानेवाली इलियाना डिक्रूज आकर्षक फीगर के लिए भी जानी जाती हैं. जिम में वर्कआउट में वह यकीं नहीं रखतीं, बल्कि रोजाना योग के साथ कुछ आम एक्सरसाइज अपनाती हैं. फिटनेस के बारे में बता रही हैं इलियाना.

सबको लगता है कि मैं बहुत दुबली हूं, क्योंकि मैं खाती-पीती नहीं, जबकि सच यह है कि मैं बहुत फूडी हूं. मेरा मेटाबॉलिज्म स्ट्रांग है, इसलिए मेरा वजन नियंत्रित रहता है. बचपन से ही हम भाई-बहन दुबले-पतले रहे हैं, इसलिए कभी वजन को लेकर दिक्कत नहीं हुई. घर के कामों में भी रुचि रखती थी. खास कर जब मेड नहीं आती, तो खुद से फ्लोर साफ करती थी.

समुद्र किनारे जॉगिंग पसंद

जिम में वर्कआउट तो बिलकुल पसंद नहीं. समुद्र किनारे जॉगिंग पसंद है. बॉलकोनी में जंप करना अच्छा लगता है. 2011 में शूटिंग के दौरान घुटने में चोट लगी थी, जिसकी सजरी भी करानी पड़ी. इसलिए हफ्ते में तीन किलोमीटर से ज्यादा नहीं दौड़ती. हफ्ते में दो दिन स्वीमिंग-डांसिंग और 100 लैप्स मैनेज करती हूं. ब्रेस्ट, बैक और बटरफ्लाइ स्ट्रोक को अल्टरेट डे पर करती हूं. मेरा जैसा शरीर है, इसमें इंटरवल ट्रेनिंग से फायदा होता है. हर दिन एक-सा वर्कआउट नहीं कर सकती.

मेरी डायट

मुझे केक देख कर तो कंट्रोल नहीं होता. हां, बर्गर और पिज्जा से दूर ही रहती हूं. रसगुल्ला, रसमलाई और डार्क चॉकलेट पसंद है. मेटाबॉलिज्म को को बरकरार रखने के लिए दिन में चार से पांच छोटे-छोटे मील लेती हूं. ब्रेकफास्ट में एक गिलास फ्रूट जूस, दो अंडों का पोच और दो व्हीट ब्रेड कॉफी के साथ लेती हूं. दोपहर एक बजे लंच में 2 चपाती चिकन या फिश के साथ. इसमें वेजीटेबल, खासतौर से दाल और फूलगोभी पसंद है. डिनर में वही खाती हूं, जो लंच में. ब्रेकफास्ट व लंच के बीच नारियल पानी या नींबू पानी पीती हूं. शाम को सिर्फ चाय और नमकीन बिस्किट.

योग मेरे लिए खास

जल्दी सोती हूं और जल्दी उठती हूं. लेट नाइट पार्टी अवॉयड करती हूं. मेरी फिटनेस में योग सबसे खास है. इसकी ट्रेनिंग मैंने भरत ठाकुर से ली है. हर दिन सूर्य नमस्कार के 11 आसन करती हूं. एक्सरसाइज में बदलाव भी करती हूं.

गरमी में पीएं हेल्दी ड्रिंक्स

चिलचिलाती धूप और गरम हवाओं का मौसम आ गया है. इस मौसम में शरीर के तापमान व पाचन क्रिया को ठीक रखने के लिए संतुलित खाद्य एवं पेय पदार्थो का चुनाव बेहद जरूरी है. खास कर पेय पदार्थो के मामले में तो सावधानी बरतना और भी जरूरी है, क्योंकि गरमी से राहत पाने के लिए लोग अक्सर पेय पदार्थो का ही सहारा लेते हैं. गरमी में कुछ पीते रहने से पेट को ठंडक तो मिलती ही है, साथ ही ताजगी भी महसूस होती है. अतः ऐसे ड्रिंक्स

पीएं जिसे पीने से शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलता रहे और डिहाइड्रेशन से भी बचे रहें. कुछ ड्रिंक्स गले को राहत तो पहुंचाते हैं, लेकिन स्वास्थ्य को नुकसान भी पहुंचाते हैं. जानते हैं कुछ लाभदायक और हानिकारक ड्रिंक्स के बारे में.

ऐसे ड्रिंक्स से करें परहेज

इस मौसम में लोग काबरेनेटेड वाटर का अधिक सेवन करते हैं. लेकिन हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि इससे हमारे शरीर को कोई जरूरी पोषक तत्व नहीं मिलते, बल्कि ये कुछ जरूरी पोषक तत्व जैसे- कैल्शियम इत्यादि को क्षति ही पहुंचाते हैं.

चाय या कॉफी भी सीमित मात्र में लें, क्योंकि ज्यादा चाय-कॉफी से डिहाइड्रेशन होने की आशंका बढ़ जाती है.

ये ड्रिंक्स हैं लाभदायक

कुकुंबर ड्रिंक – 1 खीरा, 3/4 कप लो फैट दही, 4-5 पुदीना पत्ता, थोड़ा धनिया पत्ता, जीरा पाउडर, स्वादानुसार काला नमक और बर्फ मिलाकर इसका जूस बनाएं और पीएं. कैल्शियम, फॉलिक एसिड, विटामिन सी एवं पाचन को राहत पहुंचानेवाले हेल्दी बैक्टीरिया से भरपूर ये ड्रिंक डायबिटीज और हाइपरटेंशन के रोगियों के लिए भी फायदेमंद है.

बेल का शरबत – बेल के गूदे में स्वादानुसार चीनी/नमक नींबू और चाट मसाला मिलाकर इसका जूस बनाकर पीएं. कब्ज एवं गैस के रोगियों के लिए यह ड्रिंक लाभदायक है.

एपल मार्गरीटा – छीले-कटे सेब, नींबू, बर्फ, चीनी और थोड़ा पानी मिला कर इसका जूस बनाएं और इसका सेवन करें. यह ड्रिंक एनिमिया के रोगियों के लिए बहुत ही फायदेमंद है.

अदरक-पुदीना ड्रिंक – 1/4 कप अदरक का रस, 1/2 कप पुदीना पेस्ट, 1/2 कप नींबू का रस, चार चम्मच चीनी, 1 चम्मच जीरा पाउडर, काला नमक और पुदीना स्वादानुसार मिलाकर इसका जूस बनाएं. यह ड्रिंक विटामिन ए, सी और फोलिक एसिड, पोटैशियम, मैग्नीशिययम, जिंक इत्यादि से भरपूर है, यह टेस्टी होने के साथ-साथ गरमी में बहुत राहत देती है.

मैंगो शेक– आम और दूध से बना यह ड्रिंक विटामिन ए, पोटैशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, प्रोटीन, एवं कैलोरी से भरपूर है. कभी-कभी कुछ हलका खाने का मन करे, तो यह ड्रिंक संपूर्ण भोजन का भी कार्य करती है.

स्वस्थ मन से स्वस्थ तन

पुरानी कहावत है कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास होता है, पर यह एक पहलू है. दूसरा पहलू यह है कि स्वस्थ मन से स्वस्थ शरीर का निर्माण संभव है. तन और मन का संबंध पारस्परिक है. दानों की निर्भरता एक -दूसरे से जुड़ी है. अतः स्वास्थ्य एक समग्र तत्व है. इसकी प्राप्ति के लिए हमें समग्रता में सोचना चाहिए.

तन और मन का गहरा संबंध है. एक स्वस्थ तो दूसरा भी स्वस्थ. एक बीमार, तो दूसरा भी बीमार. दोनों की स्वस्थता एक दूसरे पर निर्भर है. स्थानांग सूत्र में यह बात प्रमुखता से कही गई है कि विचारों और भावनाओं से मानव का स्वास्थ्य बहुत अधिक प्रभावित होता है. अच्छे स्वास्थ्य का अर्थ सिर्फ अच्छा भोजन और एक नियमित दिनचर्या अपनाना भर नहीं है. स्वस्थ मनुष्य वह है जो अपनी शुद्ध प्रकृति में स्थिर होता है. यानी स्वस्थ वह है जो शरीर से ही नहीं , विचारों से भी स्वस्थ है. स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास होता है - यह अधूरा सत्य है. इसके साथ यह भी जोड़ जाना चाहिए , स्वस्थ मन से स्वस्थ शरीर का निर्माण होता है. वैसे तो आधुनिक चिकित्सा विज्ञान का अद्भुत विकास हुआ है. उसकी सफलताओं और उपलब्धियों पर सभी दांतों तले अंगुलियां दबाते हैं, पर इसके बावजूद दुनिया में बीमार लोगों की कोई कमी नहीं दिखती. नये से नये रोग भी जन्म लेते दिखाई देते हैं. असल में जब तक मानसिक विचारों और भावनाओं में संतुलन नहीं कायम होता और शांति का वातावरण नहीं बनता, तब तक स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता. सच तो यह है कि रोग से भी अधिक हम रोग की चिंता से रोगी और दुर्बल बनते हैं. इसलिए जरूरी यह है कि जब भी शरीर पर रोग का आक्रमण हो, हमें विचारों के स्वास्थ्य और उनके संतुलन पर विशेष ध्यान देना चाहिए.

चिंता और भय की तरह क्रोध का भावावेश भी स्वास्थ्य का शत्रु है. दो दिन के ज्वर से जितनी शक्ति नष्ट होती है, तीव्र क्रोध के दो क्षण में उतनी शक्ति नष्ट होती है. क्रोध से रक्तचाप की वृद्धि के साथ हृदय रोग का खतरा भी होता है. इसी तरह भय और भावना से भी स्वास्थ्य बहुत प्रभावित होता है. उसके प्रभाव से अनेक व्यक्ति पागल और रोगी तक बन जाते हैं. स्वास्थ्य पर विचारों के इतने गहरे प्रभाव को देखते हुए कहा जा सकता है कि स्वस्थ जीवन के लिए इलाज और दवा के साथ-साथ विचारों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए, तभी आप खुद को स्वस्थ रख सकते हैं.

इसे आप एक उदाहरण से समझ सकते हैं. एक बार अमेरिका के कृषि मंत्री एंडरसन को दिल की बीमारी हो गयी. कई दिनों की चिकित्सा के बाद भी उनके स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ. एक दिन अस्पताल में ही उन्होंने एक पुस्तक पढ़ी जिसमें लिखा था- 'दिल की बीमारी को दिमाग पर हावी नहीं होने देना चाहिए.' यह वाक्य उनके जीवन का मंत्र बन गया. उसी क्षण उन्होंने दिमाग से रोग की चिंता को दूर कर लिया. परिणाम यह निकला कि थोड़े ही समय में वह बिल्कुल स्वस्थ हो गये. मन से अच्छा महसूस करते हुए रोग की चिकित्सा करने के इस उपाय को 'फेथ - हीलिंग' कहते हैं. इस तरह का इलाज आस्था और भावना द्वारा की जानेवाली चिकित्सा का ही रूप है. भौतिक चिकित्सा का उपयोग करते हुए भी हमें आध्यात्मिक चिकित्सा का प्रयोग करना चाहिए. जैन परंपरा में ऐसे अनेक मुनियों के उदाहरण हैं, जिनके आधार पर आस्था और भावना द्वारा चिकित्सा की विधि का और अधिक विकास हो सकता है.

वजन कम करने का बेस्ट ऑप्शन है कार्डियो

फिल्म संघर्ष (1999) में प्रीति जिंटा की बाल भूमिका में पहली बार नजर आयीं आलिया भट्ट 'स्टूडेंट ऑफ द इयर' से युवा दिलों पर छा चुकी हैं. आज उनकी प्यारी मुस्कान और परफेक्ट फिगर की हर तरफ चर्चा है. फिल्मों में आने से पहले आलिया भी सामान्य लड़की की तरह दिखती थीं, लेकिन सिर्फ तीन महीने में 16 किलो वजन कम कर उन्होंने यह लुक हासिल किया है. क्या है इसका राज, बता रही हैं आलिया. मैं पांच साल से सेहत को लेकर ज्यादा फिक्रमंद हुई हूं. इन सालों में महसूस किया है कि अगर आप फिट होते हो तो आप बहुत सकारात्मक महसूस करते हैं. मैं साइज जीरो नहीं बनना चाहती. मेरी बहन पूजा ने भी मुझे सख्त हिदायत दे रखी है कि मैं साइज जीरो के चक्कर में न पडूं. हां, आप यकीन नहीं करेंगे कि फिल्मों में आने से पहले मेरा वजन 68 किलो था मगर पहली फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द इयर' में शनाया के रोल के लिए महज तीन महीनों में मैंने 16 किलो वजन कम किये. मैंने महसूस किया कि वजन कम करने में कार्डियो एक्सरसाइज सबसे बेस्ट ऑप्शन है.

वर्कआउट प्लान – मैं सप्ताह में तीन-चार दिन वर्कआउट करती हूं. स्पेशली सुबह एक घंटे कार्डियो करती हूं व शाम में लाइट वेट लिफ्टिंग. शुरुआत ट्रेडमिल से होती है. 10 मिनट वार्मअप के बाद क्रंचेस, बाइस्पे, ट्राइचेस्प, ड्रम्बेल्स वर्कआउट. हर दिन बॉडी के एक हिस्से पर मेहनत करती हूं. वीक में एक दिन ऑफ रखती हूं. योग और डांसिंग भी मेरी फिटनेस का अहम हिस्सा हैं. हर दिन अष्टांग योग भी करती हूं.

मेरी डायट – मैं दिन भर में चार- पांच छोटे-छोटे मील लेती हूं, जो मुझे फिट बनाये रखता है. पानी खूब पीती हूं, जो मुझे दिन भर हाइड्रेटेड रखता है. ऑयली व जंक फूड से दूर ही रहती हूं. सुबह की शुरुआत वेज या फ्रूट जूस से करती हूं. साथ में स्नैक्स, इडली-सांबर. अगर एग सैंडविच या पोहा लेना पड़े तो बिना चीनी के एक कप कॉफी या चाय के साथ लेती हूं. लंच में चिकन ब्रेस्ट, दाल, एक रोटी (बिना बटर), सब्जी और दही. शाम में कुरमुरा या फिर चाय-कॉफी के साथ इडली-सांबर. सोने से दो घंटे पहले डिनर में चिकन या फिश सब्जी के साथ और एक गिलास दूध लेती हूं.

तबीयत बिगाड़ न दे यह मौसम

गरमी का मौसम दस्तक दे चुका है. मौसम का यह बदलाव अपने साथ बुखार, सर्दी–जुकाम जैसी छोटी–छोटी बीमारियां भी ले आया है. अगर चाहते हैं कि आप या परिवार का कोई सदस्य फ्लू की चपेट में न आये, तो जानिए प्रतिष्ठित डॉक्टर से कि कैसे करें बचाव.

बदलते मौसम के कारण विभिन्न बीमारियां लोगों को चपेट में ले रही हैं. रात में ठंड और दिन में गरमी से अक्सर लोग लापरवाही बरतते हैं और कई बीमारियों का शिकार हो जाते हैं. अगर थोड़ी सावधानी और ध्यान रखा जाये तो बीमार पड़ने से बचा जा सकता है. इस मौसम में वायरल, कॉमन कोल्ड, ब्रोंकाइटिस, खांसी, गले व सिर में जकड़न आदि प्रमुख बीमारियां हैं. वहीं डायबिटीज, अस्थमा और हाइ बीपी के मरीजों को इस मौसम में खासी तकलीफों का सामना करना पड़ता है. बदलते मौसम में वायरस हावी रहता है. सुबह में हल्की सर्द हवाएं और दोपहर में गरमी से बुजुर्ग और बच्चे वायरल इंफेक्शन की चपेट में आ जाते हैं. वायरल इंफेक्शन के शुरुआती लक्षण खांसी, जुकाम और हल्का बुखार है जिसे हम 'फ्लू' भी कहते हैं. हैजा भी वायरल इंफेक्शन है. डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, हेपेटाइटिस आदि वायरस से ही फैलता है, जो बदलते मौसम में घातक होता है. इंफेक्शन से जुकाम में नाक बंद रहता है, छींकें भी ज्यादा आती हैं, गला खराब रहता है. बदलते मौसम में छोटे बच्चों में डायरिया का मुख्य कारण भी वायरल इंफेक्शन ही होता है. प्रदूषण के कारण वायल इंफेक्शन अत्याधिक पनपता है. वातावरण में मौजूद वायरस सांस लेने के दौरान शरीर में प्रवेश करते हैं. यह समस्या एसी के साथ अधिक है, क्योंकि वहां ताजी हवा नहीं होती.

लगवाएं एंटी फ्लू टीका – साल में दो बार अपने बच्चों को एंटी फ्लू टीका जरूर लगवाएं. डब्ल्यूएचओ साल में दो बार एंटी फ्लू टीका निकालता है एक सितंबर माह में और दूसरा मार्च माह में, क्योंकि अधिकांश वायरस मौसम बदलने पर ज्यादा अटैक करते हैं. इस लिहाज से ये महीने महत्वपूर्ण हैं. हर 6 माह में बच्चों व बुजुर्गों को यह टीका जरूर लगवाएं.

बुजुर्ग बरतें सावधानियां – अस्थमा, शुगर या हाइबीपी के मरीज अपनी दवाइयों का नियमित सेवन करें, अन्यथा आपकी परेशानी बढ़ सकती है. कोशिश करें कि धूप निकलने पर ही घर से बाहर निकलें. बिस्तर से उठते ही तुरंत खुली हवा में न जाएं. ब्लड थिनर मेडिसिन लेने वाले मरीज इसका नियमित सेवन न करें. बाईपास सर्जरी करा चुके मरीज चिकित्सक की सलाह लेकर दवाइयों का सेवन करें. शराब व धुम्रपान का सेवन न करें क्योंकि इस मौसम में यह अत्याधिक घातक साबित हो सकता है. शुगर मरीज नियमित दवाई लेते रहें व लगातार व्यायाम करें ताकि शुगर कंट्रोल रहे. हार्ट पेशेंट वाले बुजुर्गों को यदि चेस्ट में कोई परेशानी होती है, तो तुरंत चिकित्सक से सलाह लें.

क्या करें जब मौसम बनाये बीमार

मौसम में बदलाव के कारण हमें कई तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ता है. यह किन कारणों से होता है?

मौसम में बदलाव के कारण वायरस वातावरण में तेजी से विकसित होते हैं. इस मौसम में होनेवाली सर्दी, खांसी और बुखार इंफ्लुएंजा वायरस के इंफेक्शन की वजह से होते हैं. हृदय रोग और फेफड़ों से जुड़े रोगों से पीड़ित लोगों के लिए यह जानलेवा भी साबित होता है.

प्रायः इस मौसम में अचानक कोई ठंडी चीज पी लेने से तबीयत खराब हो जाती है, क्यों?

वातावरण में विभिन्न जीवाणु और विषाणु होते हैं. हमारे शरीर जैसे– गले, मुंह आदि में ये मौजूद होते हैं. सामान्य रूप से ये अक्रिय होते हैं. अचानक कोई ठंडी चीज पीने से, ये जीवाणु सक्रिय हो जाते हैं और तेजी से वृद्धि करने लगते हैं. इनकी संख्या बढ़ने के कारण ही हम बीमार पड़ते हैं.

सामान्य बुखार और वायरल इंफेक्शन में क्या अंतर होता है?

वायरल इंफेक्शन में बुखार, सिर दर्द, नाक से पानी बहना, खांसी, भूख घटना, काम करने की इच्छा न होना आदि लक्षण हैं. बुखार 5 दिन से अधिक रहे, तो यह मलेरिया, मियादी बुखार, कालाजार या डेंगू हो सकता है. टेस्ट करवाएं. मलेरिया के लिए आप्टिमल टेस्ट, मियादी बुखार के लिए विडाल टेस्ट होता है.

इससे बचाव के लिए क्या उपाय अपनाना चाहिए?

हाइ रिस्कवालों को खास कर हृदयरोगवाले लोगों को एंटी वायरल वैक्सीन लेना चाहिए. डॉक्टर की सलाह लेना चाहिए.

टॉक्सिक में करीना की जगह लेंगी नयनतारा!

सफल केजीएफ फ्रेंचाइजी में अपनी भूमिका के लिए प्रसिद्ध यश ने दो आगामी फिल्मों में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। इनमें से एक गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित टॉक्सिक और दूसरी नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित रामायण है। टॉक्सिक का फिल्मांकन वर्तमान में प्रगति पर है। यश, नितेश तिवारी की रामायण के साथ इस फिल्म का सह-निर्माण भी कर रहे हैं। इसी बीच खबर आई कि करीना कपूर खान ने फिल्म से अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं। वहीं, अब करीना के किरदार के लिए दमदार साउथ हसीना का नाम सामने आया है, जिसने फैंस के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया है। टॉक्सिक के लिए कास्टिंग के संबंध में रोमांचक घटनाक्रम सामने आए हैं। रिपोर्ट से पता चलता है कि गीतू मोहनदास की फिल्म में यश की बहन की भूमिका के लिए प्रसिद्ध साउथ अभिनेत्री नयनतारा से बातचीत चल रही है। जानकारी हो कि नयनतारा को लेडी सुपरस्टार भी कहा जाता है। ऐसे में वो अगर इस फिल्म का हिस्सा बनेंगी तो निश्चित रूप से फैंस और भी ज्यादा उत्साहित होंगे।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गीतू मोहनदास और यश ने हाल के हफ्तों में नयनतारा के साथ कई चर्चाएं की हैं और बातचीत सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रही है। नयनतारा ने इस भूमिका में गहरी रुचि दिखाई है, फिलहाल चर्चा साजो-सामान संबंधी व्यवस्थाओं पर केंद्रित है। एक मजबूत महिला के रूप में वर्णित चरित्र, नयनतारा के ऑन-स्क्रीन व्यक्तित्व के साथ अच्छी तरह मेल खाता है और वह कथित तौर पर गीतू मोहनदास के महिला पात्रों के चित्रण से प्रभावित हैं। गीतू मोहनदास और यश दोनों नयनतारा के टॉक्सिक के कलाकारों में शामिल होने की संभावना से उत्साहित हैं। विवरणों को अंतिम रूप देने के प्रयास चल रहे हैं और अगर सब कुछ सुचारू रूप से चला तो नयनतारा के अगले दो सप्ताह के भीतर आधिकारिक तौर पर बोर्ड पर आने की उम्मीद है। टॉक्सिक, 10 अप्रैल, 2025 को रिलीज होने वाली है, जिसमें यश के साथ कियारा आडवाणी मुख्य भूमिका में हैं। यह सहयोग प्रशंसित निर्देशक गीतू मोहनदास के साथ यश की पहली परियोजना है। वयस्कों के लिए एक परी कथा के नाम से मशहूर इस फिल्म ने अपनी घोषणा के बाद से ही काफी ध्यान आकर्षित किया है। मुख्य कलाकारों के अलावा, फिल्म महिला पात्रों के एक मजबूत समूह का वादा करती है, जिसके बारे में अधिक जानकारी की प्रशंसकों द्वारा उत्सुकता से प्रतीक्षा की जा रही है।

50 साल की उम्र पार कर चुकी हैं ये अभिनेत्रियां, खूबसूरती में नई हीरोइनों को भी देती हैं मात

बॉलीवुड अभिनेत्रियों की खूबसूरती के चर्चे विश्वभर में हैं। भारतीय अभिनेत्रियों ने मिस वर्ल्ड से लेकर मिस यूनिवर्स तक का खिताब जीतकर देश का मान बढ़ाया है। हिंदी सिनेमा की अभिनेत्रियों की अदा और खूबसूरती पर उनके प्रशंसक जान छिड़कते हैं। बॉलीवुड की कुछ ऐसी भी चुनिंदा अभिनेत्रियां हैं जिनके ऊपर उम्र का भी कोई खास असर नहीं है। उनकी खूबसूरती आज भी बरकरार है। यहां तक की सुंदरता में वह नई हीरोइनों को भी टक्कर देती हैं। आज हम ऐसी ही अभिनेत्रियों के बारे में बात करेंगे जिनकी उम्र तो 50 साल के पार हो गई है पर उन्हें देखकर आज भी उनके प्रशंसकों का दिल धड़क उठता है।

माधुरी

बॉलीवुड में 'धक-धक गर्ल' के नाम से मशहूर अभिनेत्री माधुरी दीक्षित की खूबसूरती बेमिसाल है। उनके डांस के लाखों दिवाने हैं। अपने करियर की शुरुआत तो माधुरी ने 'अबोध' नाम की फिल्म से किया था, लेकिन उन्हें पहचान फिल्म तेजाब से मिली। फिल्म 'तेजाब' के आइटम सॉन्ग 'एक दो तीन' से उन्हें घर-घर पहचान मिल गई। उस दौर में हर किसी की जुबान पर माधुरी का गाना रहता था। 56 साल की अभिनेत्री इस उम्र में भी नौजवान हीरोइनों को खूबसूरती के मामले में पीछे छोड़ देती हैं। उनकी अदा, डांस और खूबसूरती के आज भी लाखों दिवाने हैं।

भाग्यश्री

भाग्यश्री ने बॉलीवुड में सलमान खान की फिल्म 'मैनें प्यार किया' से डेब्यू किया था। अभिनेत्री की खूबसूरती और मासूमियत के उनके फैंस कायल हैं। उन्होंने अपनी पहली फिल्म के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार जीता था। अभिनेत्री ने बॉलीवुड के अलावा कन्नड़, मराठी, तेलुगु और भोजपुरी फिल्मों में भी काम किया है। इस साल फरवरी में उन्होंने अपना 55वां जन्मदिन मनाया। 55 साल की उम्र में भी अभिनेत्री बेहद खूबसूरत दिखती हैं।

तब्बू

तब्बू बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने कई हिट फिल्में बॉलीवुड को दी हैं। उनकी अदाकारी की सराहना भी खूब होती है। तब्बू ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत साल 1985 में आई फिल्म 'हम नौजवान' से की थी। आखिरी बार तब्बू हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'क्रू' में अभिनय करते हुए नजर आई हैं। 54 साल की उम्र में भी अभिनेत्री बेहद खूबसूरत और आकर्षक लगती हैं। उनकी खूबसूरती के चर्चे बी-टाउन से लेकर प्रशंसकों तक है।

रेखा

बॉलीवुड की सदाबहार अदाकारा रेखा अपने अभिनय के साथ-साथ अपनी खूबसूरती के लिए भी जानी जाती हैं। रेखा पर उनकी बढ़ती उम्र का कोई असर नही हैं। उनके प्रशंसक आज भी उनकी सुंदरता की सराहना करने से पीछे नहीं हटते। 69 साल की उम्र में भी वह बेहद खूबसूरत लगती हैं।

संगीता बिजलानी

संगीता बिजलानी ने 16 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी। अभिनेत्री ने 1980 में मिस इंडिया यूनिवर्स का खिताब भी जीता। बॉलीवुड में उन्होंने आदित्य पंचोली की फिल्म 'कातिल' से डेब्यू किया। संगीता की खूबसूरती के भी उनके प्रशंसक कायल हैं। 63 साल की अभिनेत्री आज भी देखने में बेहद खूबसूरत हैं।

वरुण-जान्हवी की फिल्म में अहम भूमिका निभाएंगे अक्षय ओबेरॉय

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय कथित तौर पर आगामी रोमांटिक कॉमेडी सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के लिए बोर्ड पर आ गए हैं। शशांक खेतान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में डायनामिक जोड़ी वरुण धवन और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका में हैं। बीते दिन इस फिल्म से रोहित सराफ और सान्या मल्होत्रा के जुड़ने की खबर सामने आई थी। फिल्म पर आ रहा लगातार नया अपडेट फैंस के उत्साह को बढ़ा रहा है। फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में अक्षय ओबेरॉय के शामिल होने की खबर ऑनलाइन जारी की। प्रोडक्शन से जुड़े करीबी सूत्रों के मुताबिक, ओबेरॉय फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और वरुण धवन और जान्हवी कपूर के साथ सितारों से भरे समूह में शामिल होंगे। यह जानकारी कलाकारों में सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ को शामिल करने की हालिया रिपोर्टों के बाद सामने आई है। फिल्म के विषय के बारे में बताते हुए, रिपोर्ट में खुलासा किया गया कि यह एक सर्वोत्कृष्ट पारिवारिक मनोरंजन फिल्म है, जिसका मूल रोमांस है, जो खेतान की पिछली फिल्मों में देखी गई सिग्नेचर शैली की प्रतिध्वनि है। अक्षय ओबेरॉय को पीकू, गुड़गांव और फितूर जैसी फिल्मों में उनके अभिनय के लिए जाना जाता है।

नितेश तिवारी की रामायण में हुई इस कलाकार की एंट्री

निर्देशक नितेश तिवारी की बहुचर्चित फिल्म 'रामायण' लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म में भगवान राम और माता सीता के किरदार में रणबीर कपूर और साई पल्लवी नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। हालांकि, ये किसी को नहीं पता है कि फिल्म की शूटिंग कहां पर हो रही है। सोशल मीडिया पर राम सीता के रूप में रणबीर और साई की कई तस्वीरें भी सामने आ चुकी हैं। हाल ही में फिल्म से जुड़े एक और कलाकार ने रणबीर के साथ अपनी तस्वीर साझा कर इस बात की पुष्टि की है कि वह 'रामायण' का हिस्सा होंगे। रामायण में रणबीर के को-एक्टर ने अपना उत्साह साझा करते हुए एक तस्वीर पोस्ट की है। अजिंक्य देव भी नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' का हिस्सा होंगे। उन्होंने एक पोस्ट साझा कर खुद इस बात की पुष्टि की है। हालांकि अभिनेता ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर कोई खुलासा नहीं किया है। अजिंक्य ने रणबीर के साथ तस्वीर साझा कर लिखा, तो अब इस फोटो पर स्पष्टीकरण के लिए... आरके के साथ फिल्म रामायण में एक शानदार भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हूं। यह डेढ़ साल बेहद ही अद्भुत रहा है, क्योंकि मैंने पहली बार मां नीतू सिंह कपूर के साथ स्क्रीन साझा की थी। इसके बाद एक वेब सीरीज के लिए करिश्मा कपूर के साथ हूं और अब रणबीर कपूर के साथ। 'रामायण' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म से जुड़ी हर अपडेट जानने के लिए दर्शक उत्सुक हैं। वहीं, फिल्म से कई कलाकारों की तस्वीरें सामने आ चुकी हैं।

यूनिसेफ इंडिया की नेशनल एंबेसडर बनीं करीना कपूर

करीना कपूर खान को यूनिसेफ इंडिया का नेशनल एंबेसडर नियुक्त किया गया है। वे 2014 से ही इस ऑर्गेनाइजेशन के साथ बतौर सेलिब्रिटी एडवोकेट जुड़ी हुई थीं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट शेयर कर इस बात की जानकारी दी है।

करीना ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि आज का दिन उनके लिए बहुत भावुक कर देने वाला है। करीना ने लिखा- मैं 10 साल से इस ऑर्गेनाइजेशन के साथ जुड़ी हूं। इन 10 सालों में मैंने बच्चों के अधिकारों के लिए काम किया है। मैं आगे भी पूरी तन्मयता के साथ इस संगठन से जुड़ी रहूंगी।

बच्चो के अधिकार के आवाज उठाती रहूंगी

करीना कपूर खान ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर कर आगे लिखा- हमने अभी तक जो काम किया है, उस पर मुझे बहुत गर्व है। मैं बच्चों के अधिकारों के लिए अभी भी प्रतिबद्ध हूं और आगे भी इनके लिए काम करती रहूंगी। इसके अलावा अपनी पूरी टीम को भी विशेष धन्यवाद देना चाहती हूं। आप लोग महिलाओं और बच्चों के अधिकारों के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। इस अवसर पर मैं यूनिसेफ इंडिया को बधाई देना चाहती हूं। पिछले 75 साल से यह ऑर्गेनाइजेशन बच्चों के हित के लिए काम कर रहा है। मैं उनकी आवाज बनने के लिए दृढ़ निश्चय करती हूं।

इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों को दी जाने वाली फीस से खुश नहीं लारा दत्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री लारा दत्ता इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'रणनीति- बालाकोट एंड बियॉन्ड' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। उन्होंने अपने करियर में कई शानदार किरदार निभाए हैं। हालांकि, लारा दत्ता इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों को दिए जाने वाली फीस से कुछ खास खुश नहीं हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने हिंदी सिनेमा में वेतन असमानता को लेकर खुलकर बात की है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

वेतन असमानता पर की बात

हाल ही में, एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने खुलासा किया कि महिलाएं इंडस्ट्री में अपने कई पुरुष कलाकारों की तुलना में कड़ी मेहनत करती हैं फिर भी ज्यादातर महिलाएं भाग्यशाली हैं कि उन्हें पुरुष अभिनेताओं को मिलने वाले वेतन का दसवां हिस्सा मिलता है। लारा दत्ता ने बताया कि वे प्रक्रिया में हैं और बहुत सारी महिलाएं हैं, जो इस धारणा में बदलाव करने की कोशिश कर रही हैं उन्होंने कहा कि पहले, यह सोचा जाता था कि जब आप 30 वर्ष की उम्र तक पहुंचते हैं, तो आपके लिए घर बसाने का समय आ जाता है क्योंकि आपका करियर खत्म हो जाता है।

रामायण को लेकर चर्चा में हैं

इस बीच, लारा दत्ता नितेश तिवारी की रामायण में कैकेयी की भूमिका को लेकर भी काफी चर्चा में चल रही हैं। अभिनेत्री ने इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने ऐसी कई रिपोर्ट्स सुनी हैं, लेकिन वह अटकलों का आनंद ले रही हैं, उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, कौन रामायण का हिस्सा नहीं बनना चाहेगा?

सीरीज को लेकर मिल रही हैं तारीफें

अभिनेत्री के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में, वे 'रणनीति- बालाकोट एंड बियॉन्ड' में नजर आई हैं। यह सीरीज 25 अप्रैल को स्ट्रीम हुई है। लारा दत्ता के साथ इसमें जिमी शेरगिल, आशुतोष राणा और आशीष विद्यार्थी समेत कई अन्य कलाकार हैं। इसके अलावा उनके पास वेलकम टू द जंगल और रामायण जैसी फिल्में हैं।

आलिया भट्ट स्टारर जिगरा में नजर आएंगे जेसन शाह

हाल ही में रिलीज हुई संजय लीला भंसाली की ओटीटी डेब्यू हीरामंडी - द डायमंड बाजार में अपने काम से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाले एक्टर जेसन शाह अपकमिंग फिल्म जिगरा में बॉलीवुड स्टार आलिया भट्ट और एक्टर वेदांग रैना के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। यह फिल्म भाई-बहन के प्यारे रिश्ते पर आधारित है। फिल्म के लिए जेसन को फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से गुजरना होगा। दरअसल, हीरामंडी में उन्होंने अपने किरदार को दमदार बनाने के लिए वजन बढ़ाया था, लेकिन इस फिल्म के लिए उन्हें अपना वजन घटाने की जरूरत पड़ेगी। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने कहा, हां, जेसन को फिल्म के लिए चुना गया है और एक्टर ने अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है और डबिंग स्टेज पर हैं। जेसन द्वारा निभाई गई भूमिका हीरामंडी में उनके लुक और व्यक्तित्व से बिल्कुल अलग है। दर्शक उन्हें जिस लुक में देखने के आदी हैं, वह उससे बिल्कुल हटकर नजर आएंगे। वह जिस किरदार को निभा रहे हैं, उसके लिए उन्हें अपनी फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से गुजरना होगा। ये ट्रांसफॉर्मेशन हर किसी के लिए एक सरप्राइज पैकेज होने वाला है। जिगरा का निर्देशन वासन बाला ने किया है।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009